मौसम
तापमान
दिन 23.0 अधिकतम
रात 10.0 न्यूनतम
पूर्वानुमान
आगामी 24 घंटे में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, शेखावाटी में शीत लहर रहेगी।

सच ■ साहस ■ संकल्प से...

जागो इंडिया जागो



49 की उम्र में भी...
पेज 11

वर्ष : 01 ■ अंक : 30 | jagoindiajago.news | जयपुर, रविवार, 14 दिसंबर, 2025 | 02 राज्य ■ 02 संस्करण | पृष्ठ: 12 ■ मूल्य: 3.00

ब्रीफ खबरें

मुर्शिदाबाद में 100 से अधिक बम बरामद



कोलकाता। बांग्लादेश की सीमा से सटे मुर्शिदाबाद जिले में एक ही रात में लगभग 100 से अधिक बम बरामद हुए हैं। इससे लोग आतंकित हैं। कहीं बम सड़क के किनारे झाड़ी में पड़े थे, तो कहीं विस्फोटक ड्रमों में भरकर मिट्टी के नीचे दबाए गए थे। पुलिस ने काजिशा गांव में छापा मारा। वहां दो ड्रमों में 89 साकेट बम थे। पुलिस की एक अन्य टीम ने बुधगाड़ी सिशाग्राम में छापेमारी की। तलाशी के दौरान एक पीले बैग में 10 साकेट बम मिले। इसके अलावा, सालर में भी साकेट बम मिले हैं। पुलिस को सड़क किनारे एक झाड़ी में पांच बम मिले। बाद में इन बमों को निष्क्रिय कर दिया गया।

बांग्लादेशी ने थाने में किया आत्मसमर्पण

कोलकाता। कोलकाता के इंटाली थाने में एक अजीबोगरीब घटना घटी, जब एक युवक वहां पहुंचा और उसने डरे सहमे स्वर में कहा, 'साहब, मैं बांग्लादेशी नागरिक हूं। मेरे पास यहां रहने को लेकर कोई वैध कागजात नहीं है। मुझे गिरफ्तार कर सीमा पार मेरे असल घर तक मुझे पहुंचा दीजिए। युवक ने अपना नाम नईमुल इस्लाम बताया है। जांच के बाद इंटाली थाने की पुलिस ने उसे विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया। वह बांग्लादेश के ढाका के मीरपुर का रहने वाला है। वह कुछ साल पहले अवैध रूप से इस राज्य में आया था। इस तरह का ये पहला मामला है।

मां ने दो बेटों के साथ की आत्महत्या

नई दिल्ली। कालकाजी इलाके में मां ने दो बेटों के साथ आर्थिक तंगी की वजह से आत्महत्या कर ली। स्थानीय कोर्ट ने उन्हें किराया का घर शुक्रवार तक खाली करने के लिए कहा था। परिवार पिछले कई महीनों से किराया नहीं चुका पा रहा था। मकान मालिक ने उन्हें बेदखल करने के लिए अदालत का रुख किया था। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने परिवार को शुक्रवार तक घर खाली करने को कहा था। यही सामूहिक आत्महत्या की वजह रही।

जागो इंडिया जागो
हिन्दी दैनिक अखबार
जागो इंडिया जागो
अखबार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 9333333046
पर संपर्क कर आज ही अपनी प्रति बुक कराएं।

कार्टून कोना



भारत पर लागू टैरिफ व्यवस्था को एक नई चुनौती बताते हुए कहा, यह व्यवस्था पूरी तरह अवैध और जन-जन के लिए प्रतिकूल है

भारत पर ट्रंप की 'टैरिफ तानाशाही' के खिलाफ अमेरिकी सांसदों ने उठाई आवाज

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . न्यूयॉर्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का विरोध वहीं के सांसद करने लगे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के 3 सांसद और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा सदस्यों ने ट्रंप की ओर से भारत पर लागू टैरिफ व्यवस्था को एक नई चुनौती देते हुए एक प्रस्ताव पेश किया है। इसमें उस राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा को रद्द करने की मांग की गई है, जिसके तहत भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। उन्होंने टैरिफ को अवैध और प्रतिकूल करार दिया है। यह प्रस्ताव नॉर्थ कैलोरिना के सांसद डेबोरा रॉस, टेक्सास सांसद मार्क वीजी और इलियॉन सांसद राजा कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में पेश किया गया है। यह कदम सीनेट में पेश किए गए एक द्विदलीय प्रस्ताव के बाद उठाया गया है, जिसका मकसद ब्राजील पर लगाए गए इसी तरह के टैरिफ को समाप्त करना और टैरिफ बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति द्वारा आपातकालीन शक्तियों के उपयोग को सीमित करना है। ऐसे में अब इस प्रस्ताव पर जल्द ही चर्चा हो सकती है। अमेरिकी कांग्रेस सदस्य रॉस ने कहा, नॉर्थ कैरोलिना की अर्थव्यवस्था व्यापार, निवेश और एक सक्रिय भारतीय-अमेरिकी समुदाय के जरिये भारत से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने भारतीय कंपनियों से जुड़े अरबों डॉलर के निवेश और हजारों नौकरियों का हवाला देते हुए यह बात कही। उन्होंने चेतावनी दी है कि ट्रंप की ओर से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदारी को कमजोर करने का जोखिम पैदा करते हैं। यह अमेरिकी उपभोक्ताओं को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जो वाकई चिंता की बात है।



आर्थिक और सुरक्षा सहयोग मजबूत हो

सांसद वीजी ने कहा, "भारत एक अहम सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है और यह अवैध टैरिफ आम उत्तरी टेक्सस के लोगों पर एक कर की तरह है, जो पहले से ही बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा, ये टैरिफ आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर रहे हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और उपभोक्ताओं पर भार बढ़ा रहे हैं। इसे खत्म करने से अमेरिका-भारत आर्थिक और सुरक्षा सहयोग मजबूत होगा।

अमेरिकी संसद बनाम ट्रंप की लड़ाई

यह प्रस्ताव अमेरिकी कांग्रेस के उस अभियान का हिस्सा है जिसमें डेमोक्रेट्स (और कुछ रिपब्लिकन भी) राष्ट्रपति के आपातकालीन अधिकारों पर लगाम लगाना चाहते हैं। सांसदों का कहना है कि व्यापार नीति बनाने का अधिकार संविधान के अनुसार सिर्फ कांग्रेस के पास है, राष्ट्रपति के पास नहीं है। अगर यह प्रस्ताव पारित होता है तो सीनेट (अमेरिकी कांग्रेस का ऊपरी सदन) में भी इसी तरह के प्रस्ताव पर वोटिंग होगी, जो काफी अहम है। गौरतलब है कि ट्रंप ने 1 अगस्त, 2025 को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। इसके बाद 27 अगस्त को प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत लगाने का ऐलान किया था। इन दोनों टैरिफ को मिलाकर कई भारतीय उत्पादों पर आयात लागत दोगुनी हो गई थी।

सीएम ने माफी मांगी: मुख्य आयोजक गिरफ्तार, कई लोग घायल, कमेटी जांच करेगी

नाराज प्रशंसकों ने मचाया उत्पात, मेसी बैरंग लौटे

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . कोलकाता

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी की शनिवार सुबह साल्ट लेक स्टेडियम में संक्षिप्त कोलकाता यात्रा अराजकता में तब्दील हो गई। इस फुटबॉल खिलाड़ी की झलक नहीं देखने पर नाराज प्रशंसकों ने भारी उत्पात मचाते हुए तोड़फोड़ की, कुर्सियों के साथ बोतलें फेंकी। इस दौरान यहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने प्रशंसकों को नियंत्रित करने के लिए हल्का लाठीचार्ज तक किया। भारी भीड़ ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया और मैदान में घुस गए। माहौल तनावपूर्ण होता देख मेसी करीब 20 मिनट में ही स्टेडियम से निकल गए। मुख्य आयोजक सतादु दत्ता को एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया है। कुछ लोग चोटिल भी हुए। सरकार ने कहा जो टिकट बिके थे, उनके पैसे आयोजकों को वापस करने होंगे, वरना कानूनी कार्रवाई होगी। मेसी को न देख पाना दरअसल गुस्से का इजहार था। 'सिटी ऑफ जॉय' में फुटबॉल प्रशंसकों के लिए जो दिन यादगार होना चाहिए था, वह एक बुरे सपने में बदल गया। अव्यवस्था के चलते मेसी की मौजूदगी से अधिक अफरा-तफरी मची रही।



जांच के लिए कमेटी गठित

घटना पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रशंसकों के साथ मेसी से भी माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'स्टेडियम में हुई बदइंतजामी से मैं बहुत परेशान और हैरान हूं। मैं इस घटना के लिए मेसी के साथ-साथ सभी खेल प्रशंसकों से दिल से माफी मांगती हूं। मैं जस्टिस (रिटायर्ड) आशिम कुमार रे की अध्यक्षता में एक जांच समिति बना रही हूं, जिसमें मुख्य सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव होंगे। समिति घटना की विस्तृत जांच करेगी। उधर भाजपा ने इसके लिए राज्य सरकार पर निशाना साधा है।

12 हजार खर्चे पर नहीं दिखे मेसी

प्रशंसकों का कहना था कि मेसी के आस-पास सिर्फ नेता और अभिनेता थे, तो उन्होंने हमें क्यों बुलाया। हमने 12,000 का टिकट लिया था, लेकिन हम उनका चेहरा भी नहीं देख पाए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जैसे ही मेसी स्टेडियम पहुंचे, तो उन्हें 70-80 लोगों की भीड़ ने घेर लिया, जिनमें ज्यादातर मंत्री और अधिकारी थे। मेसी ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे।

अराजकता के कारण बीच में ही रोकना पड़ा प्रोग्राम, पुलिस को फटकारनी पड़ी लाठियां

मेसी के मैदान में आते ही स्थिति बेकाबू हो गई। अराजकता के कारण कार्यक्रम को बीच में ही रोक दिया गया। इससे स्टेडियम में इस कार्यक्रम के लिए मौजूद बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी से मुलाकात नहीं हो सकी। सॉल्ट लेक स्टेडियम राजनीतिक दांव-पेच का अड्डा बन गया और सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के समर्थक सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में घुस आए। हालात इतने बिगड़ गए कि 'जीओएटी टूर' के आयोजक शतद्रु दत्ता और सुरक्षाकर्मियों को मेसी को स्टेडियम से सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी को देखने के लिए साढ़े चार हजार से दस हजार रुपए तक के टिकट खरीदने वाले प्रशंसकों ने निराशा में बोतलें फेंकी और कुर्सी-सीटों के साथ होर्डिंग को तोड़ दिया। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।



जासूसी के आरोप में वायुसेना का पूर्व अफसर गिरफ्तार



नई दिल्ली। पाकिस्तान को खुफिया जानकारी देने के आरोप में वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी कुलेंद्र शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। असम के सोनितपुर जिले से यह गिरफ्तारी की गई है। आरोपी कुलेंद्र सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंसी से जुड़े व्यक्तियों के संपर्क में था और उन्हें सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी दे रहा था। उसके मोबाइल और लैपटॉप से संदिग्ध सामग्री मिली है, हालांकि कुछ डेटा डिलीट होने का संदेह है। कुलेंद्र तेजपुर वायुसेना स्टेशन में जूनियर वारंट ऑफिसर था, जहां सुखोई 30 स्क्वाड्रन सहित प्रमुख हवाई संसाधन मौजूद हैं। वे 2002 में रिटायर्ड हुआ। इसके बाद उसने कुछ समय के लिए तेजपुर विश्वविद्यालय में काम किया। उधर अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में पुलिस ने शुक्रवार को जासूसी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये गिरफ्तारियां पश्चिम सियांग जिले के आलो और चांगलांग जिले के मियाओ से की गईं।

रांची हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान जमीन से टकराया विमान, यात्री सुरक्षित

रांची। यहां के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर शुक्रवार रात इंडिगो एयरलाइंस के विमान की हार्ड लैंडिंग के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। भुवनेश्वर से रांची आ रहे इंडिगो के विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। जिससे विमान को नुकसान पहुंचा। उस समय विमान में 56 यात्री सवार थे, लेकिन सभी को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया। हालांकि, हादसे में कुछ यात्रियों को हल्की चोटें लगने की बात भी सामने आई है। विमान ने रात 7:55 बजे भुवनेश्वर से उड़ान भरी और रात 8:30 बजे रांची हवाई अड्डे पर उतरा। लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आने से विमान की हार्ड लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया। अचानक तेज झटके से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। पायलट ने विमान को सुरक्षित तरीके से रोक दिया।



इंडिगो के दबदबे की जांच होगी

इंडिगो एयरलाइन की मोनोपॉली अब जांच के दायरे में आ गई है। कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) जांच कर रही है कि इंडिगो कंपनी ने प्रतिस्पर्धा के नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया। इंडिगो संकट नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है। इसके मुताबिक कोई कंपनी अपनी धाक के बल पर मनमानी कीमत नहीं वसूल सकती और मनमाने तरीके से संचालन नहीं कर सकती।

प्रदूषण के चलते दिल्ली में 30 फीसदी सांस रोगी बढ़े

नई दिल्ली। यहां हवा प्रदूषण के चलते सांस रोगियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है, जिनमें काफी युवा शामिल हैं। पिछली सर्दियों की तरह, इस बार भी जहरीली हवा के कारण दम घुट रहा है। ज्यादातर दिन प्रदूषण का स्तर 300 से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। अस्पतालों में सांस लेने में तकलीफ, सीने में जकड़न और लगातार खांसी से पीड़ित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लंबे समय तक उच्च प्रदूषण स्तर के कारण यह हो रहा है।

युद्ध खाली बयानबाजी या सोशल मीडिया से नहीं जीता जाता: सीडीएस

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . हैदराबाद

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को तेलंगाना के एयर फोर्स अकादमी, डुंडीगल में ऑटम टर्म 2025 की कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड की समीक्षा की। चौहान ने नए फ्लाइट कैडेट्स से कहा कि युद्धों में कोई रनर-अप नहीं होता। वहीं, पाकिस्तान का बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा कि युद्ध खाली बयानबाजी या सोशल मीडिया प्रचार से नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, ठोस योजना और निर्णायक कार्रवाई से जीते जाते हैं। साथ ही यह भी बताया कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ है। गलती की गुंजाइश जीरो है और लापरवाही की कीमत बहुत भारी होती है। आप भी एयर फोर्स में ऐसे समय में शामिल हो रहे हैं जब एक नया नॉर्मल पूरी तरह से बन चुका है, एक ऐसा दौर जो हाई लेवल की ऑपरेशनल तैयारी से पहचाना जाता है। ऑपरेशन्स की तीव्रता भले ही कम हो गई हो, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर जारी है। हमारी ताकत हर घंटे, हर दिन अलर्ट, फुर्तीले और तैयार रहने की क्षमता में होगी। जीत को आदत बनाना, इस नए नॉर्मल का हिस्सा होना चाहिए। युद्ध भाषणों से नहीं, बल्कि मकसद वाले कामों से जीते जाते हैं। वायु सेना की ब्रांचों के फ्लाइट कैडेट्स की प्री-कमीशनिंग ट्रेनिंग के सफल पूरा होने पर एयर फोर्स एकेडमी में एक कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड आयोजित की गई थी।



आपत्ति : इस प्रक्रिया को लेकर कई राजनीतिक दल विरोध में हैं, आरोप है कि भाजपा-चुनाव आयोग से मिलकर मतदाता सूची में हेरफेर कर रहा है

एसआईआर: 13 लाख आवेदनों में माता-पिता समान, 1 करोड़ में गड़बड़ियां

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फॉर्म जमा करने की अवधि समाप्त हो गई है। चुनाव आयोग की शुरुआती जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। लाखों आवेदन में पिता और बेटे की उम्र में 15 साल से भी कम का अंतर है। वहीं, दादा की उम्र भी 40 साल से कम है। ऐसे करीब 1 करोड़ आवेदन चुनाव आयोग के रडार पर हैं। सूत्रों के अनुसार 85 लाख मतदाताओं के पिता के नामों में विसंगति सामने आई हैं। वहीं, लगभग 13.5 लाख मतदाताओं के फॉर्म में माता-पिता का नाम एक जैसा है। कुछ फॉर्म में एक परिवार के सदस्य के पिता का नाम गलती से दूसरे सदस्य के माता के नाम वाले स्थान पर दर्ज है। वहीं, 11.95 लाख फॉर्म में पिता और बेटे की उम्र में केवल 15 साल का अंतर है। कम से कम 3,29,152 मतदाता ऐसे हैं, जिनके फॉर्म में दादा की उम्र 40 साल से भी कम दर्ज की गई है। वहीं, 24 लाख के आसपास ऐसे मतदाता हैं, जिनके 6 या इससे ज्यादा बच्चे हैं। चुनाव आयोग ने सभी आवेदन प्रपत्रों को डिजिटल कर दिया है और कहा है कि मतदाताओं को उनके रिकॉर्ड की पुष्टि के लिए सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा।



57 लाख से ज्यादा के नाम हटाए गए

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान और बढ़ सकता है। चुनाव आयोग ने राज्य की मतदाता सूची से 57 लाख से ज्यादा लोगों के नाम हटा दिए हैं। आवेदन जमा करने की अवधि खत्म होने के बाद आयोग ने हटाए गए नामों की सूची जारी की है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर सीट से 44,787 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। कोलकाता पोर्ट से सबसे ज्यादा 63,7330 नाम हटाए गए हैं। यहां से वरिष्ठ मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम चुनाव लड़ते हैं।

आलंद वोटर लिस्ट गड़बड़ी केस में चार्जशीट दाखिल

बेंगलुरु। एसआईटी ने आलंद सीट पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी मामले में शनिवार को 22 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। जांच में पूर्व भाजपा विधायक सुभाष गुट्टेदार और उनके बेटे हर्षानंद को मुख्य आरोपी बनाया गया है। उनपर वोटर लिस्ट से वैध वोटर डिलीट करने का आरोप है। चार्जशीट में सुभाष गुट्टेदार के पर्सनल सेक्रेटरी टिप्परुद्र, कलबुर्गी के तीन डेटा सेंटर ऑपरेटर - अकरम पाशा, मुकरम पाशा और मोहम्मद अशफाक और पश्चिम बंगाल के बापी आद्या पर भी मामले में शामिल होने का आरोप है। 2023 विधानसभा चुनाव से पहले 5,994 वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश हुई।

जिला प्रशासन से हुई वार्ता को किसानों ने बताया खानापूर्ति, किसान आंदोलन स्थगित करने को तैयार नहीं, गांव-गांव जनसंपर्क किया तेज

टिब्बी में एथेनॉल फैक्ट्री विवाद जारी, 17 को कलेक्ट्रेट पर महापंचायत का ऐलान

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

हनुमानगढ़ के टिब्बी क्षेत्र के राठीखेड़ा गांव में प्रस्तावित एथेनॉल फैक्ट्री को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। जिला प्रशासन और किसान नेताओं के बीच हुई वार्ता के बावजूद किसान आंदोलन स्थगित करने को तैयार नहीं हैं। किसानों ने प्रशासन के साथ हुई बातचीत को "खाना-पूर्ति" बताते हुए 17 दिसंबर को हनुमानगढ़ जिला कलेक्ट्रेट पर महापंचायत करने का ऐलान किया है। राठीखेड़ा में एथेनॉल फैक्ट्री स्थापना के विरोध में किसान पिछले करीब डेढ़ साल से आंदोलन कर रहे हैं। 10 दिसंबर को टिब्बी में आयोजित महापंचायत के बाद किसान फैक्ट्री स्थल की ओर कूच कर गए थे, जहां हालात बेकाबू हो गए। इस दौरान फैक्ट्री परिसर में खड़े एक दर्जन से अधिक वाहनों में आग लगा दी गई थी। घटना में 10 कारें, चार मोटरसाइकिलें, एक जेसीबी मशीन और एक पुलिस जीप जलकर नष्ट हो गई, जबकि दो जेसीबी सहित कई अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे।

घटना के बाद किसानों ने 17 दिसंबर को जिला कलेक्ट्रेट पर महापंचायत की घोषणा की थी। इसी कड़ी में शुक्रवार को किसान



प्रतिनिधिमंडल की एडीजीपी वीके सिंह, आईजी बीकानेर रेंज हेमंत शर्मा, जिला कलेक्टर खुशाल यादव, पुलिस अधीक्षक हरिशंकर और विधायक गुरवीर बराड़ के साथ वार्ता हुई थी। वार्ता के दौरान जिला प्रशासन ने फैक्ट्री से जुड़े सभी मानकों की समीक्षा किए जाने तक निर्माण कार्य पर रोक लगाने की घोषणा की थी। हालांकि किसानों का कहना है कि यह फैसला अस्थायी है और जब तक फैक्ट्री निर्माण को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।इस पूरे घटनाक्रम पर प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि किसानों से सौहार्दपूर्ण माहौल में बातचीत हुई है और सरकार अब भी संवाद के जरिए समाधान निकालने का प्रयास कर रही है। इधर, महापंचायत को लेकर एक बार फिर माहौल तनावपूर्ण होता नजर आ रहा है। किसानों ने गांव-गांव जनसंपर्क तेज कर दिया है।

प्रदर्शन करना सही, मेरे ऊपर 138 मामले दर्ज: किरोड़ी

भजनलाल सरकार के 2 साल पूरे होने पर प्रभारी मंत्री किरोड़ी लाल मीणा अलवर पहुंचे। इस दौरान किरोड़ी ने पत्रकारों बातचीत में हनुमानगढ़ की घटना को लेकर किसानों को संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बातचीत से ही समस्या का समाधान निकलेगा। किसान अपनी जगह पर ठीक है, लेकिन उनको गलत तरह से उकसाया जा रहा है। किसानों पर दर्ज मुकदमों पर उन्होंने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि मेरे ऊपर 138 मामले दर्ज हैं, लेकिन उन लोगों पर तो अभी तक एक एफआईआर हुई है। कांग्रेसी नेताओं पर निशाना साधते हुए भी किरोड़ी ने कहा कि इस घटना के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और सचिन पायलट जैसे नेताओं की बयान और प्रतिक्रिया सामने आई। लेकिन यह प्रोजेक्ट तो खुद कांग्रेस सरकार प्रदेश हित में लेकर आई थी। आज वही इसके खिलाफ खड़े होकर बयानबाजी कर रहे हैं और किसानों को उकसाने का काम कर रहे हैं। भिवाड़ी, बालोतरा हो या जोधपुर हो। सभी जगह पर औद्योगिक इकाइयों द्वारा गंदा पानी छोड़े जाने की शिकायतें लगातार मिली है। इसलिए किसान का प्रदर्शन करना सही है। इस पूरे मामले में पिछली सरकार की गलती रही कि उन्होंने किसानों को विश्वास में नहीं लिया और भूमि पूजन नहीं करवाया। किरोड़ी लाल ने कहा कि व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन देश में कानून व्यवस्था भी है। अगर कोई शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नहीं करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी होगी।

गहलोत ने कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा



जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर शनिवार को निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की "भाजपा सरकार आत्मप्रशंसा में व्यस्त है।" गहलोत ने झुंझुनूं में कथित गैंगवार में एक हिस्ट्रीशीटर समेत दो बदमाशों की मौत की घटना का हवाला देते हुए यह आरोप लगाया।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "जब राजस्थान की भाजपा सरकार कल प्रेस वार्ता कर अपराध कम होने के बड़े दावे कर रही थी, उसी समय झुंझुनूं में गैंगस्टर तीन किलोमीटर तक सड़क पर एक-दूसरे पर फायरिंग कर रहे थे, जिसमें दो बदमाशों की मौत भी हो गई।" गहलोत ने कहा, "राजस्थान में कानून-व्यवस्था की ऐसी दुर्गति कभी नहीं देखी।

कांग्रेस सरकार में शुरू की गई प्रमुख योजनाओं को कमजोर करने का आरोप

भाजपा सरकार सभी मोर्चों पर विफल : डोटासरा

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के दो साल के कार्यकाल पर निशाना साधा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर गत दो साल में अपनी सरकार के काम का हिसाब देने के बजाय 'पॉलिटिकल ड्रामा' (राजनीतिक नाटक) करने का आरोप लगाया। डोटासरा ने कहा कि दो साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार सभी प्रमुख मोर्चों पर विफल रही है।

डोटासरा ने राज्य सरकार के कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, ''आज से ठीक दो वर्ष पूर्व राजस्थान में एक ड्रामा हुआ था जिसमें पर्ची से मुख्यमंत्री का नाम तय हुआ था और यह खेल पूरे राजस्थान ने देखा। और आज फिर दिल्ली से आई हुई पर्ची को पढ़ कर एक ड्रामा हुआ है।' डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी सरकार की उपलब्धियों को लेकर उनके साथ खुली चर्चा कर सकते हैं।



मौजूदा सरकार के राज में हर क्षेत्र में पीछे चला गया राजस्थान

'उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री को अपने दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को बताना चाहिए था। दो वर्ष पहले चुनाव में प्रधानमंत्री व भाजपा ने जो वादे जनता से किए... उनमें से कितने पूरे हुए, इस बारे में जानकारी देनी चाहिए थी।" डोटासरा ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के राज में राजस्थान हर क्षेत्र में पीछे चला गया है। इस संदर्भ में उन्होंने "स्वास्थ्य बीमा कवरेज में कटौती, सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी और पिछली कांग्रेस सरकार के तहत शुरू की गई प्रमुख योजनाओं को कमजोर किए जाने" का जिक्र किया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि "चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा को 25 लाख रुपए से घटाकर पांच लाख रुपए कर दिया गया है, दुर्घटना बीमा कवर को आधा कर दिया गया है।"उन्होंने कहा, "अस्पतालों में निःशुल्क दवाइयां अनुपलब्ध हैं और जो मिल रही है उनमें से नकली भी पाई जा रही हैं। आरजीएचएस योजना दम तोड़ रही है, 400 से अधिक अस्पताल इस योजना से बाहर हो गए है। "डोटासरा ने आरोप लगाया कि राज्य में किसानों को खाद नहीं मिल रही, लाठी खानी पड़ रही है। उन्होंने कहा, "किसानों पर लाठियां बरस रही हैं, चुनावों में गेहूं पर जो बोनस देने की घोषणा की थी वह नहीं दिया जा रहा है। किसान सम्मान निधि 12 हजार रुपए देने का वादा किया था, वह भी अभी तक नहीं दिया गया है।"

किसानों के हाल क्यों नहीं पूछ रहे

किसानों द्वारा निर्माणाधीन इथेनॉल संयंत्र के विरोध में आंदोलन को लेकर डोटासरा ने कहा, "मंत्री और मुख्यमंत्री राजस्थान के टिब्बी में जाकर किसानों के हाल क्यों नहीं पूछ रहे हैं? जबकि कृषि मंत्री स्वयं कह रहे हैं कि किसानों की समस्या वाजिब है, उन्हें हल किया जाएगा।"उन्होंने दावा किया कि राज्य में सवा लाख शिक्षकों की कमी है और आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग में स्थानान्तरणों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा, "आज भारतीय जनता पार्टी में जबरदस्त अर्न्तकलह है, मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों को संतुष्ट नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली के 40 दौरे मुख्यमंत्री ने कर लिए हैं लेकिन एक नया पैसा राजस्थान के लिए लेकर नहीं आये।" कांग्रेस नेता ने आरोप लगाते हुए कहा, "अपराध चरम पर है, रंगदारी के नाम पर हत्याएं हो रही हैं। लेकिन सरकार सोई हुई है। मुख्यमंत्री जो प्रदेश के गृह मंत्री भी हैं, उनको कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करके उचित कदम उठाने चाहिए।"

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने दी डोटासरा को चुनौती, कहा-मैं खुले मंच पर बहस के लिए तैयार

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर



बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि वे बहस के लिए तैयार हैं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार शाम जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था। साथ ही भाजपा सरकार के 73% वादे पूरे होने के दावे पर आमने-सामने बैठकर बात करने की चुनौती भी दी थी। इन आरोपों के 24 घंटे बाद बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पलटवार करते हुए डोटासरा की चुनौती को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने शनिवार दोपहर मीडिया से बातचीत में कहा है कि वे खुले मंच पर बहस के लिए तैयार हैं। राठौड़ ने कहा, 'डोटासरा बिना फुटबॉल के गेम खेल रहे हैं।'

'डोटासरा का चश्मा बदलना पड़ेगा'

राठौड़ ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए अपनी सरकार की तुलना गहलोत सरकार से की। सांसद ने कहा, 'कांग्रेस के समय में पेपर लीक हुआ करते थे। हमने ऐसा करने वालों को पकड़कर जेल भेजा। अब पेपर लीक नहीं हो रहे हैं। हमने सब काम किया है, विपक्ष को यह सब क्यों नहीं दिख रहा है? उनको अब चश्मा बदलना पड़ेगा।'

निवेशक गारंटी ले रहा, यह कितनी बड़ी बात

डोटासरा ने जहां भजनलाल सरकार को 'बिखरा हुआ जत्था' बताया था, वहीं मदन राठौड़ ने कांग्रेस के आरोप का जवाब निवेश और स्थिरता के मुद्दे पर दिया। उन्होंने हाल ही में हुए प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का उदाहरण दिया। राठौड़ ने कहा, 'मंच पर एक निवेशक के रूप में अनिल अग्रवाल ने आकर सरकार की गारंटी ली और राजस्थान में निवेश करने को बढ़ावा देने की पैरवी की। एक निवेशक आकर गारंटी ले रहा है, यह कितनी बड़ी बात है?'

तब अस्थिरता थी, अब डबल इंजन की सरकार

राठौड़ ने पिछली कांग्रेस सरकार पर अस्थिरता का सीधा आरोप लगाया, जिसके कारण धरातल पर निवेश नहीं आया। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सत्ता बचाने और गिराने में लड़ते रहते थे, जिससे निवेशकों को सरकार अस्थिर लगी। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हमारी भजनलाल सरकार स्थाई है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने मिलकर जनता का विश्वास हासिल किया है।'

पहले पुलिस मार खाती, अब अपराधी

राठौड़ ने आगे कहा, 'विकास हो रहा है, उसको देखना चाहिए। लेकिन वो देखना तो दूर, सोचना तक नहीं चाहते। सीएम भजनलाल ने कल अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में आंकड़े पेश किए हैं। उन्हें देखकर कोई भी कह सकता है कि कांग्रेस ने जो 5 साल में काम किए, उससे ज्यादा हमने 2 साल में कर दिए। कांग्रेस के समय में पुलिस मार खाती थी, अब अपराधी पकड़े जा रहे हैं। अपराध कम हो रहे हैं। हम चाहते हैं , हमारी कमियां निकालो, तो हम उनको दूर करेंगे। लेकिन विपक्ष केवल हंगामा करना चाहता है, जिसका कोई मतलब नहीं है।'

विधायक देर से पहुंचे, मंत्री ने रवाना कर दिए विकास रथ, कॉन्फ्रेंस भी की, खड़े रहे व्यास

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार को बीकानेर में जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने विकास रथों को रवाना किया और इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। स्थानीय विधायक जेठानंद व्यास के पहुंचने से पहले ही रथ रवाना कर प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू करने की बात से विधायक जेठानंद व्यास नाराज हो गए। वे कॉन्फ्रेंस हाल में पहुंचे, लेकिन काफी देर तक कुर्सी नहीं मिलने पर खड़े रहे। बाद में मंत्री ने उन्हें बैठने को कहा तो वे बैठे, लेकिन काफी देर तक मंत्री के पीछे खड़े रहने के बाद नाराजगी जाहिर की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों के सवालों पर विधायक भड़क गए और उनसे उलझ



भी पड़े। प्रेस कॉन्फ्रेंस समाप्त होने के बाद विधायक व्यास मंत्री के साथ कलेक्टर चैंबर में गए, जहां उन्होंने प्रोटोकॉल का ध्यान नहीं रखने पर आपत्ति जताई।

मंत्री खींवसर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 5 वर्षों में कांग्रेस सरकार ने जितने काम नहीं किए, उससे कहीं अधिक काम वर्तमान सरकार ने 2 वर्षों में किए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डोटासरा द्वारा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को सरकार के कामकाज पर अल्बर्ट हॉल में सार्वजनिक बहस के लिए दी गई चुनौती पर खींवसर ने कहा, मुख्यमंत्री फ्री थोड़ी हैं। हर किसी के बुलाने पर मुख्यमंत्री थोड़े ही जाएंगे।"

मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई, ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को यहां सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में मौजूद जनसमूह को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। यहां अमर जवान ज्योति पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले नागरिकों को सम्मानित किया। शर्मा ने इन जीवन रक्षकों का हौसला बढ़ाते हुए उनके नेक कार्य की सराहना की। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर संदीप



गुप्ता, नितेश यादव, सुनील सिरवी, संजय कुमार एवं सुरता देवी को सम्मानित किया गया। शर्मा ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 500 ऑटोरिक्शा को रवाना किया किया। ये सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आम लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करेंगे। शर्मा ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को हेलमेट वितरण किया तथा व्यावसायिक वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मंजू शर्मा व विधायक डॉ. गोपाल शर्मा भी मौजूद थे।

एक्शन मोड में मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, कामकाज का करेंगे आकलन, दफ्तर में आने व जाने के समय पर भी रखेंगे नजर

अधिकारी-कर्मचारियों की परफॉर्मेंस पर मुख्य सचिव की पैनी नजर

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

सुधांश पंत के बाद नए मुख्य सचिव बनाए गए वी श्रीनिवास इन दिनों एक्शन मोड में हैं। मुख्य सचिव की कुर्सी संभालने के बाद ही वी श्रीनिवास ने सरकार की योजनाओं और कामकाज को धरातल पर उतारने के संकेत दिए थे। वहीं, अब मुख्य सचिव ने कामकाज को लेकर अधिकारी कर्मचारी परफॉर्मेंस पर भी पैनी नजर रखी हुई है। अधिकारियों-कर्मचारियों की परफॉर्मेंस का पैमाना मापने के लिए मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने एक नया फार्मूला भी तैयार किया है, जिसके आधार पर उनके कामकाज का आकलन किया जाएगा। मुख्य सचिव के इस प्रयोग की चर्चा इन



इन बिंदुओं पर तय होगी परफॉर्मेंस

- जहां से फाइल की शुरुआत हुई वहां से फाइल निस्तारण तक का समय
- फाइल निस्तारण समय
- पेंडेंसी सहित रसीद या प्राप्ति की प्रक्रिया
- निस्तारण के विविध चरण
- काम की मासिक रिपोर्ट रिव्यू
- ई फाइल के लिए आर्काइवल पॉलिसी या अभिलेख नीति
- राजकाज पर उपयोगकर्ताओं की संख्या की समीक्षा
- फाइल दफ्तर आने के समय से लेकर डिस्पोजल तक नजर

दिनों सचिवालय के गलियारों में जोर-शोर से हो रही है।

मुख्य सचिव का फोकस इन दिनों अधिकारी-कर्मचारियों के दफ्तर आने से लेकर दफ्तर में कितने समय तक बैठते हैं, इस पर भी है। इसके अलावा फाइल अगर विभाग में आती है तो उसका डिस्पोजल कितने दिनों में होता है, इसकी भी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि फाइल आने से लेकर फाइल के डिस्पोजल तक का समय राजकाज पोर्टल पर अपलोड करना होगा। वहीं, मुख्य सचिव ने बजट घोषणा 2025-26 में की गई घोषणाओं को भी धरातल पर उतारने और अब तक कितनी घोषणाओं को अमली जामा पहनाया है, उसकी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पूर्व मुख्य सचिव पंत जहां 15 दिन में बजट घोषणाओं की समीक्षा विभागवार करते थे तो वहीं मौजूदा मुख्य सचिव वी निवास हर सप्ताह इसकी समीक्षा बैठक ले रहे हैं। पद संभालते ही मुख्य सचिव ने कहा था कि बजट घोषणाओं को और सरकार की योजनाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारा जाना चाहिए, जिससे अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी सरकार की योजना का लाभ मिल सके।

कर्मचारी संगठनों में फैसले से खुशी

राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ का कहना है कि मुख्य सचिव ने जो फैसला लिया है वो पूरी तरह से सराहनीय है। इससे कामकाज में पारदर्शिता भी रहेगी और कामकाज गति भी पकड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य जन कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना है, जिससे कि जनता को उसका लाभ मिल सके। इसी के लिए अधिकारी कर्मचारी काम भी करते हैं, लेकिन अगर सही समय पर योजनाओं को लागू किया जाए तो उसका लाभ जनता को अधिक मिलता है।

एथेनॉल फैक्ट्री का एमओयू कांग्रेस राज में हुआ, वही कर रहे सियासत

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने श्रीगंगानगर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ के टिब्बी क्षेत्र में प्रस्तावित एथेनॉल फैक्ट्री को लेकर चल रहे विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह विवाद कांग्रेस शासन की नीतियों की देन है। भाजपा सरकार सभी पक्षों से संवाद कर आपसी सहमति के जरिए समाधान निकालेगी और किसानों व स्थानीय लोगों के हितों की पूरी तरह रक्षा की जाएगी। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल इस संबंध में केवल अटकलें हैं। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश मिलने पर ही मंत्रिमंडल विस्तार होगा। वर्तमान में राज्य सरकार कई अहम मुद्दों पर प्राथमिकता से काम कर रही है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूनिया ने कहा कि भाजपा वोट नहीं,



बल्कि दिल जीतने की राजनीति करती है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश सरकार की बड़ी उपलब्धि यह है कि पिछले दो वर्षों में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। इससे युवाओं का विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर प्रदेशभर में रथ यात्रा निकाली जा रही है। रेलवे स्टेशन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे पदमपुर स्थित बसंत पैलेस में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां श्रीकरणपुर विधानसभा सहित विभिन्न क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

सड़क पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से मिलेगी आमजन को निजात

हाईकोर्ट की नई पार्किंग में होंगे विरासत के दर्शन

जागो इंडिया जागो
मनोज अवस्थी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट परिसर में पार्किंग स्थल बनकर तैयार है और शुभारंभ का इंतजार कर रहा है। हालांकि इसके शुभारंभ की अभी तक कोई तारीख तय नहीं हुई है। भगवानदास रोड पर दो मंजिला भूमिगत पार्किंग बनने से राजस्थान हाईकोर्ट, सचिवालय और आसपास स्थित अन्य सरकारी कार्यालय होने के कारण भारी ट्रैफिक जाम से लोगों को निजात मिलेगी। वहीं इस पार्किंग का सौंदर्यीकरण का भी विशेष ध्यान रखा गया है। पार्किंग स्थल पर गुलाबी नगर की ऐतिहासिक विरासतों के दर्शन देखने को मिलेगे। इस पार्किंग के निर्माण में कई आधुनिक उपकरणों का भी उपयोग किया गया है।

हाईकोर्ट परिसर में बनी नई पार्किंग में 511 चौपहिया वाहन के साथ 190 दुपहिया वाहन एक साथ पार्क किए जा सकते हैं। इतने वाहनों की भूमिगत पार्किंग से हाईकोर्ट परिसर के सामने भगवानदास रोड पर लगने वाले लम्बे जाम से भी राहत मिलेगी।







पार्किंग में लिफ्ट भी लगाई गई

हाई कोर्ट परिसर में बनी नई पार्किंग में दो मंजिल पर उतरने -चढ़ने के लिए लिफ्ट भी लगाई गई है। जिससे वाहन पार्किंग करने वाले वाहन स्वामी को पैदल नहीं उतरना -चढ़ना पड़े। इसी के साथ आपातकालीन स्थित के लिए आधुनिक तरीके के अग्निशमन यंत्र भी लगाए गए हैं। इसी के साथ भारत में पहली बार पार्किंग स्थल पर स्काई लाइट का इस्तेमाल किया गया है। जो ऊर्जा की बचत करती है। वाहन स्वामी इस पार्किंग में अपना वाहन खड़ा कर भूमिगत सब-वे का इस्तेमाल कर सीधे हाईकोर्ट परिसर में जा सकेंगे।

आकर्षक पेंटिंग्स से किया सुसज्जित

भगवानदास रोड पर जाम की स्थिति को खत्म करने के लिए जो नई पार्किंग बनाई गई है। पार्किंग के लिए नीचे जाने वाले वाहन चालक पार्किंग के साथ गुलाबी नगरी की ऐतिहासिक यात्रा करेंगे। इसमें तीर्थ नगरी गलतागेट, आमेर का मावठा, जंतर-मंतर जैसी जगहों की विशेष पेंटिंग्स लोगों को मंत्र मुग्ध करेंगी।

अभी रास्ता होता है अवरुद्ध



दी बार एसोसिएशन जयपुर के चुनाव में सोमेश अध्यक्ष, उमेश महासचिव



जयपुर। दी बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष सोमेश चंद शर्मा बन गए है। वहीं महासचिव उमेश चौधरी और उपाध्यक्ष पद पर मोनिका की जीत हुई है। चुनाव अधिकारी एडवोकेट रोहिताश भास्कर ने विजयी पूरी कार्यकारिणी के नामों की घोषणा की। इससे पहले सेशन कोर्ट, बनीपार्क परिसर स्थित बार सभागार में इलेक्ट्रॉनिक मशीन से मतपत्रों की गणना की गई। इसके बाद चुनाव परिणाम सामने आए। परिणाम घोषित होते हुए कोर्ट परिसर में शादी जैसा माहौल हो गया। विजयी प्रत्याशियों को उनके समर्थक कंधों पर बैठाकर ढोल-नगाड़ों पर नाचे। कोर्ट परिसर में ही विजयी प्रत्याशियों का विजयी जुलूस निकाला गया। बता दें कि बार एसोसिएशन में 21 पदों के लिए इस बार 66 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था।

लोकसभा में गूंजा अतिक्रमण का मुद्दा

जयपुर। जयपुर समेत देशभर में सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों और अतिक्रमण का मामला लोकसभा में गूंजा। जयपुर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा ने शून्यकाल के दौरान यह गंभीर मुद्दा उठाते हुए सरकार से अतिक्रमित भूमि को चिह्नित कर उसे मुक्त कराने की मांग की। उन्होंने विशेष जयपुर में तेजी से बढ़ रही अवैध कॉलोनियों और सरकारी जमीनों पर कब्जों को लेकर चिंता जाहिर की।सांसद मंजू शर्मा ने सदन में कहा कि देश के कई हिस्सों में चारागाह की भूमि, वन भूमि, नगर पालिका और नगर निगम की जमीन, विकास प्राधिकरणों की भूमि सहित विभिन्न विभागों की सरकारी जमीनों पर कब्जाधारियों ने अवैध रूप से कॉलोनियां बसा दी हैं। इन कॉलोनियों में लोगों ने मकान तक बना लिए हैं, कई स्थानों पर अवैध पट्टे भी काट दिए गए हैं। इससे न केवल सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि, नियोजित विकास भी प्रभावित हो रहा है।

आज ही हमसे जुड़ें और दें फीडबैक

जागो इंडिया जागो

आपकी कसौटी पर खरा उतरने के लिए हमारा आपके पास नियमित पहुंचना आवश्यक है।

ऐसे में समाचार पत्र को पढ़ने के बाद आप नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें या क्यूआर कोड स्कैन करके अपना फीडबैक जरूर दें।

+91 98888 88130

एम्बुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म होने से शिशु की मौत

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

जयपुर के एक सरकारी अस्पताल लाते समय एम्बुलेंस में ही एक दिन के नवजात शिशु की मौत हो गई और बच्चे के पिता ने आरोप लगाया कि रास्ते में ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म हो गया व एम्बुलेंस चालक उन्हें किसी अन्य अस्पताल में छोड़कर चला गया।

बस्सी थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम बस्सी के पास उस वक्त की है जब सांस लेने में तकलीफ से जूझ रहे शिशु को भरतपुर जिले के बयाना अस्पताल से जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल रेफर किया गया था और शिशु के पिता व चाचा उसे एक निजी एम्बुलेंस से ले जा रहे थे।उन्होंने बताया कि शिशु के पिता के अनुसार, ऑक्सीजन खत्म होने के बाद एम्बुलेंस चालक उन्हें बस्सी के सरकारी अस्पताल में छोड़कर चला गया। थाना प्रभारी ने बताया, ''बांसखो के पास पिता ने देखा कि ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म हो गया है, जिसके बाद एम्बुलेंस चालक उन्हें पास के बस्सी अस्पताल गया जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। एम्बुलेंस में कोई नर्सिंग स्टाफ नहीं था और ऑक्सीजन सिलेंडर भी पिता ने संभाला हुआ था।'' उन्होंने बताया कि शिशु के पिता बच्चे का शव लेकर भरतपुर के लिए रवाना हो गए और इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

SMS की इमरजेंसी में हार्ट की जांच बंद, प्राइवेट लैब भेजे जा रहे मरीज

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल सवाई मानसिंह की इमरजेंसी में इन दिनों हार्ट के मरीजों की परेशानी बढ़ गई। यहां इमरजेंसी में दिखाने आने वाले और भर्ती मरीजों को जांच के लिए हॉस्पिटल से बाहर प्राइवेट लैब में भेजा जा रहा है। क्योंकि यहां हार्ट फेलियर का पता लगाने के लिए की जाने वाली जांच NT-PROBNP जांच बंद पड़ी है। वजह जांच की किट उपलब्ध नहीं होना है। हैरानी कि बात यह है कि जांच की किट स्टोर में उपलब्ध है, लेकिन उसे लाने की जहमत कोई नहीं उठा रहा। इस लापरवाही का खामियाजा मरीज भुगत रहे है। इन मरीजों को डॉक्टर



या नर्सिंग स्टाफ बाहर प्राइवेट लैब भेज रहे है, जहां इस जांच के लिए मरीज को 2200 रुपए से 2600 रुपए तक देने पड़ रहे हैं।

तेज सर्दी के मौसम में बड़े बुजुर्ग और हार्ट के पुराने मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। सामान्य दिन की तुलना में ज्यादा सर्दी में हार्ट पेशेंट को परेशानी ज्यादा आती है, यही कारण है कि इन दिनों कार्डियक ओपीडी और इमरजेंसी में सांस फूलने, सीने में दर्द होने समेत अन्य शिकायत के मरीज ज्यादा आते है।

इस कारण बंद हुई जांच : इमरजेंसी में तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों के मुताबिक यहां जांच के लिए किट मंगवाने की जिम्मेदारी नर्सिंग स्टाफ की है। नर्सिंग इंचार्ज गोवर्धन छुट्टी पर गए और उन्होंने चार्ज नर्सिंग कर्मचारी विजय को सौंपा। लेकिन विजय भी अब छुट्टी पर चले गए वो भी बिना किसी जिम्मेदार को चार्ज दिए। इमरजेंसी के इंचार्ज डॉ. सतीश मीणा ने बताया- मैंने आज ही इमरजेंसी का चार्ज संभाला है। स्टाफ से जांच बंद होने का कारण पूछा, तो पता चला नर्सिंग के दोनों इंचार्ज छुट्टी पर हैं और जांच किट नहीं है। मैंने तुरंत किट जारी करने के लिए कहा है।

मरीज सीटी स्कैन, एमआरआई, 2डी ईको जांच और रेफरेंस के लिए 17किमी दूर एसएमएस हॉस्पिटल जाने को मजबूर

स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट की व्यवस्थाओं में 'कैंसर', मरीज परेशान

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के तहत चलने वाले स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई) में कैंसर के मरीज इलाज के लिए आते हैं, लेकिन यहां की प्रशासनिक व्यवस्थाएं खुद ही बीमार नजर आ रही हैं। ओपीडी या आईपीडी में दिखाने आने वाले मरीजों को सीटी स्कैन, एमआरआई, 2डी-ईको जैसी जांचों के लिए या किसी अन्य विभाग से रेफरेंस लेने के लिए करीब 17 किलोमीटर दूर एसएमएस हॉस्पिटल जाना पड़ता है। जबकि एमआरआई को छोड़कर बाकी जांचें और रेफरेंस की सुविधा एससीआई से सटी आरयूएचएस हॉस्पिटल की इमारत में ही उपलब्ध हैं। इस कारण कई बार तो मरीज 1 से 2 दिन तक भर्ती ही नहीं हो पाते। क्योंकि ओपीडी में दिखाने के बाद उनको सीटी स्कैन, MRI, 2डी-ईको जैसी जांचों के लिए SMS के धक्के खाने पड़ते हैं। इन जांचों को करवाने के बाद वे मरीज भर्ती की प्रक्रिया करवाते हैं।



RUHS में ये सुविधा, फिर भी लाभ नहीं

सिटी स्कैन, 2डी ईको जांच की सुविधा SCI से लगती आरयूएचएस हॉस्पिटल की बिल्डिंग में उपलब्ध है। इसके अलावा इस हॉस्पिटल में जनरल सर्जरी, जनरल मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, ईएनटी की यूनिट संचालित है। हार्ट की बीमारी से संबंधित रेफरेंस के लिए मरीजों को यहां भी भेजा जा सकता है। लेकिन न तो यहां रेफरेंस की कोई व्यवस्था कर रखी है और न ही SCI से सीटी स्कैन करवाने के लिए आने वाले मरीजों की जांच की जा रही है।

मरीज काटते हैं चक्कर

ये परेशानी जांच तक ही सीमित नहीं है। जो मरीज भर्ती हैं और उनको कैंसर के अलावा दूसरी क्रॉनिकल डिजीज (हार्ट, शुगर, किडनी, लिवर आदि) है तो उससे संबंधित डॉक्टर से परामर्श (रेफरेंस) के लिए परेशान होना पड़ता है। कैंसर के इलाज के दौरान इन बीमारी से संबंधित रेफरेंस लेने के लिए भी मरीजों के परिजनों को SMS आना पड़ता है।

दो दिन से काट रहे है SMS के चक्कर

सवाई माधोपुर के पास गंगापुर सिटी एरिया से आई एक 73 साल की बुजुर्ग महिला जो कैंसर से पीड़ित है वह अपने बेटे के साथ 10 दिसंबर को दिखाने SCI आए, जहां डॉक्टरों को दिखाने के बाद उनको भर्ती करने के लिए कहा गया। लेकिन भर्ती से पहले सीटी स्कैन, MRI, 2डी-ईको जांच लिखी। इन जांचों को करवाने के लिए मरीज और उनके पुत्र दो दिन से SMS में चक्कर लगाते रहे। जांचें 12 दिसंबर को पूरी होने के बाद अब भर्ती की प्रक्रिया शुरू करवाएंगे। बुजुर्ग महिला के साथ आए उनके बेटे ने बताया- यहां हॉस्पिटल में डॉक्टर को दिखाने में ज्यादा समय नहीं लगा, लेकिन इन जांचों को करवाने के लिए SMS हॉस्पिटल आने-जाने और वहां टाइम लेने में ढ़ाई दिन का समय लग गया। उन्होंने कहा, कि सरकार ने इतना बड़ा हॉस्पिटल यहां बनवा रखा है, तो इन जांचों की सुविधा भी अगर करवा दें तो मरीज को 17 किलोमीटर दूर जाने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

ब्रीफ खबरें

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए डिबेट और डेमोक्रेसी को साथ लेकर चलना आवश्यक : डॉ. सीपी जोशी



जयपुर। राजधानी जयपुर में शनिवार को थिंक टैंक 'दिशामंथन' का शुभारंभ किया गया। राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने 'दिशामंथन' का विमोचन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में सूचना सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुकी है। थिंक टैंक जैसे वैचारिक मंच आम आदमी व विद्यार्थियों तक तथ्यपरक जानकारी पहुंचाकर लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए डिबेट और डेमोक्रेसी को साथ लेकर चलना आवश्यक है।'दिशामंथन' के संस्थापक अतुल्य माथुर ने थिंक टैंक की उपयोगिता और 'दिशामंथन' के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह मंच शोध, संवाद और वैचारिक विमर्श के माध्यम से समाज और राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर रचनात्मक भूमिका निभाएगा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संसदीय सचिव और लोकसभा सचिवालय के पूर्व संयुक्त सचिव (विधि) रविन्द्र गरिमला ने संसदीय लोकतंत्र में सुधारों पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि युवा गणराज्य के रूप में भारत को संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और समावेशी बनाने की दिशा में निरंतर सुधारों की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए। चिंतन रिसर्च फाउंडेशन के सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज एंड एनर्जी ट्रांजिशन के प्रमुख डॉ. देबजीत पालित ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण पर प्रकाश डाला। बी.ई.एस.टी. इनोवेशन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ग्लोबल लीडरशिप की डीन डॉ. सृष्टि पुख्रेम ने बदलते इंडो-पैसिफिक परिदृश्य में भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के संबंधों पर अपने विचार रखे। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की स्ट्रैटेजिक स्टडीज प्रोग्राम की डिप्टी डायरेक्टर शैरी मल्होत्रा ने वैश्विक परिवर्तन के दौर में भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं पर संबोधन दिया। लेखक एवं राजनेता आजाद सिंह राठौड़ ने बलूचिस्तान और मानवाधिकारों के मुद्दे पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षाविद, शोधकर्ता, विद्यार्थी और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार थिंक टैंक दिशामंथन भविष्य में नीति, शासन, अंतरराष्ट्रीय संबंध, ऊर्जा, मानवाधिकार और लोकतांत्रिक सुधारों जैसे विषयों पर निरंतर विमर्श और शोध को बढ़ावा देगा।

मालवीय नगर विधायक सराफ ने विकास रथ को किया रवाना



जयपुर। राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ यात्रा का शुभारंभ किया। महेश नगर मंडल में 80 फीट रोड से रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद सराफ ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि यह "विकास रथ" सरकार की प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और विकास के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाएगी। नटवर कुमावत ने बताया कि मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में यह विकास रथ 13 से 16 दिसंबर तक महेश नगर मंडल के सभी वार्डों में, 17 से 20 दिसंबर तक राजा पार्क मंडल में और 21 से 24 दिसंबर तक मालवीय नगर मंडल के सभी वार्डों में प्रमुख स्थानों पर जाएगा।

जागो इंडिया जागो
सच ■ साहस ■ संकल्प से...

हिन्दी दैनिक अखबार में तीये की बैठक, पुण्यतिथि, श्रद्धांजलि और शोक संदेश नि:शुल्क छपवाएं।

Photo

मुख्यालय, जागो इंडिया जागो, प्लाट नं. 23 कृष्णा एन्कलेव, पत्रकार कॉलोनी, धौलाई, मानसरोवर, जयपुर - 302020

9333333046

ऐसा पहला आयोजन : गोविंद देवजी के पूर्व महंत गोस्वामी के तिरोभाव उत्सव का होगा समापन

हजारों भक्त करेंगे गायत्री महामंत्रों की परिक्रमा

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर के पूर्व महंत श्रील प्रद्युम्न देव गोस्वामी महाराज के तिरोभाव उत्सव के समापन समारोह के रूप में गोविंद देवजी मंदिर के सत्संग भवन में रविवार को करोड़ों हस्तलिखित गायत्री महामंत्रों की परिक्रमा की जाएगी। गायत्री महामंत्र की परिक्रमा का देशभर में यह पहला आयोजन बताया जा रहा है।

शनिवार को तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। सवा पांच करोड़ हस्त लिखित गायत्री महामंत्र की पुस्तिकाओं के बंडल बनाकर सत्संग भवन के ब्रह्म स्थान पर व्यवस्थित रूप से रखे गए। परमात्मा से सबकी बुद्धि को सन्मार्ग पर प्रेरित करने के लिए गोविंद देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज के सान्निध्य में होने वाले परिक्रमा का शुभारंभ सुबह पांच देव पूजन के साथ होगा। विभिन्न मंदिरों के संत-महंत, जन प्रतिनिधि, विभिन्न संस्थाओं के लोग भी परिक्रमा करेंगे।

हवन में अर्पित करेंगे एकांश-दशांश आहुतियां। परिक्रमा के दौरान ही सुबह नौ से बारह बजे तक निशुल्क पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ भी होगा। यज्ञ की सभी सामग्री मंदिर में उपलब्ध रहेगी। किसी भी तरह का सामान लाने की आवश्यकता नहीं है।

निर्धारित समय के दौरान सभी को आहुतियां प्रदान करने का अवसर प्राप्त होगा। जिन लोगों ने कभी भी किसी भी मंत्र की परिक्रमा की उस संख्या के दसवें या सौंवे हिस्से के हिसाब से आहुतियां प्रदान कर सकेंगे। उल्लेखनीय है जप का दशांश या एकांश हिस्से की यज्ञ में आहुतियां अर्पित करना अनिवार्य होता है।

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है छंदों(मंत्रों) में गायत्री वे स्वयं हैं। गायत्री देव, वेद माता और विश्व माता है। गायत्री के 24 अक्षर अलग-अलग देवी-देवताओं के प्रतीक है।

इसलिए एक बार गायत्री मंत्र का उच्चारण करना 24 देवी-देवताओं की परिक्रमा करना है। परिक्रमा के दौरान गायत्री को सिद्ध करने वाले युग पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की आवाज में गायत्री महामंत्र का उच्चारण होता रहेगा। गायत्री को सिद्ध करने वाले व्यक्ति की आवाज के साथ जप को 2400 गुणा अधिक प्रभावी बताया गया है। यानी 24 गायत्री मंत्र जप की फलश्रुति 24000 मंत्र होगी।

साथ ही राम नाम धन संग्रह बैंक में जमा होगी भेंट राशि। पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ और परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा जो भी राशि भेंट की जाएगी गायत्री परिवार उस राशि को राम नाम धन संग्रह बैंक में जमा कराएगा ताकि उस राशि का पुण्य ब्याज श्रद्धालुओं को आजीवन मिलता रहे। श्रद्धालुओं की ओर से भेंट की गई राशि से राम नाम लेखन के लिए पुस्तिकाएं खरीदी जाएंगी। अयोजन के दौरान गायत्री परिवार के कार्यकर्ता अलग से भी इस कार्य के लिए अंशदान करेंगे।



आस्था-भक्ति का अनूठा संगम

इससे पहले आस्था और भक्ति के अनूठे संगम राम नाम बैंक से जुड़ी परिक्रमा का शुभारंभ गोविंद देवजी मंदिर के सत्संग भवन में हुआ था। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक संग्रह कहे जाने वाले इस बैंक में संरक्षित 135 अरब हस्तलिखित राम नाम एक पखवाड़े तक श्रद्धालुओं के लिए परिक्रमा के लिए खुले रहें। लगभग 17.5 अरब राम नाम मंत्रों की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को गायत्री मंत्र लेखन के लिए पुस्तिका का निशुल्क वितरण किया जाएगा। गायत्री मंत्र के प्रति श्रद्धा का जागरण हो इसके लिए गायत्री चालीसा का निशुल्क वितरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि छोटीकाशी में हजारों लोग प्रतिदिन गायत्री मंत्र लेखन करते हैं। एक मंत्र लेखन का फल जप की तुलना में दस गुणा अधिक बताया गया है क्योंकि मंत्र लेखने के दौरान शरीर का प्रत्येक अंग सक्रिय रहता है। सत्संग भवन में गायत्री चेतना केन्द्र, जनता कॉलोनी की ओर से बुक फेयर लगाया जाएगा। यहां यह परिक्रमा श्रील गोस्वामीपाद प्रद्म्न कुमार जीऊ की स्मृति में शुरू की गई थी। यह दुनिया भर की बैंकों के बीच एक ऐसा आध्यात्मिक 'बैंक' भी है, जहां जमा होता है सिर्फ राम नाम वह भी हस्तलिखित। राजस्थान का श्रीराम नाम धन संग्रह बैंक आज 135 अरब से ज्यादा लिखे हुए मंत्रों का भंडार बन चुका है। इस अनूठे तप ने ऐतिहासिक पड़ाव छू लिया है।

इसे माना गया है वेदों की माता

धर्म, संस्कृति, संस्कार, महापुरुषों की जीवनी सहित अनेक विषयों पर पुस्तकें आधे मूल्य पर उपलब्ध रहेगी। विद्वानों के अनुसार गायत्री मंत्र मानसिक शांति, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा लाता है, बुद्धि को प्रखर कर सही मार्ग दिखाता है और आध्यात्मिक व बौद्धिक विकास करता है, जिससे जीवन में हमेशा सुख, समृद्धि और आत्मविश्वास बढ़ता है। इसे सभी मंत्रों का महामंत्र और वेदों की माता भी कहते हैं। यह मंत्र नकारात्मक विचारों को दूर कर सूर्य के तेज के समान प्रकाश और ज्ञान प्रदान करता है।

ब्रीफ खबरें

उल्लेखनीय कार्यों के लिए रावत को किया सम्मानित



जयपुर। वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फैडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत को उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। रावत का यह सम्मान श्रीलंका के रतनपुरा जैम टाउन में आयोजित साउथ एशियन पैरा थ्रोबॉल प्रतियोगिता के दौरान श्रीलंका पैरा थ्रोबॉल संघ की संरक्षक सुनिता ने किया। इस मौके पर निर्मला रावत से प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन फ्लेग ऑफ मार्च कर करवाया। कार्यक्रम में निर्मला रावत के पति लक्ष्मण रावत के अलावा वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल एसोसिएशन अध्यक्ष निर्मला रावत, आयोजक व अध्यक्ष रत्नायक, वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की मुख्य सचिव प्रेम कुमार अल्बर्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे। समारोह के दौरान रावत ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी व स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया।

ईश्वरी सिंहजी की 275वीं पुण्य तिथि पर हुए कई कार्यक्रम

जयपुर। तालकटोरा स्थित महाराजा सवाई ईश्वरी सिंह जी की ऐतिहासिक छतरी पर भौमिया जी महाराजा सवाई ईश्वरी सिंह जी की 275वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को कई कार्यक्रम हुए। पुण्यतिथि के अवसर पर सुबह भौमिया जी महाराज का केसर पञ्चामृत से अभिषेक करवाकर साफा और पोशाक पहनाई गई। संध्या के समय महाराजा को पुष्पांजलि अर्पित कर भजनों का कार्यक्रम हुआ एवं पौष बड़ों का भोग लगाया गया। ये आयोजन यहां के महंत रामतीर्थ पारीक के सान्निध्य में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सांगानेर के सांगा बाबा भौमिया जी महाराज मंदिर के पुजारी शैलेन्द्र अजमेरा महाराज शामिल हुए। उनका और उनके साथ आए मानवाधिकार सहयोग संघ भारत के प्रदेश सचिव विक्रम सिंह रायपुरा, पृथ्वीराज सिंह निमेडा बांदीकुई और अन्य लोगों का स्वागत किया गया। शहरभर से लोगों ने पहुंचकर छतरी पर पूजा-अर्चना की। शाम को भजन संध्या के आयोजन हुआ।

रुद्र महायज्ञ की वैदिक विधान से हुई पूर्णाहुति

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

कालवाड़ रोड रामकुई पचार स्थित गौशाला परिसर में संत सीताराम दास महाराज के सान्निध्य में आयोजित 105वें 108 कुंडीय रुद्र महायज्ञ की शनिवार को वैदिक विधि-विधान के साथ पूर्णाहुति हुई। नौ दिन तक चले महायज्ञ में अनेक श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित की। महायज्ञ की पूर्णाहुति पर अखिल भारतीय संत समिति, राजस्थान के अध्यक्ष एवं विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने सहभागिता करते हुए सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया के भाव के साथ विश्व शांति, राष्ट्र की उन्नति, गौ संरक्षण तथा जनकल्याण की कामना की। संत सीताराम दास महाराज ने यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे महायज्ञ न केवल आध्यात्मिक चेतना को जागृत करते हैं, बल्कि समाज को धर्म, सेवा और संस्कारों से जोड़ने का कार्य भी करते हैं। इस अवसर पर दादू पीठाधीश्वर ओमप्रकाश दास, दिनेश गिरी महाराज, माधव दास महाराज, बाहुबली देवाचार्य महाराज, पलसाना धाम के मनोहर शरण महाराज एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहे।



पाठशाला में बच्चों को स्कूली बैग वितरित किए

जयपुर। उत्थान सेवा संस्थान की ओर से न्यू लोहा मंडी रोड पर निशुल्क संचालित अपनी बाल संस्कार पाठशाला में शनिवार को हेल्पिंग हैंड्स के दीपेश गुप्ता, बजरंग लाल गुप्ता, विकास सहवाल, प्रदीप, वंश, साक्षी एवं जूही ने पाठशाला की न्यू लोहामंडी रोड, खोरा बीसल, बोहरा जी की बावड़ी शाखाओं के 172 बालक-बालिकाओं को निःशुल्क चरण पादुकाएं वितरित की। अनुज तिवारी ने पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत 105 बालकों को स्कूली बैग वितरित किए।

मंगलाचरण के साथ त्रिवेणी नगर में औषधालय हुआ शुरू



जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

गोपालपुरा बाईपास स्थित त्रिवेणी नगर में शनिवार को दिगम्बर जैन समिति के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन औषधालय का उद्घाटन समाजसेवी अजय-आभा पाण्डया ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। मुख्य अतिथि अध्यक्ष दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी सुधांशु- ऋषु कासलीवाल थे। इस अवसर पर वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष भानु छाबड़ा, राकेश गोदीका, देवेंद्र कासलीवाल, डॉ. सुरेंद्र काला, शांति कुमार काला का भी सम्मान किया गया। प्रवक्ता नरेश कासलीवाल ने बताया कि उक्त औषधालय श्री दिगम्बर जैन औषधालय बोरडी का रास्ता, किशनपोल की शाखा होगी। कार्यक्रम में वैद्य फूलचन्द जैन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य जांच शिविर में मरीजों को परामर्श, दी गई मुफ्त दवा



जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

अमरापुर स्थान में श्री अमरापुर सेवा समिति एवं गुप्ता मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत प्रातः 9 बजे संत मोनूराम महाराज एवं संत मंडली के सान्निध्य में दीप प्रज्वलित कर की गई। शिविर में डॉ. ऋषभ गुप्ता, विधि अग्रवाल, निखिल बंसल आदि ने मरीजों को परामर्श दिया। साथ-साथ बीपी, मधुमेह, ईसीजी आदि की निःशुल्क जांचों के साथ फिजियोथेरेपी प्रक्रिया से भी उपचार किया गया। इस शिविर का 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। शिविर में निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। संतों ने बताया कि चिकित्सा विशेषज्ञों के परामर्श का मरीजों ने लाभ उठाया।

कल्याण धणी बैनाडा धाम में आयोजन : ठाकुरजी को सुन्दर पोशाक और आभुषणों से सजाकर आकर्षक श्रृंगार किया

भक्तों ने की मिजमानी,कल्याणजी को जिमाया खीर- मालपुआ

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

समाज श्री सीताराम जी समिति की ओर से मन्दिर कल्याण धणी बैनाडा धाम पर मिजमानी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मन्दिर महंत रामदयाल दास महाराज ने बताया कि यहां माह की हर पुर्णिमा को विशेष आयोजन किए जाते है। बैनाड़ धाम कई योगी- मुनियों की तपस्या स्थली हैं। यह एक सिद्ध पीठ के नाम से अपनी पहचान रखता है। कल्याण धणी के दरबार में भक्तों की हर प्रकार की मनोकामना पूर्ण होती हैं। यहां सीतारामजी मिजवानी महोत्सव के दौरान शनिवार को ठाकुरजी को सुन्दर पोशाक और आभुषणों से सजाकर आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में मौजूद समाज के भक्तों ने कल्याण धणी अनेक प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर मनोरथ किया। इस मौके पर भगवान को गारिया सुनाकर रिझाया गया। आयोजन में उपस्थित भक्त रामशरण हल्दिया, अवधेश पोद्दार, नारायण अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण काकडेवाले, बृजमोहन अग्रवाल, महेश भगत, रामनारायण नाटाणी, हंसराज घीया, गणेश शर्मा, मदन शर्मा, राजाबाबू पाटोदिया, मनीष भुखमारीया ने साजों पर पदों का गान किया। समाज के मंत्री रामबाबू झालानी ने बताया कि भगवान को सुनाए गए मुख्य पदों में म्हारे राम कुंवर मन भाया रे सखी रंग भीना, रघुनाथ बनाने इन गलियन होय लावोरी सखी, सिद्धाजी की महला में जीमे मिजमानी, श्रीरघुराज जीमो जीमो रंगीला रघुनाथ सासरै मिजमानी, सियावर जी का लाड लडावा जी नौरंग गाली गावॉ आदि सुनाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भक्तों ने मीजमानी में खीर- मालपुआ और भुजिए प्रसादी का भोग अर्पण किया। समाज के बृजमोहन, कृष्ण भाई गोयल ने बताया कि 46 दिवसीय महोत्सव के तहत रविवार को मंगलेश्वर महादेव, सैक्टर-3 विद्याधर नगर में आयोजन होगा।



पौष बड़ा का भोग लगा

जयपुर। दुर्गापुरा स्थित मंदिर श्री राधामोहन जी मंदिर में शनिवार को पौष बड़ा महोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। मंदिर महंत जगदीश शर्मा दिवाकर ने बताया कि भगवान का गुनगुने जल से प्रात पंचामृत से अभिषेक कर नवीन पोशाक एवं नवीन मुकुट धारण कराए गए। भगवान की फूल बंगला झांकी सजाकर विशेष श्रृंगार किया। इस अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। राजस्थानी भजन गायक कान्हा मारवाड़ी मंडली और दुर्गापुरा महिला मंडल ने भजनों के माध्यम से ठाकुर जी का गुणगान किया। भगवान को हलवे और बड़े का भोग लगाया।

अथः धर्म-वीथिका

।। यतो धर्मः ततो जयः धर्मो रक्षति रक्षितः ।।
।। अथैकादशोऽध्यायः ।। संजय उवाच
त्वमादिदेवः पुरुषः पुराणस्त्वमस्य विश्वस्य परं निधानम्। वेत्तासि वेद्यं च परं च धाम त्वया ततं विश्वमनन्तरूप॥



भावार्थ : आप आदि देव सनातन पुरुष हैं, आप ही संसार के परम आश्रय हैं, आप ही परम धाम हैं और आप के ही द्वारा यह संसार अनन्त रूपों में व्याप्त हैं।

आज का विचार

अनर्थकं विप्रवासं गृहेभ्यः पापैः सन्धि परदाराभिमर्शम्। दम्भं स्तैन्य पैशुन्यं मद्यपानं न सेवते यश्च सुखी सदैव॥

भावार्थ : जो व्यक्ति अकारण घर के बाहर नहीं रहता ,बुरे लोगों की सोहबत से बचता है ,परस्त्री से संबध नहीं रखता, चोरी, चुगली,पाखंड और नशा नहीं करता-वह सदा सुखी रहता है।

अथः पंचांगम्

दिनांक 14 दिसंबर, 2025, रविवार
पौष कृष्ण पक्ष दशमी, कालयुक्त संवत्सर विक्रम संवत 2082, शक संवत 1947 (विश्वावसु संवत्सर), मार्गशीर्ष। दशमी तिथि 06:50 शाम तक उपरांत एकादशी। नक्षत्र हस्त 08:18 तक उपरांत चित्रा। **सूर्योदय 7:04 सूर्यास्त 5:39 राहु कालः** पूर्वाह्न तक, (राहुकाल में शुभ कार्य नहीं करना चाहिए), मानक स्थलः **जयपुर**

राशिफल

मेष

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और सहयोगियों की मदद से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और सेहत का ध्यान रखें।

वृषभ

व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार की नई योजनाएं बना सकते हैं। जल्द पैसे कमाने की इच्छा होगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

मिथुन

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और व्यापार में आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आकस्मिक धनलाभ के योग बनेंगे। मित्रों-परिजनों के सहयोग से कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

कर्क

व्यावसायिक गतिविधियों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी। कारोबार को लेकर लिये निर्णय सार्थक सिद्ध होंगे। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

सिंह

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और नए कार्यों की जिम्मेदारी मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं।

कन्या

कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की अधिकता रहेगी। अनावश्यक धन व्यय होने की संभावना रहेगी। वाणी पर संयम रखना होगा, अन्यथा किसी परिजन से अनबन हो सकती है।

तुला

गृहों की स्थिति आपके अनुकूल बन रही है, जिससे कार्यक्षेत्र में उन्नति के योग रहेंगे। कारोबार में धनलाभ और नौकरी में तरक्की की संभावना रहेगी। हालांकि, कार्यों में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से आत्मविश्वास में कमी आएगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक क्षेत्र में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन परिश्रम और अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के साथ आनंदपूर्वक समय बिताएंगे।

धनु

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। धनलाभ की स्थिति रहेगी। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और सफलता प्राप्त प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में कामकाज की अधिकता रहेगी और भागदौड़ अधिक होगी।

मकर

व्यावसायिक गतिविधियों में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजनों के साथ एक समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। जीवन-साथी के साथ पारिवारिक समस्याएं साझा करने से सुकून महसूस होगा।

कुंभ

कारोबार मध्यम रहेगा और कार्यक्षेत्र में बाधाएं उत्पन्न होंगी, लेकिन अंततः अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। नए कार्यों की शुरुआत करना अच्छा नहीं है।

मीन

कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और सभी कार्य आसानी से होंगे। काम को लेकर उच्च अधिकारियों का दबाव रहेगा, जिससे तनाव का सामना करना पड़ सकता है। अविवाहितों के लिए विवाह के नए अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए समय अनुकूल है।

उक्त राशिफल सूर्य, चंद्र व ग्रहों की संस्थितियों पर आधारित है। कोई विशेष प्रयोजन हो तो जातक की जन्मकुंडली के आधार पर निर्णय लेना चाहिए
- व्यवस्थापक

वीकेंड पर पर्यटकों की भीड़, नाहरगढ़ किले पर उमड़ा जनसैलाब



जयपुर। वीकेंड का आनंद लेने सैलानी पिंकसिटी में उमड़ रहे हैं। शनिवार को ऐतिहासिक विरासत को निहारने बड़ी संख्या में टूरिस्ट शहर के पर्यटन स्थलों पर पहुंचे। नाहरगढ़ किले पर उमड़े सैलानी। —**फोटो मुकेश शर्मा**

मीनाकारी व नगीना जड़ाई के आभूषण चोरी करने वाला नौकर गिरफ्तार



जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

कोतवाली थाना पुलिस ने मीनाकारी व नगीना जड़ाई के आभूषणों की चोरी के मामले में नौकर को गिरफ्तार किया है। आरोपी कीमती नगीनों से जड़ी ज्वैलरी चुराकर उनमें लगे नगीने और चांदी अलग-अलग कर देता था। इसके बाद चांदी को गलाकर बाजार में बेच देता था। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि आरोपी अमजद खान (28) निवासी गलतागेट जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले आभूषण चुराता था, फिर उनमें लगे कीमती नगीने और चांदी अलग कर लेता था। चांदी को गलाकर वह बाजार में बेच देता था, जिससे चोरी का सुराग लगाना मुश्किल हो जाता था। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने इससे पहले और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है।

प्रशासन पर सही सीमा ज्ञान नहीं करने का आरोप, पुलिस व सिविल डिफेंस रहे तैनात

जमीनी विवाद, टंकी पर चढ़ा एक परिवार

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

खोरा-बीसल थाना इलाके में जमीन का सही सीमाज्ञान नहीं होने का आरोप लगाते हुए शनिवार दोपहर एक परिवार पानी की टंकी पर चढ़ गया। परिवार के पानी की टंकी पर चढ़ने और सामूहिक आत्महत्या करने के प्रयास की खबर पूरे गांव में फैल गई। जिसके बाद घटना स्थल पर ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाईश के बाद घटना की जानकारी सिविल डिफेंस टीम को दी। जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंच कर पानी ही टंकी ने नीचे जाल बिछाया। लेकिन सिविल डिफेंस के साथ ग्रामीणों और पुलिस ने करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद समझाइश कर पीड़ित परिवार को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया।

हेड कॉन्स्टेबल ख्यालीराम ने बताया ने बताया कि थाना इलाके में स्थित रोजदा गांव निवासी रामनारायण पुत्र कालूराम, हरिगढ़वाल पुत्र भैरु राम, कालू, हरि और उसकी पत्नी का दूसरे पक्ष से भूमि विवाद चल रहा था। जिसके बंटवारे को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो चुकी है। दोनों परिवारों के लोगों ने विवाद को खत्म करने के लिए सीमा ज्ञान की अर्जी लगाई थी। लेकिन रामनारायण के परिवार का आरोप है कि आपसी मिलीभगत के चलते सही सीमा ज्ञान नहीं किया गया है। सही सीमा ज्ञान नहीं होने के विरोध में शनिवार दोपहर रामनारायण पुत्र कालूराम, हरिगढ़वाल पुत्र भैरु राम, कालू, हरि और उसकी पत्नी



गांव में ही स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए और आत्महत्या की धमकी देने लगे। पीड़ित परिवार ने सरकारी अफसरों पर आरोप लगाते हुए बताया कि सरकारी अफसर दूसरे पक्ष के दबाव में आकर सही सीमा ज्ञान नहीं कर रहे है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और ग्रामीणों ने पीड़ित समझाईश और उचित कार्रवाई करने का आश्वसन दिया। जिसके करीब 1 घंटे बात सहमति बनी। जिसके पश्चात पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से पीड़ित पक्ष को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया।

चौमूं में बजरंग दल कार्यकर्ताओं पर हमले के विरोध में थाने का घेराव



जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

चौमूं थाना इलाके में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर देर रात हुए हमले के विरोध में संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शनिवार दोपहर पुलिस थाने का घेराव किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता थाने के बाहर और परिसर में एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए और हमलावरों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। मामला चौमूं थाना क्षेत्र के जाहोता पुलिया का है, जहां पिकअप वाहन में सवार कुछ लोगों द्वारा बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर जानलेवा हमला किया गया था। इस हमले में महेंद्र कुमावत गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका चौमूं के बराला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश है। धरने के दौरान बजरंग दल के प्रांत संयोजक परमवीर सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह बिजावत एडवोकेट सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस द्वारा अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई। मौके पर चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा कार्यकर्ताओं से वार्ता की और मामले में निष्पक्ष जांच तथा जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

आमेर-दिल्ली रोड पर भैरूंजी-भोमियाजी की प्रतिमाएं खंडित होने से इलाके में फैला तनाव

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

आमेर थाना इलाके में मंदिर में भैरूंजी-भोमियांजी की प्रतिमाएं खंडित किए जाने से इलाके में तनाव फैल गया। ग्रामीणों ने शनिवार सुबह मंदिर में खंडित मूर्तियों को देखा तो ये खबर आग की तरफ पूरे इलाके में फैल गई। जिसके बाद एक -एक करके घटना स्थल पर सैकड़ों ग्रामीण इक्कठा हो गए। मंदिर के बाहर बढ़ती भीड़ की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के आते ही ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

मंदिर परिसर में घुस कर मूर्तिया खंडित करने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मंदिर के आसपास का मौका मुआयना



किया और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात समाजकंटकों के खिलाफ मामला दर्ज कर आसपास लेगे सीसीटीवी फुटेज के आधार बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

वहीं, इस मामले में कुछ ग्रामीणों ने पास में ही स्थित एक निजी फॉर्म हाउस से जुड़े कुछ लोगों पर शक जाहिर किया है। वहीं ग्रामीणों ने मंदिर में जल्द ही नई प्रतिमाओं की स्थापना करने की मांग की है। ताकि धार्मिक गतिविधियां सुचारू रह सकें। प्रशासन और समाज के वरिष्ठ लोगों के हस्तक्षेप के बाद नई मूर्तियां स्थापित करने पर सहमति बनी, जिसके बाद मौके पर मौजूद भीड़ शांत हुई।

शिवराज गैंग के दो बदमाश किए गिरफ्तार, दस-दस हजार रुपए का था इनाम घोषित

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच ने शनिवार को शिवराज गैंग के दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर खोरा-बीसल थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस गिरफ्तार दोनों बदमाशों से गिरोह के अन्य लोगों के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास कर रही है।

पुलिस उपायुक्त अभिजीत सिंह ने बताया कि यशवर्धन सिंह उर्फ यश राठौड़ (21) पुत्र अजयपाल सिंह, चांदबिहारी नगर, खातीपुरा वैशाली नगर निवासी व रविंद्र सिंह राठौड़ (29) पुत्र भंवर सिंह डीडवाना, कुचामन हाल त्रिवेणी नगर, माचडा, हरमाड़ा निवासी शिवराज गैंग के सदस्य हैं। दोनों आरोपी लोगों को जान से मारने की धमकी देकर अवैध वसूली



करते थे। इसी के साथ जबरन भूमि पर कब्जा करना हथियारों के बल पर लोगों में भय पैदा कर भूमि को विवादित करना व आपराधिक घटनाओं का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर अवैध वसूली करते हैं। दोनों बदमाश काफी समय से वांछित चल रहे थे। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ दस -दस हजार इनाम घोषित किया गया था। क्राइम ब्रांच टीम में शामिल कॉन्स्टेबल अजय, धर्मेंद्र, विजयपाल ने तकनीकी संसाधन व मुखबिर की सूचना पर दोनों इनामी बदमाशों को दबोच लिया। इस कार्रवाई में तीनों जवानों की अहम भूमिका रही।

पिंकसिटी प्रेस क्लब में नेशनल लिटरेचर ड्रामा फेस्टिवल के दूसरे दिन साहित्य और राजनीति के अंतर्संबंधों पर चर्चा

सुर और संगीत के बीच लहराते रहे साहित्य के शब्द

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

एक तरफ़ युवाओं की प्रस्तुतियां, कहीं गूंजते महिला लेखिकाओं की कविता के सुर, फ़िल्म संगीत की मधुर प्रस्तुतियों पर झूमते श्रोता तो एक तरफ़ ट्रांसजेंडर, विजिबली डिसेबल्ड प्रोफ़ेसर और कैंसर से जूझ कर बाहर निकली थियेटर अभिनेत्री के संघर्ष की गाथा तो मुख्य सभागार में दिन भर पृथ्वी, पर्यावरण और संस्कृति को बचाने की चिंताओं, साहित्य और राजनीति के अंतर्संबंधों पर चर्चा और शिक्षा व संस्कृति पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव पर गंभीर विमर्श, ऐसा ही नज़ारा रहा आज पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित नेशनल लिटरेचर



ड्रामा फेस्टिवल के दूसरे दिन जहां सैकड़ों युवा और वरिष्ठ साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया। पिंकसिटी लिस्टेचर फेस्टिवल के दूसरे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत रति सक्सेना (अंतरराष्ट्रीय कवयित्री) की अध्यक्षता में आयोजित काव्य गोष्ठी से हुई, जिसका संचालन शिवानी शर्मा द्वारा हुआ। इस सत्र में डॉ. कविता, ज्योत्सना, जयश्री शर्मा एवं डॉ. रेखा गुप्ता सहित कुल 15 कवयित्रियों ने भाग लिया और अपनी कविताओं की प्रस्तुति दी। साहित्य के साथ अलग-अलग कार्यक्रम को देखने-सुनने आम लोग भी शामिल हो रहे हैं।

ट्रांसज़ेंडर के अधिकारों के लिए संघर्ष की दास्तां सुनाई

आज का पहला वैचारिक सत्र था "जीवन संघर्ष और हम" जिसमें भाग लेते हुए महामंडलेश्वर पुष्पामाई ने ट्रांसज़ेंडर के अधिकारों के लिए अपने संघर्ष की दास्तां सुनाई। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर को वोट का अधिकार और उन्हें वोटर आई डी दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक कैसे लड़ाई लड़नी पड़ी। उन्होंने कहा कि हमें बचपन से ही समाज से दूरियां बनाकर एक डर पैदा करना सिखाया जाता है जो ग़लत है। हमें बच्चों को जैसा है वैसा ही स्वीकार करने की आदत डालनी चाहिए। उनका संघर्ष आज भी जारी है। सुबह आज भी संघर्ष के साथ होती है लेकिन शाम एक तजुर्बे के साथ ख़त्म होती है। इस सत्र में विशेष अतिथियों के रूप में महामंडलेश्वर पुष्पा माई के अलावा विनीता नायर एवं रुचि गोयल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन की कठिनाइयों के बीच सकारात्मक सोच, आत्मबल और उम्मीद को मजबूत करना था। महामंडलेश्वर पुष्पा माई ने अपने जीवन संघर्षों को साझा करते हुए बताया कि ट्रांसजेंडर होने की सच्चाई को स्वीकार करना आसान नहीं था, लेकिन आत्मस्वीकृति ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। छठी कक्षा में ही उन्हें यह एहसास हो गया था कि चुप रहना समाधान नहीं है। मां के सहयोग और विश्वास ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। उन्होंने शिक्षा को अपना हथियार बनाया और तमाम सामाजिक चुनौतियों के बावजूद आत्मनिर्भर बनीं। चार बहनों के बीच पली-बढ़ी 55 वर्ष की आयु में आज पुष्पा माई सामाजिक बदलाव और समानता की दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं। उनका कहना है कि समाज ने भले ही देर से उन्हें स्वीकार किया, लेकिन खुद को स्वीकार करना उनकी सबसे बड़ी जीत रही। विनीता नायर ने कहा कि डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों को थिएटर से जुड़ना चाहिए, क्योंकि यह चेतना और कॉन्शियस माइंड के विकास में मदद करता है। वे भविष्य में साहित्य और दर्शन के जरिए नेत्रहीन विद्यार्थियों की समस्याओं पर काम करना चाहती हैं।

ब्रीफ खबरें

ट्यूशन गई नाबालिग से दुष्कर्म, पॉस्को एक्ट में मामला दर्ज

जयपुर। आमेर थाना इलाके में 17 वर्षीय पड़ोसी युवक ट्यूशन जा रही नाबालिग छात्रा को बहला-फुसला कर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के चंगुल से मुक्त होने के बाद पीड़िता अपने घर पहुंची और मामले की जानकारी परिजनों को दी। जानकारी मिलने के बाद गुस्साए परिजन पीड़िता को थाने लेकर पहुंचे और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने नाबालिग छात्रा के बयानों के आधार पर पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी गौतम डोटासरा ने बताया थाना इलाके में रहने वाले पीड़ित परिवार ने मामला दर्ज कराया है कि गुरुवार 11 दिसम्बर को 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए निकली थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले 17 वर्षीय युवक ने उसे बुलाया और कई दुष्कर्म किया साथ ही ये बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डरी-सहमी नाबालिग छात्रा अपने घर पहुंची और घटना की जानकारी अपने भाई को दी।

क्लब की आड़ में हुक्का बार, 21 तम्बाकू फ्लेवर के डिब्बे जब्त





जयपुर। पुलिस आयुक्तालय जयपुर के निर्देश पर हुक्का बार एवं नाइट क्लब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ने सीएसटी क्राइम ब्रांच टीम ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की। शनिवार को पुलिस ने ख्वाब रेस्टोरेंट एण्ड क्लब व ब्रूज क्लब बेलाकासा पर कार्रवाई कर पांच अभियुक्तों को हिरासत में लिया, वहीं दो आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि शहर में अवैध रूप से संचालित हुक्का बार, डांस बार एवं क्लबों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। विशेष टीम ने एयरपोर्ट थाना, गांधी नगर पूर्व बुर्ज क्लब बेलाकासा व ख्वाब रेस्टोरेंट एण्ड क्लब पर कार्रवाई कर पांच व्यक्तियों को कोटपा एक्ट में गिरफ्तार किया है। वहीं दो व्यक्तियों को धारा 170 बीएनएसएस -2023 के तहत हिरासत में लिया है। पुलिस ने रमाकांत (35) पुत्र गिरधारीलाल, मालवीय नगर निवासी, निखिल (33) पुत्र सुरेश, महोदव नगर पाच्यावाला, देवराज स्वामी (24) पुत्र मोतीदास ,सवाई माधोपुर हाल बुर्ज क्लब बेलाकासा होटल ,टोंक रोड निवासी , विजय पुत्र (34) निरंजन क्लब बुर्ज बेलाकास निवासी व अजय निठारवाल (27) बुर्ज क्लब बेलाकासा होटल निवासी को हिरासत में लेकर इनके पास से 5 हुक्का , पांच चिलम, पांच पाइप व 15 डिब्बे तम्बाकू फ्लेवर जब्त किए हैं।

स्मैक तस्करी और अवैध हथियार रखने के तीन आरोपी किए काबू







जयपुर। शहर में अवैध नशे और हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला विशेष टीम (डीएसटी) जयपुर पूर्व और मालवीय नगर,प्रताप नगर और रामनगरिया थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी और अवैध हथियार रखने के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नशीला पदार्थ, नकद राशि, स्कूटी और देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्तों के निर्देशन में जिला विशेष टीम एवं थाना मालवीय नगर, रामनगरिया और प्रतापनगर की संयुक्त टीमों का गठन किया गया था। जहां पहली कार्रवाई में थाना मालवीय नगर क्षेत्र से स्मैक सप्लायर कमलेश सांसी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम 27 मिलीग्राम अवैध स्मैक और परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी जब्त की गई। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। वहीं दूसरी कार्रवाई थाना रामनगरिया क्षेत्र में की गई। जहां स्मैक बेचने के आरोप में मनोज शर्मा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 7 ग्राम 97 मिलीग्राम स्मैक और बिक्री से प्राप्त 4 हजार रुपये नकद बरामद किए। इस मामले में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। साथ ही तीसरी कार्रवाई थाना प्रतापनगर क्षेत्र में ऑपरेशन आग के तहत की गई। यहां अवैध हथियार रखने के आरोप में कान्हा सिंह जादौन उर्फ कानू ठाकुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल और चार जिंदा कारतूस जब्त किए गए। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

वाहन जागरूकता रैली को पुलिस कमिश्नर ने दिखाई हरी झंडी



जयपुर। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने सरकार के 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कमिश्नरेट में 13 से 27 दिसम्बर तक सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यातायात पुलिस और कालिका पेट्रोलिंग यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मित्तल ने बताया कि यातायात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया है कि वे शहर के प्रमुख मार्गों, मोहल्लों, गलियों में जाकर व मीटिंग कर लोगों को यातायात नियमों की पालना करने एवं नशा करके वाहन नहीं चलाने के बारे में जागरूक करें। सुगम यातायात के लिये समझाइश करें एवं नहीं मानने पर कानूनी कार्यवाही करें। यातायात नियमों के प्रति जन जागरूकता वाहन रैली पुलिस कमिश्नरेट मैन पोर्च से रवाना होकर एमआई रोड, पांच बत्ती, अजमेरी गेट, रामनिवास बाग चौराहा, न्यू गेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया टी प्वाइंट, छोटी चौपड़, चांदपोल गेट, संजय सर्किल, संसारचन्द्र रोड, गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा, एमईएस तिराहा,जयपुर पुलिस कमिश्नरेट परिसर तक निकाली गई।

झील से बातें !

झील से बाहर निकल कर मेरे जहन में उस अजनबी युवती का चेहरा घूम गया। वह झील की खामोशी पढ़ उससे बतियाने का इल्म जानती थी। ठीक डॉ. जेन गुडाल की तरह।

कहानी



कुलदीप शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार



यूं तो यह अपना नहीं पराया शहर था। बगीचों के इस शहर में जहां रुका, वहां से कोई तीन फलांग दूरी पर एक झील है। भले ही नया ज़माना इसे' आईटी सिटी ' कहे। हकीकत में यह भावनाओं भरा झीलों का शहर है।

रास्ते में आते-जाते इस झील की खूबसूरत झलक दिख ही जाती है। आस-पास के लोगों से जब से सुना कि इस निराली झील से लोग बातें करते हैं। तभी से इसके दीदार की अभिलाषा मन में उमड़ रही थी। जाड़े के मौसम में इतवार की यह अलसायी दोपहरी थी। नील- नीरद आकाश और धूप में सुबह से आंख-मिचौली चल रही थी। गुन-गुनी धूप अब कुछ साहस दिखा निकल आयी थी तो मैंने भी साहस जुटाया और आलस छोड़ झील से मुलाकात करने निकल पड़ा। लोग झील से कैसे बतियाते होंगे ! कुछ इस पहेली को लिए मैं डग भरते हुए झील पर पहुंच गया। मुख्य द्वार से अन्दर घुसते ही मुझे वहां कतार से लगी लकड़ी की बैंचों पर कई लोग धूप सेंकते हुए दिखे। अपने शहर के सिटी पार्क में दिन में टिकट लगता है और अन्दर कई आवारा कुत्ते भी हैं। लेकिन यहां न कोई टिकट था, न आवारा कुत्ते। हालांकि झील के अन्दर जल-जीवों की भरमार थी। इस बारे में एक साइन बोर्ड घुसते ही लगा हुआ था कि इस स्वच्छ झील में मछली, मगर, कछुए, जल-मुर्गी और सर्प के साथ ही प्रांगण में मोर, उल्लू, नेवला, लंगूर, साही जैसे वन्य जीव-जंतु भी हैं।

मैंने भी झील से बातें करनी चाही। दिल में एक शे'र आधा-अधूरा किसी कोने में दफन था। दिमाग पर जोर देकर उसे बुदबुदाया - "कोहरा ओढ़े टहल रही थी झील पे गहरी खामोशी...." लेकिन झील में कोई हलचल नहीं हुई। इस एकतरफा आशिकी से मैं जल्द उब गया।

मैं वहां से कुछ कदम आगे चला और पेड़ों के पास एक चट्टान पर बैठ गुनगुनी धूप में झील को निहारने लगा। झील खमोश थी। न मुझे मगरमच्छ दिख रहे थे, न कछुए। "किसने कह दिया कि झील बातें करती हैं! झील मनोरम है, यहां आकर सुकून मिला है, लेकिन झील से बातें कैसे संभव है? यह किसी काव्योक्ति की अलंकृत उपमा भर है। " ऐसे कई विचार मेरे मन में आने लगे। इतने में झील की रेलिंग के पास झाड़ियों में हलचल हुई। एक नेवला उसमें से तेजी से निकला और पगडंडी की ओर लपका।

नेवला दिखते ही मुझे साइनबोर्ड याद आया कि यहां सर्प भी हैं। सांप का ख्याल आते ही मैंने अपने चारों ओर निगाहें डाली। मैं जिस चट्टान पर बैठा था, उसके नीचे जंगली घास की झाड़ी थी।

"इधर नेवला था तो सांप का होना कौनसी बड़ी बात है। सांप यहीं आस-पास हुआ तो मैं क्या करूंगा?" इस ख्याल ने मुझे चिंतित कर दिया। चट्टान से कुछ गज पर चन्दन का पेड़ था। मैंने उसे गौर से देखा कि उसकी किसी डाली पर कोई सांप तो नहीं लिपटा हुआ है। जैसे जीवन में कोई तनाव आते ही सारा आनन्द काफूर हो जाता है। मेरी भी यही स्थिति हो रही थी। मेरा मन 'सांप छछूंदर की गति' से जूझ रहा था।

कुछ देर पहले मेरा मन झील से बातें करने के लिए बेकरार था। अब अचानक मेरा मन सांप दिखने की आशंका से तनावग्रस्त हो चला था। मैं सावधानी से उठा और सोचने लगा कि - "इस एकांत की बजाय मैं उन बैंचों पर ही जाकर बैठता हूं। झील वहीं से निहार लूंगा। वैसे भी पराया शहर है, ज्यादा जोखिम नहीं लेनी चाहिए। मैं आवारा कुत्तों के मारे अपने शहर में पड़ोस के गार्डन में नहीं जाता हूं, यहां तो सांप हैं ! कहीं वह कोबरा हुआ तो? इस झील में अजगर भी जरूर होंगे।" मैं मुड़कर वापस मुख्य द्वार की ओर चलने को ही था कि मुझे कुछ दूर पेड़ों के झुरमुट के पास खड़ी एक तरुणी दिखाई दी। जो रेलिंग का सहारा लेकर झील को निहार रही थी। "अच्छा, मैं इस एकांत में अकेला नहीं हूं। कोई और भी है। लेकिन यह अकेली यहां क्या कर रही है। इसे मालूम नहीं यहां सांप घूमते हैं।" अब मेरे जेहन में नया प्रश्न खड़ा हो गया था। "और यह झुककर झील में क्या देख रही है। क्या इसने पानी में कोई सांप, अजगर देख लिया है।" मैं उत्सुकतावश चन्दन के उस पेड़ को पार कर उस युवती से कुछ फासले पर खड़ा होकर रेलिंग के सहारे झील में झांकने लगा। मैं हूबहू उसकी नकल कर रहा था। मेरी इस हरकत पर उसने मेरे पर एक उड़ती-सी नजर डाली और वापस झील में देखने लग गई।

मुझे पानी में कोई अजगर नहीं दिखा लेकिन किनारे के नजदीक तैरती कुछ बतखें जरूर दिखीं। सांप, अजगर कुछ नहीं है तो यह झुककर देख क्या रही है। इतने में एक स्वर गूंजा। "झील से बातें चल रही हो?" मैंने मुड़कर देखा। पैदल-पथ पर एक बुजुर्ग रुक गए थे और उन्होंने यह सवाल उससे पूछा था।

वह हौले से पलटी, हल्के से मुस्कराई और बोली - " जी, आज झील कुछ चुप-सी है। " उसकी आवाज में एक कशिश थी और उसके इन लफ्जों ने मेरे दिल में कई सवाल खड़े कर दिए। वे बुजुर्ग मुस्करा कर आगे बढ़ गए और वह युवती फिर से झील को अपलक निहारने लगी।

"अच्छा तो यह झील से बातें कर रही है। लेकिन इन लफ्जों के मायने क्या हैं कि झील आज चुप-सी है।" इस शहर में लोग कविता में बात क्यों करते हैं ? कोई कहता है झील से बातें चल रही है, कोई कहती है आज झील चुप-सी है।

इस अंतर्द्वंद से जूझते हुए मैं वहां से हटकर पगडंडी पर आकर खड़ा हो गया। अब मेरे दिमाग में सांप नहीं सवाल दौड़ रहे थे। मैं बैंचों की ओर चला और बलखाती झील के मोड़ पर मैंने ठिठक कर उस युवती की ओर देखा। वह अब भी अपनी मस्ती में झील से गुफ्तगू में डूबी हुई थी। मुझे कबीर याद आए -

" मन मस्त हुआ तब क्यूं बोले।"

मैं एक कोने की खाली बैंच पर बैठ गया। मेरी नजर दो पेड़ों के बीच टंगे एक बैनर पर गई। जिस पर पिछले दिनों दिवंगत पर्यावरणविद् डॉ. जेन गुडाल की फोटो थी। इस अमेरिकन महिला ने अफ्रीका के जंगलों में कई दशक चिम्पांजियों के बीच रहकर उन्हें करीब से जाना था।

वह चिम्पाजियों को गले लगाती थी, उनके साथ बातें करती थीं। यूएन की इस शांति-दूत की याद में इस झील पर लगे बैनर ने मुझे कुछ भावुक कर दिया। यहां के लोग कुदरत के कितने करीब हैं।

इन लोगों की चेतना के विस्तार ने एक सूखी झील को नखलिस्तान में बदल दिया। बैनर पर एक कोटेशन था - " प्रकृति की ख़ामोशी भी बोलती है, हमें सुनना आना चाहिए। "

मुझे अनायास ही मेरे सारे सवालों का जवाब मिल गया था - " हमें सुनना आना चाहिए। " मैं बैंच से उठा और झील की रेलिंग पर पहुंचकर उसे निहारना लगा। मुझे लगा कि मैं झील से कनेक्ट हो रहा हूं। पेड़ों पर बैठे परिन्दों की चहक, पानी में गोते लगाती जल- मुर्गियों की अठखेलियां मुझे खुशी दे रही थी। मेरे दिमाग में अब कहीं सांप नहीं था।

कुछ देर पहले जिस अजनबी युवती को झील में झांकते देख मैं चकित था। अब समझ में आ रहा था कि उसके और झील के बीच बातचीत का ' अंदाज-ए-गुफ्तगू ' क्या था। उसकी दुनिया में झील, परिन्दें कैसे रहते हैं। मैं कुछ देर तक झील को निहारते रहा। सूरज फिर बादलों की ओट में जा छिपा था। शाम भी करीब ही थी। मैंने झील से विदा ली और मुड़कर एक बार फिर उस बैनर को निहारा। जिस पर लिखा था - " हमें सुनना आना चाहिए।" झील से बाहर निकल कर मेरे जहन में उस अजनबी युवती का चेहरा घूम गया। वह झील की खामोशी पढ़ उससे बतियाने का इल्म जानती थी। ठीक डॉ. जेन गुडाल की तरह।

समकाल की आवाज

धुरंधर एक संकेत है हिंदी सिनेमा में बदलाव का

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म "धुरंधर" सिर्फ एक सफल स्पाई-एक्शन फिल्म नहीं है, बल्कि यह समकालीन हिंदी सिनेमा की उस बदलती प्रवृत्ति का संकेत भी है, जहां शोरगुल भरी मार्केटिंग से अधिक भरोसा कंटेंट, प्रस्तुति और दर्शकों की समझ पर किया जा रहा है। बहुत कम प्रचार-प्रसार के बावजूद जिस तरह इस फिल्म ने दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचा और बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया, वह इस बात का प्रमाण है कि अब दर्शक केवल नाम या प्रचार के सहारे नहीं, बल्कि दमदार कहानी और सशक्त अभिनय के आधार पर अपना फैसला लेते हैं।



फिल्म की कहानी एक भारतीय जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पाकिस्तान के ल्यारी क्षेत्र में सक्रिय आतंकी नेटवर्क में घुसपैठ करता है। यह विषय नया नहीं है, लेकिन "धुरंधर" इसे जिस गंभीरता, परिपक्वता और संतुलन के साथ प्रस्तुत करती है, वही इसे भीड़ से अलग खड़ा करता है। आदित्य धर ने राष्ट्रवाद को न तो अति-भावुक नारेबाजी में बदला है और न ही उसे सतही एक्शन तक सीमित रखा है। फिल्म में जासूसी को एक खतरनाक, मानसिक रूप से थका देने वाली और नैतिक दुविधाओं से भरी प्रक्रिया के रूप में दिखाया गया है, जो इसे अधिक विश्वसनीय बनाता है।

रणवीर सिंह का अभिनय इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। लंबे समय से एक बड़ी व्यावसायिक सफलता की तलाश में रहे रणवीर को "धुरंधर" ने वह मंच दिया है, जहां वे अपने अभिनय के साथ-साथ अपने स्टारडम को भी नए सिरे से स्थापित कर सकें। उनका किरदार न तो पूरी तरह अजेय है और न ही भावनात्मक रूप से सपाट। उसमें डर है, क्रोध है, रणनीति है और सबसे अहम एक ऐसा आंतरिक संघर्ष है, जो दर्शक को उससे जोड़ता है।सहायक कलाकारों की मौजूदगी फिल्म को और गहराई देती है। संजय दत्त, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकारों का चयन केवल नामों के लिए नहीं, बल्कि उनके अभिनय कौशल के लिए किया गया प्रतीत होता है। ये किरदार कहानी को आगे बढ़ाने में सहायक हैं, न कि केवल नायक की चमक बढ़ाने के लिए। खास बात यह है कि फिल्म में कोई भी चरित्र पूरी तरह काला या सफेद नहीं है; हर किसी के अपने तर्क, अपने डर और अपने स्वार्थ हैं, जो कहानी को अधिक यथार्थवादी बनाते हैं।



महेन्द्र तिवारी
लेखक

बॉक्स ऑफिस के आंकड़े अपने आप में "धुरंधर" की सफलता की कहानी कहते हैं। पहले दिन लगभग 28 करोड़ की कमाई, पहले तीन दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करना और पहले हफ्ते में भारत में 200 करोड़ से अधिक का नेट कलेक्शन ये सब उस दौर में हुआ है, जब दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाना आसान नहीं माना जाता। वर्ल्डवाइड 300 करोड़ से अधिक की कमाई ने यह साफ कर दिया कि फिल्म की अपील केवल घरेलू दर्शकों तक सीमित नहीं है। इसने कई बड़ी और बहुप्रचारित फिल्मों के पहले दिन, शुरुआती दिनों और यहां तक कि लाइफटाइम कलेक्शन के रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिए। यह सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस धारणा को चुनौती देती है कि बिना आक्रामक मार्केटिंग के कोई फिल्म बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो सकती। "धुरंधर" की सफलता बताती है कि अगर फिल्म का कंटेंट मजबूत हो, तो दर्शक खुद उसका प्रचार करते हैं। सोशल मीडिया पर चर्चाएं, माउथ पब्लिसिटी और समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने मिलकर इस फिल्म को एक आंदोलन जैसा बना दिया। यह हिंदी फिल्म उद्योग के लिए एक सीख है कि शायद अब बजट का बड़ा हिस्सा प्रचार पर खर्च करने की बजाय लेखन, निर्देशन और अभिनय पर लगाना अधिक सार्थक हो सकता है।

रणवीर सिंह के करियर के संदर्भ में "धुरंधर" एक निर्णायक मोड़ की तरह है। हाल के वर्षों में उनकी कुछ फिल्मों के औसत या कमजोर प्रदर्शन के बाद यह फिल्म उन्हें फिर से शीर्ष सितारों की पंक्ति में खड़ा करती है। यह साबित करती है कि स्टारडम केवल छवि या ऊर्जा से नहीं, बल्कि सही स्क्रिप्ट के चयन और खुद को कहानी के अनुरूप ढालने की क्षमता से टिकता है। "धुरंधर" ने रणवीर को न सिर्फ व्यावसायिक सफलता दी है, बल्कि उनके अभिनय पर लगे कुछ सवालों का भी ठोस जवाब दिया है।

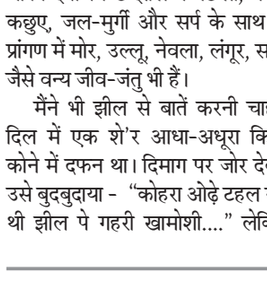
फिल्म का व्यापक प्रभाव यह भी है कि इसने 2025 की फिल्मों की दौड़ में मानक ऊंचे कर दिए हैं। कम समय में इतने बड़े आंकड़े छूना और कई स्थापित फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ना इस बात का संकेत है कि दर्शक अब गुणवत्ता को प्राथमिकता दे रहे हैं। "धुरंधर" केवल एक हिट फिल्म नहीं, बल्कि यह उस बदलाव का प्रतीक है, जहाँ हिंदी सिनेमा धीरे-धीरे दिखावे से निकलकर सार की ओर लौटता दिखाई दे रहा है।

अंततः "धुरंधर" की सफलता इस विश्वास को मजबूत करती है कि सिनेमा अभी भी समाज से संवाद करने का एक सशक्त माध्यम है। इसकी अनदेखी संभव नहीं है। जब कहानी ईमानदार हो, निर्देशन स्पष्ट हो और अभिनय विश्वसनीय हो, तब बिना शोर के भी फिल्म इतिहास रच सकती है। "धुरंधर" इसी विश्वास का जीवंत उदाहरण है एक ऐसी फिल्म जो न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर जीती है, बल्कि हिंदी सिनेमा की दिशा पर भी एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करती है।

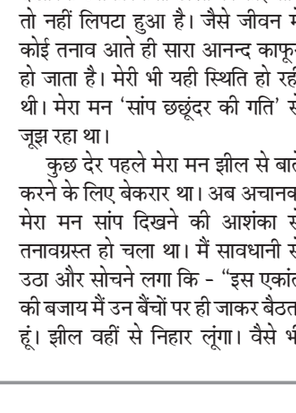
पुस्तक समीक्षा

मुसीबत में भगवान ही याद आते हैं सवाल यह है कि वह क्या करे?

पुस्तक : **व्हेन गॉड्स डोंट मैटर**
लेखक : **जगदीप सिंह**



मनोज वार्ष्णेय
समीक्षक



हिंदी साहित्य में कविता कहना और उसे पढ़ना दो अलग-अलग विषय हैं। कवि जब कोई कविता कहता है अर्थात लिखता है तो वह एक अलग दृष्टि से लिखता है जबकि पाठक जब उस कविता को पढ़ता है तो उसके मंतव्य वह अलग निकालता है या फिर यह कह सकते हैं कि वह कवि से अलग सोच रखते हुए उसे अलग नजरिए से देखता है। यदि कविता पढ़ने वाला कोई उपन्यास या कहानी प्रेमी है या फिर व्यंग्य का पाठक है तो वह उसमें अपनी सोच को भी समाहित करके पढ़ता है। पीआर के क्षेत्र में जाना पहचाना नाम जगदीप सिंह की पुस्तक व्हेन गॉड्स डोंट मैटर पठनीय है। जब भगवान का कोई महत्व नहीं, को आज के संदर्भ में देखने से पहले यह समझना होगा कि जीवन की आपाधापी में हम भगवान से क्या उम्मीद करते हैं और फिर भगवान हमारे लिए क्योंकर कुछ करें, खासकर जब हम जीवन के हर क्षेत्र में निराशा से भर रहे हों। जगदीप सिंह की पुस्तक व्हेन गॉड्स डोंट मैटर कोरोना काल की निराशा और आशा के बीच रस्साकसी करती नजर आती हैं। कुछ कविताएं ऐसी हैं जिन्हें ऐसे कवियों की प्रेरणा से लिखा गया है जो दुनिया के बड़े पुरस्कारों से सम्मानित हैं। अंग्रेजी और इतिहास के लेखक रहे जगदीप सिंह पेश से पत्रकार भी रहे हैं और उनकी कविताओं में यह साफ नजर आता है कि वह उन तथ्यों की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं जिन पर हम सोचते हैं। संग्रह की एक कविता है-द स्काईफाल अर्थात आकाश पतन। कवि कहता है-जब आकाश गिरा, तो आकाश ही गिर गया, वे सूरज-चांद, तारों को तलाशते हुए, बेताब होकर ढूंढ़ रहे हैं, इधर-उधर भाग रहे हैं, मैं अभी भी आकाश पतन के विशाल मलबे में ढूंढ रहा हूं तुम्हारे लिए?

पुस्तक व्हेन गॉड्स डोंट मैटर में यूं तो 50 से अधिक कविताएं हैं पर कई कविताएं समय पर अपनी आमदा दर्ज कराती हुई प्रश्न छोड़ जाती हैं। पुस्तक की टाइटल कविता इस पूरी पुस्तक की उन बातों को सिद्ध करती है जिनके लिए कवि ने माना है कि वह दुनिया में कोई ताकत है तो वह सामने आए?

इस पुस्तक के दूसरे आसपेक्ट पर आएं तो यह कहा जा सकता है कि यह भगवान पर सवाल नहीं है, यह प्रश्नचिह्न है हमारी निराशा पर जो हमारे भीतर भरी है। जब हम किसी मुसीबत में होते हैं तो हमें भगवान ही याद आता है, ऐसे में भगवान क्या करे? जगदीप की एक अन्य पुस्तक है माय एपिटाफ। इसमें भी पाठकों के लिए काफी कुछ ऐसा था जिसे कहा जा सकता है कि एक पत्रकार ने दुनिया के विभिन्न लोगों से मिलते हुए समाज का चित्रण करने के लिए अपनी चाहतों को खोलकर रख दिया है।

जगदीप सिंह भले ही आज पीआर की दुनिया में हों पर वह मानवीयता से भरे हैं। उनकी कविताएं इस बात की गवाही देती हैं।

काव्य रस



फूलचंद गुप्ता
कवि

कंटीली झाड़ियां

मुझे दूब नहीं पसंद
जिसे रेवड़ अपने खुरों से कुचलते हुए
चरते रहें
और वे दूर तक मैदानों में फैली होने के
बावजूद
धरती में दुबक कर सिकुड़ी रहें
और काल का ग्रास बन कर खत्म हो जाएं
मुझे कंटीली झाड़ियां पसंद हैं
जो खाने वाले का मुंह छेद देती हैं।

घर लौटते हुए

शाम को घर लौटते हुए लोग
बहुत खुश होते हैं यह एक मिथ है।

हममें से अधिकतर लोग
काम पर जाते हुए
बहुत खुश होते हैं
शाम को घर लौटते हुए लोग
सच में बहुत उदास होते हैं।

पौधों के पक्ष में

जिनके हाथों में पत्तियां आईं
वे कीटों की तरह पत्तियां खा गए
जिनके हिस्से जड़ें आईं
वे दीमकों की तरह जड़ें खा गए
मवेशी खा गए डंठल
सारे बीज घुन खा गए
फसलों की नाकामी का शोर सबने
मचाया
पौधों का निकला जुलूस
कोई नजर नहीं आया।

व्यंग्य

गालियों के लेन-देन की कला



सुरजीत सिंह
व्यंग्यकार



हम दुनिया में इकलौते देश हैं, जहां के मुंह इतने गाली उर्वर माने जाते हैं। बंजर, बेजान, बुझे-बुझे से दिखने वाले मुंह भी गालियों में रिकॉर्ड उत्पादन की क्षमता रखते हैं। गालियों में पूरे 'स्किल इंडिया' हैं हम। गालियां अकेले समाज की ही बपौती नहीं हैं। समाज में अन्तर्धारा के रूप में बहती हुई जब गालियां राजनीति के मैदान में आती हैं, तो वर्जनाओं के बांध ध्वस्त हो जाते हैं। यहां एक गाली के इन्वेस्ट से हजार गालियों के रिटर्न की सौ फीसदी गारंटी है।

राजनीति में गालियां शेयर की तरह हैं, जिनका सूचकांक कभी नहीं गिरता। जो गाली आम लोगों के हाथ-पांव फ्रेक्चर करवा सकती है, वही नेताओं द्वारा एक-दूसरे को दी जाने पर राजनीति चमका सकती है। किसने सोचा था कि ऐसे गालीबाज और गालीखोर नेता निकल आएंगे, जिनके लिए वर्जित गालियां अर्जित अवसर की तरह होंगी। गाली देकर गिरफ्तारी देने को ऐसे उत्सुक होंगे, जैसे शपथ ग्रहण करने जा रहे हों। आज के माहौल में नेता वही, जो गाली में भी अपने लिए प्रचुर संभावनाएं खोज ले। गालियों से सहानुभूति और गाली देने की पात्रता दोनों हासिल हो जाते हैं। गोया तुम मुझे गाली दो, मैं भी तुझे गालियां दूंगा। मैं गाली-गाली चिल्लाऊंगा कुत्ता फाड़ के! कई नेता तो गालीबाजी के रॉकेट से इतनी स्पीड से राजनीति के अंतरिक्ष में स्थापित हुए कि नेतागीरी की ख्वाहिश रखने वाले सेवा की गलियां छोड़ गालियों की प्रेक्टिस करने लगे। अलां नेता गाली देकर चर्चित हो जाता है, फलां नेता गाली खाकर सुर्खियों से लेकर टिकट-विकट, पद-वद सब झपट ले जाता है। बराबर का हिसाब है। इस मुंह गाली दो, उस मुंह गाली लो! चोर-चोर मौसेरे भाई ही नहीं होते, नेता-नेता भी 'गाली भाई' होते हैं। मुमकिन है भविष्य में नेता कमीशन से ज्यादा गालियां खाने लगें। कमीशन में सिर्फ कमीशन होता है, गाली से तो पक्का नेता बना जा सकता है। पक्का नेता सब कुछ खा सकता है। भविष्य में ऐसे भी सीन हो सकते हैं, जब किसी नेता का परिचय यूं दिया जाएगा, इन नेताजी के नाम एक हजार गालियां देने का लिम्का बुक रिकॉर्ड है। पहले छोटे-मोटे पद के लिए तरसते थे, गाली के बाद खुद पद बांटने लगे। कुछ नेता छोटे किस्म के होते हैं, मगर गाली खाने के बाद जो सुर्खियां मिलती हैं, वे उनके कुल आकार-प्रकार से ज्यादा हो जाती हैं। इसलिए देने वाला जितना उत्सुक होता है, लेने वाला उससे ज्यादा खुश होता है। हो सकता है, आगे पार्टियां टिकट बांटते समय गाली देने-खाने का रिकॉर्ड कार्ड भी चैक करने लगें। कुछ नेताओं का अस्तित्व ही गालियों पर टिक गया है।

गालियों से फ्यूचर निर्माण की कला को देखते हुए भविष्य में गालीबाजी में विविध आयाम खुलेंगे। गालीकोश आ जाएंगे। हो सकता है, ऐसी सेटिंग भी होने लगे कि तुम मुझे गाली दो, मैं तुम्हें उससे ज्यादा दूंगा। जब देने-लेने को गालियां रह जाएं, तो कई गलियां निकल आती हैं। पीआर एजेंसियां नेताओं की गालियां मैनेज करेंगी और इनसे इमेज बिल्डिंग करेंगी। ज्योतिषी जन्म कुंडली में गालियों का योग खोजेंगे। कुछ नेता यह जानकर मायूस हो जाएंगे कि उनकी कुंडली में गालियों का योग ही नहीं है।

सावरकर की वर्षगांठ : आरएसएस प्रमुख ने राष्ट्र को सर्वोपरि रखने के महत्व पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि स्वार्थ को हमेशा दूर रखें

जीने का समय है-मरने का नहीं, भारत में 'तेरे टुकड़े होंगे' जैसी भाषा नहीं होनी चाहिए: भागवत

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत के लिए अब जीने का समय है, मरने का नहीं। उन्होंने विनायक दामोदर सावरकर की 115वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। भागवत ने देशभक्ति पर जोर दिया और कहा कि देश में 'तेरे टुकड़े होंगे' जैसी भाषा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जाति और धर्म पर आधारित विभाजन को गलत बताते हुए कहा कि सावरकर ने हमेशा एक राष्ट्र की विचारधारा का प्रचार किया। भागवत ने स्वार्थ को दूर रखने और देश को सर्वोपरि रखने की बात कही, ताकि भारत 'विश्व गुरु' बन सके। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मोहन भागवत ने विनायक दामोदर सावरकर की 115वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्र को सर्वोपरि रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'यह भारत के लिए जीने का समय है, न कि इसके लिए मरने का।' भागवत ने सावरकर को उनकी देशभक्ति के लिए याद करते हुए कहा कि हमारे देश में हमारे अपने देश की ही भक्ति होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में ऐसी भाषा का कोई स्थान नहीं है जो देश को तोड़ने की बात करे, जैसे कि 'यहां तेरे टुकड़े होंगे'। इस तरह की बातों को स्वीकार नहीं कर सकते।



हम जो भी करें, देश के नाम करें ताकि 'विश्वगुरु' बनें

भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि हर व्यक्ति महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक छोटी गिलहरी का उदाहरण दिया जिसने वानर सेना के साथ मिलकर राम सेतु के निर्माण में अपना योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि स्वार्थ को दूर रखकर ही हम सावरकर के सपने को पूरा कर सकते हैं। सावरकर ने नि:स्वार्थ भाव से भारत के लिए काम किया था। हमें जो भी करना चाहिए, वह अपने राष्ट्र के लिए करना चाहिए और तभी हम इसे 'विश्व गुरु' बना सकते हैं।

छोटे-मोटे मुद्दों को लेकर नहीं होना चाहिए टकराव

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि छोटे-मोटे मुद्दों पर होने वाले टकराव आज की सोच को दर्शाते हैं। एक महान राष्ट्र का निर्माण करने के लिए, हमें सावरकर के संदेश को याद रखना होगा और उसे आम जनता तक पहुंचाना होगा। उन्होंने जाति और धर्म के आधार पर होने वाले विभाजन की ओर इशारा करते हुए कहा कि सावरकर जी ने कभी यह नहीं कहा कि वे महाराष्ट्र से हैं या किसी विशेष जाति से हैं। उन्होंने हमेशा एक राष्ट्र की विचारधारा को बढ़ावा दिया। हमें अपने राष्ट्र को ऐसे सभी टकरावों से ऊपर रखना चाहिए। हमें यह विश्वास रखना चाहिए कि हम सब भारत हैं।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हर दिन सौ वोटरों की होगी सुनवाई

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. कोलकाता

बंगाल में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में प्रतिदिन कम से कम 100 मतदाताओं की सुनवाई की जाएगी। पहले यह लक्ष्य प्रतिदिन 50 मतदाताओं का था, जिसे अब बढ़ाया गया है। इस सुनवाई की जिम्मेदारी सह निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) संभालेंगे। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 10 एईआरओ, यानी राज्य के 294 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 2940 एईआरओ नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 1000-1500 अतिरिक्त एईआरओ भी नियुक्त किए जा रहे हैं। लगभग 30 लाख मतदाता ऐसे हैं जिनका नाम या उनके किसी रिश्तेदार का नाम 2002 की पिछली मतदाता सूची (जब राज्य में आखिरी बार एसआइआर हुआ था) में दर्ज नहीं है। ये 'नान-मैपिंग' सूची में शामिल हैं और इन सभी को अनिवार्य रूप से सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। संदिग्ध डेटा वाले मतदाताः लगभग 1 करोड़ 67 लाख 45 हजार 911 मतदाताओं के डेटा को आयोग ने संदिग्ध पाया है। इस कवायद से विपक्षी दलों का विरोध खत्म होगा।

भाजपा का दावा : चुनाव में उनके प्रत्याशी अधिक जीते, विपक्ष का सूपड़ा साफ

राहुल गांधी ने निकाय चुनाव में यूडीएफ की जीत पर केरल की जनता को किया सलाम

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. तिरुवनंतपुरम

केरल में स्थानीय निकाय चुनाव के लिए मतगणना चल रही है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को चुनावों में बड़ी सफलता मिली है। कई नगर निगमों पर यूडीएफ ने जीत दर्ज की है। वहीं, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम और त्रिपुनिथुरा में जीत हासिल करके इतिहास रचा है। इस बीच यूडीएफ की जीत पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केरल की जनता को सलाम कर आभार जताया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 'स्थानीय निकाय चुनावों में यूडीएफ पर भरोसा जताने के लिए केरल की जनता को सलाम। यह एक निर्णायक और उत्साहवर्धक जनादेश है। ये परिणाम यूडीएफ में बढ़ते विश्वास का स्पष्ट संकेत हैं और आगामी विधानसभा चुनाव में उसकी शानदार जीत की ओर इशारा करते हैं।' उन्होंने लिखा, 'केरल एक जवाबदेह शासन चाहता है जो लोगों की बात सुने, जवाब दे और परिणाम दे। अब हमारा पूरा ध्यान केरल के लोगों पर है। राहुल ने आगे लिखा, 'कांग्रेस का ध्यान अब केरल के आग लोगों के साथ खड़े रहने, उनकी रोजमर्रा की चिंताओं को दूर करने और पारदर्शी, जनहितकारी प्रशासन सुनिश्चित करने पर है।' उन्होंने आगे लिखा, 'चुनाव में जीत दर्ज करने वाले सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को हार्दिक बधाई।



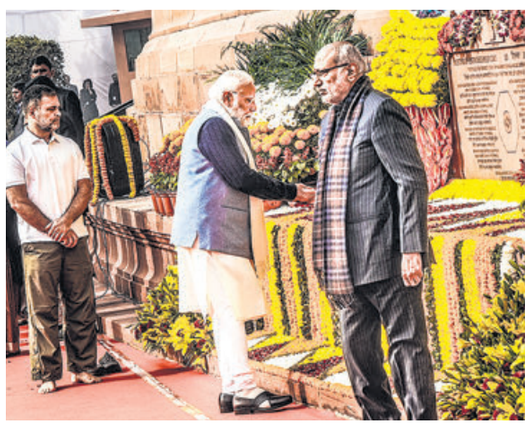
दो चरण में हुआ मतदान

केरल में 1,200 स्थानीय निकायों में से 1,199 निकायों में 2 चरणों में मतदान हुआ था। पहले चरण में 9 दिसंबर को 70.91 प्रतिशत और दूसरे चरण में 11 दिसंबर को 76.08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। पहले चरण में तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानामथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम सहित 7 जिलों में पंचायतों, नगरपालिकाओं और 3 निगमों के 11,000 से अधिक वार्डों के लिए चुनाव हुए थे। दूसरे चरण में को 595 निकायों में मतदान हुआ था।

शशि थरूर जहां से सांसद, वहां एनडीए निकाय चुनाव जीता

केरल के निकाय चुनाव में एनडीए को बड़ी कामयाबी मिली है। गठबंधन ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों में से 50 वार्डों पर जीत दर्ज की है। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) का कब्जा है। एलडीएफ 29 और कांग्रेस गठबंधन (यूडीएफ) को 19 वार्डों में विजय मिली है। 2020 में तिरुवनंतपुरम के स्थानीय निकाय चुनावों में एलडीएफ ने 52 वार्ड जीते थे। भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए को 33 वार्ड मिले थे और यूडीएफ ने 10 वार्डों में जीत हासिल की थी। तिरुवनंतपुरम कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ माना जाता है। केरल के 1,199 स्थानीय निकायों के लिए सुबह 8 बजे से मतगणना जारी है। यहां दो फेज 9 और 11 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। चुने गए पंचायत सदस्यों और नगर पालिका पार्षदों, का शपथ ग्रहण 21 दिसंबर को होगा।

संसद हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि





जागो इंडिया जागो
एजेंसी. नई दिल्ली

संसद भवन पर हमले की शनिवार को 24वीं बरसी पर पीएम समेत अनेक नेताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, पीएम नरेंद्र, मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सोनिया गांधी समेत कई नेताओं ने शहीदों को याद कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "आज का दिन आतंकवाद के खिलाफ हमारे सुरक्षाबलों के अदम्य शौर्य व साहस को फिर से स्मरण करने का दिन है। वर्ष 2001 में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर, हमारे संसद भवन पर हुए कायराना आतंकी हमले को सुरक्षा बलों ने अपने जज्बे से नाकाम कर दिया था। आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले सुरक्षा बलों के जवानों को नमन करता हूं। यह राष्ट्र वीर सेनानियों के त्याग व बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। राहुल गांधी ने कहा, संसद भवन पर 2001 में हुए दुस्साहसी आतंकवादी हमले के दौरान देश के सम्मान की रक्षा करने वाले शहीद जवानों को कोटि कोटि नमन और विनम्र श्रद्धांजलि। भारत आपका यह बलिदान हमेशा याद रखेगा और इससे देशप्रेम की प्रेरणा लेता रहेगा। सोनिया-प्रियंका गांधी, आदि भी उपस्थित थे।

गडकरी ने महाराष्ट्र को डेढ़ लाख करोड़ की सड़क निर्माण परियोजनाओं को दी मंजूरी

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. मुंबई

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में सड़क परियोजनाओं के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि को मंजूरी दे दी है। यह घोषणा शनिवार को विधान भवन में विधानसभा परिषद के शताब्दी समारोह के दौरान की गई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने बताया कि ये परियोजनाएं राष्ट्रीय राजमार्ग विकास के तहत चल रही परियोजनाओं का हिस्सा हैं और 3 महीने के भीतर शुरू हो जाएंगी, जिनमें से कुछ के 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। प्रमुख परियोजनाओं में पुणे-संभाजीनगर एक्सप्रेसवे और पुणे में एलिवेटेड रोड का निर्माण शामिल है। 16,318 करोड़ रुपये



की लागत से बनने वाले इस एक्सप्रेसवे का निर्माण महाराष्ट्र राज्य अवसंरचना विकास निगम (एमएसआईडीसी) द्वारा किया जाएगा और इस संबंध में एक एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।

इससे पुणे और छत्रपति संभाजीनगर के बीच यात्रा का समय घटकर 2 घंटे और छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर के बीच यात्रा का समय घटकर ढाई घंटे हो जाएगा। इसी बीच, 4,207 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली तलेगांव-चाकन-शिकरापुर एलिवेटेड रोड का निर्माण भी जल्द ही शुरू होगा।

मनरेगा का बदला नाम: ग्रामीण परिवारों को 100 दिन के बजाय अब हर साल 125 दिनों के रोजगार की मिलेगी गारंटी

संसद में जल्द पेश होगा पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी बिल

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद सरकार जल्द ही संसद में मनरेगा का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी बिल' करने के लिए एक नया बिल पेश करेगी। यह बिल मौजूदा मनरेगा की जगह लेगा और ग्रामीण परिवारों को हर साल 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देगा, जो अभी 100 दिन है। इस योजना के लिए केंद्र सरकार करीब 95,600 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इस कदम से सरकार ग्रामीण आबादी को सीधे तौर पर फायदा पहुंचाना चाहती है।

मोदी सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने और रोजगार के दिनों की संख्या बढ़ाने का फैसला पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए भी अहम माना जा रहा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल मनरेगा को अपना फ्लैगशिप प्रोग्राम बताते रहे हैं और सरकार पर इसे पर्याप्त फंड न देने का आरोप लगाते रहे हैं। अब नए बिल से सरकार विपक्ष के इस आरोप का जवाब देने की कोशिश करेगी। यह योजना बीजेपी और पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी के बीच राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनी हुई है, क्योंकि केंद्र ने कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए 2022 से पश्चिम बंगाल को निधि देना रोक रखा था। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार को योजना फिर से शुरू करने का आदेश दिए जाने से भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय दिशा-निर्देशों वाले एक कागज को फाड़ दिया। मनरेगा को बदलने का यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बीजेपी ने 2015 में मनरेगा को "यूपीए सरकार की विफलता का जीता-जागता स्मारक" कहा था। अब सरकार इसे अपने तरीके से सुधार कर पेश कर रही है। नए बिल के तहत होने वाले सभी प्रोजेक्ट 'विकसित भारत नेशनल इंफ्रा स्टैक' का हिस्सा होंगे, जो पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान का उपयोग करके बनाया जाएगा।



मोदी सरकार ने हमारी 32 योजनाओं के नाम बदले: कांग्रेस

कांग्रेस की सुप्रिया श्रीनेत ने मनरेगा का नाम बदले जाने पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने मनरेगा का नाम बदल कर पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार स्कीम रखा है। इसी मनरेगा को मोदी कांग्रेस की विफलताओं का पुलिंदा बताते थे लेकिन असलियत यह है कि यही मनरेगा ग्रामीण भारत के लिए संजीवनी साबित हुआ। सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा- फ्रस्ट्रेशन की वजह से ऐसे फैसले लिए जा रहे हैं। यह ध्यान भटकाने का एक और तरीका है।

ब्रीफ खबरें

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष तय



लखनऊ। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे। शनिवार को उन्होंने लखनऊ में भाजपा कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। चौधरी के अलावा किसी और ने नामांकन नहीं किया। ऐसे में पीएम मोदी-अमित शाह के करीबी चौधरी का निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय है। सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत 10 नेताओं ने चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा। अब रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान करेंगे। उन्होंने पार्षद के रूप से राजनीति की शुरुआत की थी और केंद्र सरकार में मंत्री बनने तक का सफर तय किया। पंकज चौधरी योगी के गढ़ गोरखपुर से हैं। वह महाराजगंज से 7 बार के सांसद हैं। ओबीसी की कुर्मी बिरादरी से आते हैं। यूपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति 15 जनवरी 2025 को होनी थी, लेकिन महाराष्ट्र चुनाव तो कभी यूपी उपचुनाव और फिर बिहार चुनाव के चलते मामला लटकता चला गया। पंचायत और विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी ने ओबीसी के कुर्मी समाज से आने वाले चौधरी पर दांव लगाया है। क्योंकि कुर्मी समाज की आबादी यादवों के बाद सबसे ज्यादा है। कुर्मी समाज को बीजेपी का वोट बैंक माना जाता है।

धूम्रपान की आदत अपनाने की औसत आयु लगभग तेरह साल



नई दिल्ली। एम्स के विभिन्न शहरों में किए गए एक सर्वेक्षण में पता चला है कि स्कूली बच्चे नशीले पदार्थों और धूम्रपान की आदतें अपना रहे हैं और शराब का सेवन कर रहे हैं। इन हानिकारक पदार्थों के सेवन की औसत आयु लगभग 13 वर्ष पाई गई है, जो प्राथमिक विद्यालय स्तर से ही शुरुआती हस्तक्षेप की आवश्यकता को दर्शाती है। अध्ययन के निष्कर्षों से यह भी पता चला कि छात्रों के उच्च कक्षाओं में जाने पर मादक पदार्थों का सेवन बढ़ जाता है, और कक्षा 11वीं/12वीं के छात्रों द्वारा नशीले पदार्थों के सेवन की रिपोर्ट करने की संभावना कक्षा आठवीं के छात्रों की तुलना में दोगुनी होती है। इससे माध्यमिक और उच्च विद्यालय स्तर पर निरंतर रोकथाम और हस्तक्षेप के महत्व पर बल मिलता है।दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के राष्ट्रीय नशा मुक्ति उपचार केंद्र की डॉ. अंजू धवन के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन को इस महीने 'नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया' में प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन में विभिन्न क्षेत्रों में किशोरों द्वारा मादक पदार्थों के सेवन का विश्लेषण किया गया है।इस सर्वेक्षण में बेंगलुरु, चंडीगढ़, दिल्ली, डिब्रूगढ़, हैदराबाद, इंफाल, जम्मू, लखनऊ, मुंबई और रांची सहित 10 शहरों के सरकारी, निजी और ग्रामीण विद्यालयों में कक्षा आठवीं, नौवीं, 11वीं और 12वीं के 5,920 छात्र शामिल थे। मई 2018 से जून 2019 के बीच ये आंकड़े एकत्र किए गए। नशीले पदार्थ के सेवन की शुरुआत की औसत आयु 12.9 वर्ष थी। कम उम्र में नशे का शौक बढ़ रहा है।

इंतजार खत्म, पूर्व कानून सचिव राजकुमार गोयल होंगे सीआईसी!



नई दिल्ली। पिछले लंबे समय से खाली चल रहे केंद्रीय सूचना आयोग और सूचना आयुक्तों के पदों पर नियुक्ति के लिए कवायद तेज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय कमेटी की मीटिंग भी हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व कानून और न्याय सचिव राज कुमार गोयल को मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) चुना गया है। केंद्रीय सूचना आयोग में आठ नए सूचना आयुक्त भी होंगे, जिनमें दो महिलाओं को भी शामिल किया गया है। इसमें पूर्व रेलवे बोर्ड अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा और कानूनी विशेषज्ञ व पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड की सदस्य सुधा रानी रिलांगी होंगी। सूत्रों के अनुसार, पैनल में महिलाओं की संख्या तीन होने की संभावना है, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है।

राहुल-प्रियंका का बोलने का तरीका अलग-अलग : रेणुका चौधरी

नई दिल्ली। कांग्रेस की सीनियर नेता रेणुका चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एकदम अलग हैं। उनके बोलने का तरीका भी बहुत अलग है। उनकी आपस में तुलना नहीं की जानी चाहिए। इंटरव्यू में रेणुका ने कहा, वे सेब और संतरे की तरह हैं। जिनकी तुलना नहीं की जा सकती और न ही की जानी चाहिए। संसद में दोनों अलग-अलग विषयों पर बोल रहे थे। हालांकि दोनों ने मजबूत से अपनी बात रखी। कांग्रेस नेता ने कहा, हम इतने स्टीरियोटाइपिकल हैं कि हम एक खास तरह के रिस्पॉन्स की उम्मीद करते हैं और यह वैसा ही होना चाहिए। किसी और तरह से नहीं। अलग-अलग लोग चीजों को अलग-अलग तरह से बताते हैं। मुझे लगता है कि हर कोई अपनी बात पर अड़ा रहा और जो जरूरी था, उसे उठाया। दोनों अपनी जगह बेस्ट स्पीकर हैं।

ब्रीफ खबरें

दरगाह-कलेक्ट्रेट उड़ाने का कलेक्टर को भेजा गया था ईमेल, मुकदमा दर्ज



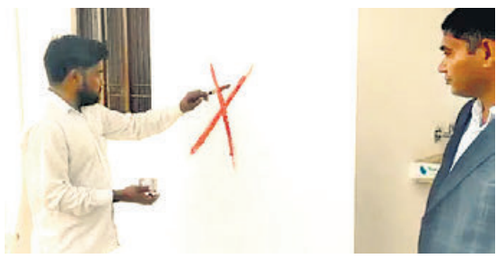
अजमेर। दरगाह और कलेक्ट्रेट को दूसरी बार बम से उड़ने की धमकी के मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस ने दूसरा मुकदमा भी दर्ज किया है। मामले में सहायक प्रशासनिक अधिकारी न्याय शाखा कलेक्ट्रेट की ओर से सिविल लाइन थाने में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया गया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने आईटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सबसे पहले 4 दिसंबर को जिला कलेक्टर को मेल पर दरगाह और कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद 5 दिसंबर को पहला मुकदमा दर्ज करवाया गया था। हालांकि पहले मुकदमे में भी अभी तक पुलिस के हाथ खाली है। सिविल लाइन थाना पुलिस के अनुसार सहायक प्रशासनिक अधिकारी न्याय शाखा कलेक्ट्रेट सुमेर सिंह की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया है। जिसमें शिकायत देकर बताया कि 10 दिसंबर को जिला कलेक्टर की ईमेल आईडी पर मेल प्राप्त हुआ था। जिसमें ड्रोन से चार आरडीएक्स आईडी दरगाह और कलेक्ट्रेट में लगाने की धमकी दी गई। इस मामले में मेल भेजने वाले व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाए। सिविल लाइन थाना पुलिस ने आईटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच थाना प्रभारी शंभू सिंह की ओर से की जा रही है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने किया ठाकुर बाखासर की प्रतिमा का अनावरण



बाड़मेर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि नया भारत केवल घोषणाओं और भाषणों से नहीं, अपितु सशक्त राजनीतिक इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व से बना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत इरादों के कारण ही आज भारत सामरिक शक्ति के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सका है। वर्ष 2014 के बाद भारत जिस तरह रणनीतिक रूप से सशक्त हुआ है, उससे आज दुनिया का कोई भी देश भारत की ओर आंख उठाकर देखने का साहस नहीं कर पाता। शनिवार को बाखासर में ठाकुर बलवंत सिंह बाखासर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शेखावत ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौर में आतंकवादी हमले आम बात थे। आतंकियों ने अक्षरधाम, रघुनाथ मंदिर और हनुमान मंदिर जैसे पवित्र स्थलों को निशाना बनाया, लेकिन तब की सरकारें संयुक्त राष्ट्र में यह पत्र लिखकर जिम्मेदारी मान लेती थीं कि पड़ोसी देश प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है, लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत उभरा।

मकानों को खाली करने का नोटिस, हाईकोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई



झुंझुनूं। राजस्थान में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। ऐसे ही झुंझुनूं जिले में हाईकोर्ट के आदेश पर बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारी भी शुरू कर दी है। राजस्व टीम ने दो दर्जन से अधिक मकानों पर मार्किंग की है। साथ ही टीम ने स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया है। अगर इसके बावजूद लोग अपने मन से अतिक्रमण को नहीं हटाते हैं, बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, झुंझुनूं के सुलताना कस्बे में करीब दो दर्जन से अधिक मकानों पर रेड मार्किंग की गई है। प्रशासन ने 24 दिसंबर 2025 को अतिक्रमण हटाने की तारीख निर्धारित की है। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद राजस्व विभाग की विशेष टीम को कार्रवाई के लिए नियुक्त किया गया। हाईकोर्ट आदेशों के अनुसार, ग्राम सुलताना के खसरा नंबर 1090 पर बने पक्के आवासीय निर्माणों को अतिक्रमण मानते हुए चिन्हित किया गया है। इस जमीन पर अभी 28 परिवारों के पक्के मकान और एक गौशाला संचालित है।अब कोर्ट के निर्देश पर भू-राजस्व टीम ने सुलताना–जोड़िया मार्ग पर स्थित दो दर्जन से अधिक मकानों पर अतिक्रमण की मार्किंग की। साथ ही सभी को अतिक्रमण हटाने, वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षाविद् प्रो. राय को मिला वाइस-चांसलर ऑफ द ईयर अवॉर्ड



सीकर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय को लंदन स्कूल ऑफ डिजिटल बिजनेस की ओर से लीप 2025 ग्लोबल अवॉर्ड्स में प्रतिष्ठित 'वाइस-चांसलर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार, कुशल नेतृत्व क्षमता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दिया गया है। कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय ने बताया कि दुबई में ग्रैंड अवॉर्ड्स समारोह में यह सम्मान दिया जाना था, लेकिन काम की व्यस्तताओं के चलते वे समारोह में शामिल नहीं हो पाए। लंदन स्कूल ऑफ डिजिटल बिजनेस के भारतीय प्रतिनिधि ने हाल ही यह ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए है। उल्लेखनीय है कि इस सम्मान के लिए दुनिया भर में चुनिंदा शिक्षाविदों और भारत से केवल तीन विद्वतजनों का चयन हुआ है। राजस्थान से केवल प्रो. अनिल कुमार राय को इस सम्मान से नवाजा गया है।

सामाजिक समरसता का संदेश : 10 साल पहले हुई थी पिता की मौत, सारा खर्च टीचर्स और गांव वालों ने उठाया

जहां पिता सफाईकर्मी, उसी स्कूल स्टाफ ने बेटियों की शादी कराई

जागो इंडिया जागो

डीडवाना-कुचामन

सरकारी स्कूल भवन, जिसमें कानों में रस घोलते मांगलिक गीतों की आवाज, रंग-बिरंगी रोशनी से नहाया हुआ पूरा परिसर और नए-नए कपड़ों में ग्रामीण और स्कूल स्टाफ। कुछ ऐसा ही नजारा यहां नजर आया। गांव वालों से लेकर स्कूल स्टाफ मांगलिक कार्यक्रम में व्यस्त रहें। जानकारी के अनुसार डीडवाना-कुचामन जिले के ललासरी स्थित गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल हरवीर सिंह जाखड़ की पहल ने दो बेटियों को अपनेपन की वो छांव दी, जो नजीर बन गया। जिस स्कूल में इन दोनों बेटियों के पिता



सफाईकर्मी हुआ करते थे, उसी स्कूल के स्टाफ ने इनकी शादी कराने का बीड़ा उठाया। इसके लिए उन्होंने आसपास के गांव में एक-एक घर से संपर्क किया। हर घर से निकलकर लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया और दोनों बेटियों की शादी का समय आ गया। प्रिंसिपल ने दोनों बहनों की शादी में सहयोग के लिए स्टाफ से चर्चा की। आर्थिक सहायता के लिए 2 भामाशाहों से भी बात की। देखते ही देखते ललासरी गांव के साथ-साथ ललासरी पंचायत समिति के गांव लुनोदा और नेतडों की ढाणी समेत 3 गांवों के लोगों ने शादी में सहयोगी बनने की इच्छा जताई। 13 दिसंबर को दोनों लड़कियों की शादी के लिए परमिशन ली गई। साथ ही स्कूल की बिल्डिंग को भव्य तरीके से सजाया गया। मेहमानों का स्वागत पारम्परिक तरीके से किया गया। सभी ने भेदभाव भुलाकर एक ही जाजम पर खाना खाया और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस दौरान स्कूल का स्टाफ भावुक हो गया और बेटियों की शादी में अभिभावक की भूमिका निभाई। देर शाम फेरों की रस्म पूरी की गई। इसी के साथ शनिवार को दोनों बेटियां विवाह बंधन में बंध गईं।

सर्व समाज एक जाजम पर बैठा

पूजा और उसकी छोटी बहन सुनीता की शादी से जुड़ी सभी रस्में स्कूल परिसर में ही पूरी की गई। पिछले 10 दिनों से स्कूल का माहौल बदला-बदला रहा। शादी में गांव का सर्व समाज एक ही जाजम पर बैठा। हल्दी, मेहंदी और पीले चावल से लेकर महिला संगीत का आयोजन भी स्कूल परिसर में ही किया गया है। महिला कार्यक्रम में स्कूल की टीचर्स ने पेरेंट्स की भूमिका निभाई। बेटियों की शादी के आमंत्रण गांव की तरफ से ही छपवाए गए थे। आमंत्रण लिखने से लेकर मेहमानों को बुलाने के लिए वितरण तक का काम स्कूल स्टाफ ने ही पूरा किया। पूजा की शादी मकराना के नजदीक मनाना गांव निवासी महेंद्र और सुनीता की डीडवाना के ही कीचक गांव निवासी नरसी के साथ हुई।पूजा ने कहा- आज हमारी वजह से पूरा गांव एक है। इस बात की खुशी है। दोनों बहनों ने कहा कि पिता की कमी तो रहेगी, लेकिन खुशी भी है कि आज पूरा गांव उनके लिए परिवार बनकर एक साथ खड़ा है।

प्रदेश में बड़े स्तर पर कार्रवाई : कच्ची पर्चियां-फर्जी बिलिंग आई सामने

110 जगह जीएसटी छापे, 200 करोड़ की चोरी

जागो इंडिया जागो

जयपुर

राजस्थान में वाणिज्य कर विभाग (स्टेट GST) ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। विभाग ने प्रदेशभर में एक साथ 110 व्यवसायिक ठिकानों पर छापेमारी करते हुए करीब 200 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का खुलासा किया है। आने वाले दिनों स्टेट GST टीम की और कार्रवाई देखने को मिल सकती है।विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल के निर्देश पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई को अंजाम देने के लिए 300 अधिकारियों की टीम बनाई गई। जिन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ कार्रवाई का गई। राजस्थान में लंबे समय से प्लाईवुड, सैनेटरी आइटम, लोहा स्क्रैप, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल, कपास, टिम्बर, रियल एस्टेट सहित कई सेक्टर्स में व्यापारियों के टैक्स चोरी में शामिल होने की सूचना मिल रही थी। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर प्रदेश में इतने बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई है। प्रदेश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर विभिन्न सेक्टर्स में एक साथ कार्रवाई हुई है। जिससे टैक्स चोरी में लिप्त व्यापारियों में हड़कंप मच गया।



जांच जारी रहेगी, बड़ी राशि की संभावना

स्टेट जीएसटी की कार्रवाई के दौरान कई स्थानों से कच्ची पर्चियां, फर्जी बिलिंग और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस दौरान भनक लगते ही कई व्यापारियों ने स्वेच्छा से टैक्स की राशि 10 करोड़ जमा करवा दिए गए। विभाग की जानकारी के अनुसार छापेमारी के दौरान ही कई व्यापारियों ने टैक्स चोरी स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से करीब 10 करोड़ रुपए की राशि विभाग में जमा करवाई है। विभाग द्वारा जब्त आपत्तिजनक दस्तावेजों के आधार पर अब आगे जांच की जाएगी, जिससे आगे और भी बड़ी राशि राजस्व के रूप में प्राप्त होने की संभावना है।

पैसे वापस मांगने पर गुस्साए कंडक्टर ने यात्री को पीटा

भरतपुर। राजस्थान रोडवेज में एक बार फिर पैसेंजर्स के साथ मारपीट हुई है। इस बार मारपीट भरतपुर के लोहागढ़ डिपो के स्टाफ ने की है। घटना गरुवार को भरतपुर से आगरा जा रही बस में हुई। जानकारी के अनुसार पैसेंजर ने कंडक्टर से खुले पैसे वापस मांगे थे। इसी से नाराज होकर उसके साथ पहले गाली-गलौज की गई, फिर उसे पीट दिया। इस बीच ड्राइवर ने न बस रोकी, न मारपीट रोकने की कोशिश की। विवाद खुले रुपयों को लेकर था। जैसे ही पैसेंजर ने कंडक्टर से अपने बाकी के रुपयों को लेकर पूछा तो दोनों में विवाद हो गया। घटना का वीडियो शनिवार को सामने आया। जानकारी के अनुसार, यात्री भरतपुर से मथुरा जाने के लिए लोहागढ़ डिपो की बस में बैठा था। उसने मथुरा जाने के लिए कंडक्टर से टिकट खरीदा और 500 रुपए दिए। मथुरा का टिकट 64 रुपए का था। पैसे खुले नहीं होने कारण कंडक्टर ने टिकट के पीछे बकाया पैसे लिख दिए। मथुरा का नहरौली पुल आते ही यात्री ने कंडक्टर नरेंद्र फौजदार से पैसे मांगे। कंडक्टर ने यात्री से कहा कि उसके पास अभी खुले पैसे नहीं हैं। इस पर दोनों की कहासुनी होने लगी। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों एक-दूसरे को गालियां देने लगे। दोनों में झगड़ा होते देख ड्राइवर विजय राम ने बस के ब्रेक लगाए। इससे यात्री बस के केबिन का कांच तोड़ते हुए इंजन के ऊपर जाकर गिरा। उसके बाद कंडक्टर यात्री को पीटता रहा और ड्राइवर बस को दौड़ाता रहा। वहीं अधिकारी बोले- कंडक्टर हमारे डिपो का, पर शिकायत नहीं आई। लोहागढ़ डिपो के मुख्य प्रबंधक राकेश कुमार सैनी ने बताया कि आज ही मैंने यह वीडियो देखा है। जो व्यक्ति यात्री की पिटाई कर रहा है वह हमारे डिपो का कंडक्टर है। इस वीडियो के सामने आने के बाद जांच की जा रही है। हालांकि कंडक्टर से पूछताछ में पता लगा है कि दोनों में राजीनामा हो गया है। डिपो के मुख्य प्रबंधक ने यह भी बताया कि मेरे पास किसी ने अभि तक शिकायत नहीं की है।

युवती का शादी से इनकार, युवक ने चाकू से किए वार



बांसवाड़ा। जिले के ठिकरिया क्षेत्र में एक युवक ने सगाई और शादी से मना किए जाने पर घर में घुसकर युवती और उसके पिता पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। जिसमें दोनों घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था, लेकिन राजातालाब थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। राजातालाब थाना अधिकारी देवलाल मीणा ने बताया कि 8 दिसंबर को देवनाथ शर्मा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि एक साल से निखिल उर्फ नितिन और साधना की सगाई की चर्चा चल रही थी, लेकिन निखिल के अनुचित व्यवहार और गलत आदतों के कारण परिवार ने यह रिश्ता आगे बढ़ाने से मना कर दिया। इसी बात से नाराज होकर निखिल रार्थी के घर पहुंचा, और चाकू से हमला कर दिया। घटना के दौरान आरोपी ने साधना और उसके पिता देवनाथ पर चाकू से कई वार किए।

बदमाशों ने की युवक पर फायरिंग, सीने से पार निकली गोली, गंभीर घायल

जागो इंडिया जागो

गंगापुर सिटी

गंगापुर सिटी में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच गंगापुर सिटी से एक बार फिर बड़ी और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थली गांव में अज्ञात बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थली गांव निवासी कमलेश गुर्जर को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। गोली युवक के सीने में लगकर आर-पार हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल युवक को गंगापुर सिटी के राजकीय जिला अस्पताल



पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। मामले में एएसआई बच्चू सिंह ने बताया, कि थली में गोली चलने की सूचना मिली थी। युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट की तैयारियां अंतिम चरण में

चूरू। जिले के उदासर में फुटबॉल के मैदान में बेटियां अपना दमखम दिखा रही हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद ये खिलाड़ी बड़े सपनों को लेकर दिन-रात मेहनत कर रही हैं। सुबह की ठंडी हवाओं में जब लोग अपने घरों में आराम कर रहे होते हैं, तब ये बेटियां फुटबॉल के मैदान में पसीना बहा रही होती हैं। उनके पैरों की तेजी और मैदान पर उनकी पकड़ किसी प्रोफेशनल खिलाड़ी से कम नहीं। उदासर के राजकीय विद्यालय में 69वीं विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के तहत 17 वर्षीय बालिका फुटबॉल वर्ग का राज्य स्तरीय कैंप जोरों पर चल रहा है। यहां प्रदेशभर से 9-10 दिसंबर को हुए चयन परीक्षण में 18 बच्चियां राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चुनी गईं।

हाई सिक्योरिटी जेल में सेंध, गैंगस्टरों से मोबाइल- इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद

जागो इंडिया जागो

अजमेर

प्रदेश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली अजमेर सेंट्रल हाई सिक्योरिटी जेल एक बार फिर सुरक्षा में बड़ी चूक को लेकर सवालों के घेरे में आ गई है। जेल में शनिवार को की गई औचक चेकिंग के दौरान पांच हाईकोर बंदियों की सेल से स्मार्ट वॉच, सिम कार्ड, चार्जर, माइक और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद होना जेल प्रशासन के दावों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। खास बात यह है कि इसी जेल में देश के कुख्यात गैंगस्टरों के सक्रिय गुर्गे बंद हैं, जिनमें आनंदपाल गैंग, लॉरेंस बिश्नोई गैंग और अन्य संगठित अपराध गिरोहों से जुड़े सदस्य शामिल हैं। ऐसे में हाई सिक्योरिटी जोन में प्रतिबंधित



सामान मिलना बेहद चिंताजनक माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार जिन हाईकोर बंदियों की सेल से सामान मिला है, वे सभी संगठित अपराध और गंभीर मामलों में बंद हैं। यह आशंका भी जताई जा रही है कि जेल के भीतर से ही अपराध नेटवर्क को संचालित करने की कोशिश की जा रही थी। मामले में जेल प्रहरी भारती गिराज की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि प्रतिबंधित सामग्री कैसे पहुंची, इसमें किसी जेलकर्मी की भूमिका तो नहीं है, और यह सामान कितने समय से इस्तेमाल में था।

पुलिस प्रशासन भी चौंका, भक्त डीजे की धुनों पर नाचते-गाते पहुंच रहे हैं खाटू धाम, मंदिर कमेटी ने सुरक्षा गार्ड बढ़ाए

खाटूश्यामजी के दरबार में उमड़ी भारी भीड़, तोड़े सभी रिकॉर्ड

जागो इंडिया जागो

सीकर

भक्तों की आस्था का प्रतीक बन चुकी धार्मिक नगरी खाटू धाम में बाबा श्याम के भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। शनिवार को सुबह से ही उमड़ रही भक्तों की अपार भीड़ ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस तरह एक साथ यहां पहुंचे भक्तों ने पुलिस और प्रशासन को भी चौंका दिया है, वीकेंड पर भीड़ होती है लेकिन इतनी जबरदस्त भीड़ होगी यह पुलिस प्रशासन ने भी नहीं सोचा था।

भीड़ को देखते हुए श्री श्याम मंदिर कमेटी ने सुरक्षा गार्ड बढ़ा दिए वहीं पुलिस जाब्ता भी एक दिन पूर्व रविवार से पहले ही बुला लिया गया और उन्हें विभिन्न पॉइंट्स पर तैनात किया गया है। उधर भक्तों में बाबा के



पांच दिवसीय श्याम मेला होगा विशेष

मेले को लेकर शनिवार को प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मेले के दौरान व्यवस्थाओं को बेहतर और सुचारु बनाने को लेकर चर्चा हुई। बैठक में यातायात, सुरक्षा, पेयजल, रोशनी, चिकित्सा और सफाई व्यवस्था को विशेष प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। शहर में यातायात नियंत्रित रखने और भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष प्लान तैयार किया जा रहा है। बैठक में एएसपी दीपक गर्ग, तहसीलदार महेश ओला, स्टेशन अधीक्षक बाबूलाल बाजिया, सब इंस्पेक्टर दिलीप सिंह मौजूद रहे।

प्रति आस्था देखते ही बन रही है भक्त हाथों में इत्र गुलाब, प्रसाद हाथों में लिये धीरे-धीरे लाइनों में दर्शनों हेतु श्याम दरबार की और बढ़ रहें हैं। वहीं रींगस से लेकर खाटू धाम तक शाम भक्तों का लवाजमा बाबा श्याम के जयकारें लगाते हुए बढ़ रहे है। बाबा श्याम जो हारे का सहारा कहलाते हैं और सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं और अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करवाने के लिए बाबा के दरबार में भक्त लगातार चलें आ रहे हैं। रींगस से लेकर खाटू धाम तक शाम भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है श्याम भक्त डीजे की धुनों पर नाचते गाते खाटू धाम पहुंच रहे हैं। इधर प्रशासन ने कल ही नव वर्ष पर लगने वाले मेले को लेकर तैयारियां की बैठक की थी लेकिन आज मेले से पहले ही मेले जैसा माहौल खाटू धाम में बना हुआ है। जानकारी के अनुसार इस बार दिसंबर माह पुत्रदा एकादशी सोमवार को पड़ रही है। इससे पहले शनिवार और रविवार को भी श्याम भक्तों की भारी भीड़ रहती है और मंगलवार को नववर्ष का पहला दिन रहेगा। वहीं एसडीएम बृजेश कुमार ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि यातायात मार्गों पर बैरिकेडिंग और अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था हो, मुख्य मार्गों पर रोशनी की उचित व्यवस्था की जाए। सूचना केंद्रों की सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हों।

प्रशासन ने किया पूरी व्यवस्था का दावा

शनिवार को ज्यादा भक्तों की संख्या पर अधिकारियों ने कहा कि इस बार मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे। प्रशासन का दावा है कि तैयारियों को समय पर पूरा करके मेले को सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाया जाएगा। गौरतलब है कि इस बार दिसंबर माह पुत्रदा एकादशी से पहले शनिवार-रविवार को भी श्याम भक्तों की भारी भीड़ रहती है और मंगलवार को नववर्ष का पहला दिन रहेगा। यह मेला इस बार पांच दिवसीय रहेगा।

ग्राहकों के डेटा की प्राइवेसी और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाए गए कड़े कदम, ऐप का अपडेट वर्जन लॉन्च

एम-आधार ऐप से अब आपके आधार का डेटा रहेगा ज्यादा सुरक्षित

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. नई दिल्ली

एम-आधार ऐप में अब नए फीचर्स जोड़े गए हैं। इससे यूजर्स के कई काम आसान हो गए। यूजर्स अपने आधार डेटा पर पूरा कंट्रोल रख सकेंगे। सबसे बड़ा अपडेट यह है कि अब आधार की जानकारी का सिर्फ वही भाग चुनकर शेयर कर सकते हैं, जो किसी लेन-देन के लिए जरूरी हो। ग्राहकों के डेटा की प्राइवेसी और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ये कदम उठाए गए हैं।



आज के समय में जहां हर जगह आधार कार्ड दिखा कर वेरीफाई किया जाता है, वहां अगर आपका डेटा गलत हाथों में पड़ जाए तो आपको भारी नुकसान हो सकता है।

जानिए कैसे यह अपडेट आपके आधार डेटा को सुरक्षित रखने में सहायक है और कैसे आप नए फीचर्स का उपयोग कर सकते हैं। अब हर जगह पूरा आधार कार्ड शेयर करना जरूरी नहीं है। ज्यादातर कुछ जरूरी चीजें जैसे घर का पता, नाम और फोटो ही पर्याप्त होते हैं।

एम-आधार ऐप का इस्तेमाल करके आधार कार्ड का एक क्यूआर कोड़ बना सकते हैं, जिसमें आधार डीटेल्स को मास्क्ड यानी ढका हुआ रखा जाता है और केवल आवश्यक जानकारी ही शेयर की जाती है।

आधार कार्ड की फोटोकॉपी में पूरी जानकारी दिखाई पड़ती है। लेकिन, क्यूआर कोड़ में केवल नाम, फोटो, आधार नंबर के आखिरी 4 अंक, मास्क्ड मोबाइल, मास्क्ड ईमेल, लिंग, जन्म तिथि और आपका पता शामिल होते हैं।

आधार डेटा की हिस्ट्री कर सकेंगे चेक

एम-आधार ऐप की मदद से चेक कर सकते हैं कि आधार कार्ड वेरिफिकेशन के लिए कब और कहां उपयोग में लिया गया है। अगर कोई संदिग्ध गतिविधि दिखती है, जहां आधार न दिया हो, तो यूआईडीएआई पोर्टल या हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए आप एम-आधार ऐप को डाउनलोड करें। अपने मोबाइल नंबर से लॉग-इन करके अपना आधार जोड़ें। माई आधार (My Aadhaar) में जाएं। जनरेट क्यूआर कोड़ से अपना क्यूआर कोड़ बना सकते हैं और Auth History में आधार डेटा की हिस्ट्री चेक कर सकते हैं। उपयोगकर्ताओं के लिए ये फीचर्स अधिक नियंत्रण उपलब्ध कराते हैं। ये अपडेट यूआईडीएआई के गोपनीयता को प्राथमिकता देने के प्रयासों को साफ जाहिर करता है। इस ऐप का संचालन UIDAI के क्लाउड-आधारित सर्वर सिस्टम पर होता है।

इक्विटी-ऋण बाजार में बिकवाली से रुपए पर पड़ा दबाव



जागो इंडिया जागो
एजेंसी. नई दिल्ली

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को रुपए में डॉलर के मुकाबले बड़ी गिरावट देखने को मिली और रुपया 24 पैसे टूटकर 90.56 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी ने 65 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंचकर नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि सोने की कीमतें ऊंचाई पर देखने को मिली। एक्सपर्ट बताते हैं, एफपीआई के इक्विटी और डेट मार्केट दोनों में पैसे निकालने की वजह से रुपए में दबाव बना हुआ है। बढ़ती ग्लोबल यील्ड ने यूएसडी और जेपीवाई फंडेड कैरी पोजिशन को बड़े पैमाने पर कम कर दिया है, जिससे भारतीय बॉन्ड और आगे चलकर करेंसी पर और दबाव बढ़ा है। अच्छी बात यह है कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता समझौता प्रगति पर है। इसकी वजह से कई क्षेत्रों में मदद मिल रही है और निकट भविष्य में डेप्रिसिएशन की रफ्तार धीमी हो सकती है।

जीएसटी कटौती से वाहनों की बिक्री को मिला बूस्टर डोज, निर्यात में भी आया उछाल

पिछले महीने बिके 4.12 लाख से ज्यादा यात्री वाहन

जागो इंडिया जागो
नई दिल्ली

त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग बने रहने से देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री नवंबर, 2025 में सालाना आधार पर 18.7 फीसदी बढ़कर 4,12,405 इकाई के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। बीते साल नवंबर में कुल 3,47,522 यात्री वाहन बिके थे। सियाम के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने पिछले महीने कुल 1,70,971 यात्री वाहन बेचे। यह नवंबर, 2024 में बेचे गए 1,41,312 यात्री वाहनों से 21 फीसदी अधिक है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की थोक बिक्री 46,222 इकाई के मुकाबले 22 फीसदी बढ़कर 56,336 इकाई पहुंच गई। इस दौरान ह्यूंडई मोटर इंडिया ने 50,340 यात्री वाहन बेचे, जो सालाना आधार पर चार फीसदी अधिक है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग बने रहने और सरकार के जीएसटी सुधारों के समर्थन से घरेलू मोटर वाहन उद्योग ने नवंबर में बिक्री की रफ्तार को बरकरार रखा।



नए शिखर पर रही दोपहिया व तिपहिया वाहनों की बिक्री

दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी नवंबर में 21 फीसदी बढ़कर 19,44,475 इकाई के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में 16,04,749 दोपहिया वाहन बिके थे। स्कूटर की बिक्री 5,68,580 इकाई से 29 फीसदी की वृद्धि के साथ 7,35,753 इकाई पहुंच गई। मोटरसाइकिल बिक्री पिछले महीने 17.5 फीसदी बढ़कर 11,63,751 इकाई के स्तर पर पहुंच गई। मोपेड की बिक्री में सालाना आधार पर दो फीसदी की गिरावट रही और कुल 44,971 इकाई बिके। तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 71,999 इकाई पहुंच गई। यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों ने नवंबर में अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की। उम्मीद है कि निरंतर सहायक नीतिगत सुधारों और बेहतर बाजार भावनाओं से यह वृद्धि 2026 में भी जारी रहेगी।

वाहन निर्यात में जबरदस्त उछाल

यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों के निर्यात में पिछले महीने 96.3 फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। इस दौरान यात्री वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 39.8 फीसदी बढ़कर 84,646 इकाई पहुंच गया। कारों का निर्यात 18.3 फीसदी की वृद्धि के साथ 40,519 इकाई रहा। दोपहिया वाहनों का निर्यात 30.1 फीसदी तेजी के साथ 4,71,012 इकाई पहुंच गया। तिपहिया वाहनों का निर्यात 96.3 फीसदी बढ़कर 46,013 इकाई तक पहुंच गया है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने एक सम्मेलन में कहा कि कंपनी की खुदरा बिक्री पिछले महीने 1.73 लाख इकाई रही, जो सितंबर 2024 की तुलना में 27.5 प्रतिशत अधिक है। बनर्जी ने बताया कि कंपनी 57.6 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ इस क्षेत्र में विभिन्न वैश्विक वाहन विनिर्माताओं को पीछे छोड़ते हुए आठवीं सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है।

वोडा-आइडिया का बड़ा तोहफा, रिचार्ज पर मिलेगा 25 हजार रुपए तक का बीमा

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. नई दिल्ली

वोडाफोन आइडिया अपने कस्टमर्स के लिए शानदार तोहफा लेकर आया है। दरअसल अब आपको वीआई के डेटा पैक रिचार्ज कराने पर सिर्फ इंटरनेट ही नहीं बल्कि आपके स्मार्टफोन की सुरक्षा भी मिलेगी। वोडाफोन आइडिया की ओर से तीन नए प्रीपेड डेटा पैक लॉन्च किए गए हैं, जिनके साथ 25,000 रुपए तक का हैंडसेट लॉस इंश्योरेंस फ्री में दिया जाएगा।



बता दें कि इसके लिए वीआई ने आदित्य बिरला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के साथ हाथ मिलाया है। यह इंश्योरेंस पूरे भारत में उपलब्ध होगा। इसका मतलब है कि आप सिर्फ एक डेटा पैक रिचार्ज करवा के अपने फोन का इंश्योरेंस करवा सकते हैं। ऐसे में अगर आपका फोन चोरी हो जाए या खो जाए, तो कंपनी आपको मुआवजा देगी। वीआई ने तीन अलग-अलग कीमत के पैक लॉन्च किए हैं जो हर तरह के यूजर के लिए बने हैं। इनमें सबसे महंगा प्लान 251 रुपए का है। अगर आप अपने फोन का हैंडसेट लॉस इंश्योरेंस फ्री में करवाने के लिए ऊपर बताए किसी भी प्लान को रिचार्ज करते हैं, तो उससे पहले आपके पास कोई एक्टिव प्लान जरूर होना चाहिए। दरअसल वीआई के ये तीनों ही प्लान डेटा प्लान हैं और ये किसी भी वैलिडिटी के साथ नहीं आते।

गूगल का नया एआई फीचर, हेडफोन से सीधे मिलेगा अब लाइव ट्रांसलेशन!

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. नई दिल्ली

गूगल अब अपने जेमिनी एआई की मदद से लाइव ट्रांसलेशन फीचर को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की तैयारी में है। अब तक यह सुविधा सिर्फ पिक्स ईएल बड्स तक सीमित थी, लेकिन अब गूगल इसे किसी भी माइक्रोफोन वाले हेडफोन पर उपलब्ध कराने जा रहा है। ये नया फीचर फिलहाल बीटा वर्जन में रोलआउट हो रहा है और इसे सीधे गूगल ट्रांसलेट ऐप में जोड़ा गया है। गूगल का कहना है कि इस अपडेट का मकसद रियल-टाइम भाषा अनुवाद को आसान और हर किसी के लिए सहूलियत वाला बनाना है।



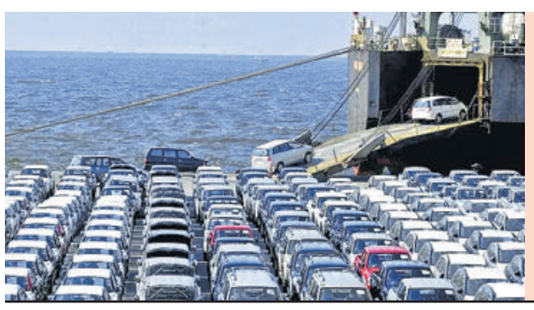
यानी अब अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले लोग आसानी से एक-दूसरे से बात कर सकेंगे, वह भी बिना किसी खास डिवाइस के। ये लाइव ट्रांसलेशन फीचर जेमिनी की स्पीच टू स्पीच एआई टेक्नोलॉजी पर बेस्ड है। यह सिर्फ शब्दों का अनुवाद नहीं करता, बल्कि सामने वाले की बात का मतलब और संदर्भ समझकर अनुवाद देता है। इससे ट्रांसलेशन ज्यादा नेचुरल और बातचीत जैसा लगता है। गूगल की वीपी के मुताबिक, जेमिनी मुहावरों और भावनात्मक वाक्यों को भी सही तरीके से समझता है। जेमिनी उसका शब्दशः अनुवाद नहीं करेगा, बल्कि उसका सही मतलब बताएगा। इससे अर्थ का अनर्थ नहीं होगा।

मेक्सिको में टैरिफ बढ़ने से भारत के ऑटो निर्यात पर पड़ेगा असर, 1 जनवरी 2026 से लागू होगा बढ़ा हुआ टैरिफ

ऑटो मोबाइल कंपनियों के वॉल्यूम और मार्जिन पर बड़ा खतरा

जागो इंडिया जागो
एजेंसी. नई दिल्ली

मेक्सिको की सीनेट ने राष्ट्रीय उद्योग और उत्पादकों की रक्षा के लिए टैरिफ पैकेज को मंजूरी दी है। यह टैरिफ पैकेज 1 जनवरी 2026 से लागू होगा। भारत और चीन सहित एशियाई देशों के चुनिंदा उत्पादों पर वर्ष 2026 से 50 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगेगा। इसके तहत ऑटो, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल, कपड़े, प्लास्टिक, स्टील, मेटल और फुटवियर मुख्य टारगेट हैं, अधिकतर उत्पादों पर टैरिफ 35 प्रतिशत स्लैब के आसपास होंगे, लेकिन पैसेंजर व्हीकल शुल्क 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगा। उद्योग का कहना है, भारत से मेक्सिको होने वाले ऑटोमोबाइल सेक्टर से वाहनों का निर्यात, जो कि 2024-25 में मेक्सिको को लगभग 5.7 अरब डॉलर का सामन निर्यात किया, जिसमें वाहनों का हिस्सा लगभग एक तिहाई था।



लेकिन अब मैक्सिको द्वारा लगाए गए टैरिफ की वजह से ऑटोमोबाइल सेक्टर पर विशेष असर पड़ने की संभावना है। हुंडई की क्रेटा, किआ की मैग्राइट और फॉक्सवैग जैसी भारतीय निर्मित कारें मेक्सिको में काफी लोकप्रिय है। भारत मेक्सिको का पांचवां सबसे बड़ा ऑटो आपूर्तिकर्ता है। टैरिफ शुल्क दोगुने होने से भारतीय ऑटो उद्योग को नुकसान होने की संभावना है।

भारतीय ऑटो उद्योग ने मेक्सिको द्वारा मुक्त व्यापार समझौता से वंचित देशों पर आयात शुल्क को दोगुना से अधिक बढ़ाने के प्रस्ताव पर सरकार के सामने चिंता जताई है।

इस विषय पर सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) और ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के प्रतिनिधियों ने वाणिज्य और भारती उद्योग मंत्रालयों के अधिकारियों से मुलाकात कर विदेशी बाजार में वाहन और पुर्जों के निर्यात में होने वाले बड़ी चुनौतियों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है।

कार निर्यात बाजार को हो सकता है नुकसान

ऑटो सेक्टर के विशेषज्ञों के अनुसार भारत के कार निर्यातकों के लिए मेक्सिकों एक प्रमुख गंतव्य है। पिछले वित्तीय वर्ष में 887 मिलियन डॉलर का योगदान, जिससे यह दक्षिण अफ्रीका और सऊदी अरब के बाद तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। मारुति सुजुकी और स्कोडा ऑट जैसी ऑटोमोबाइल कंपनियां मिलकर सालाना लगभग 100,000 वाहन निर्यात करती है, जो भारत के कुल कार निर्यात का लगभग 12% है।

कंपनियों के वॉल्यूम और मार्जिन पर खतरा

सैमको सिक्योरिटीज के रिसर्च विशेषज्ञों ने बताया कि मेक्सिको को भारतीय कार निर्यातकों मुख्य रूप से फॉक्सवैगन, हुंडई, मारुति सुजुकी को इसका सीधा असर पड़ रहा है, जिससे उस मार्केट में वॉल्यूम और मार्जिन पर खतरा है, जो कि भारत के वैश्विक ऑटोमोबाल निर्यात का लगभग 9% है। ऑटो के अलावा, इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स और मेटल पर बढ़े हुए टैरिफ से इनकी मांग में कमी आने की संभावना है। कुछ विशेष भारतीय उत्पाद, जिनका मार्केट शेयर मजबूत है, उन्हें वॉल्यूम के बजाय कीमत का नुकसान हो सकता है।

ब्रीफ खबरें

महिलाओं के लिए वरदान साबित हो सकती हैं नई श्रम संहिताएं



नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से लागू नई श्रम संहिताएं महिलाओं के लिए वरदान साबित हो सकती हैं। अखिल भारतीय नियोक्ता संगठन (एआईओई) ने कानूनी फर्म शार्दुल अमरचंद मंगलदास के सहयोग से ब्रेकिंग द ग्लास सीलिंग: हाउ द लेबर कोड्स बूस्ट विमेंस पार्टिसिपेशन इन इंडियाज वर्कफोर्स शीर्षक से एक महत्वपूर्ण श्वेत पत्र जारी किया है। इसमें कहा गया है कि हाल ही में अधिसूचित चार श्रम संहिताएं, जो 21 नवंबर 2025 से प्रभावी हुई हैं, भारतीय कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को सुरक्षित, संरक्षित और अधिक सुलभ बनाकर बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। श्वेत पत्र के अनुसार, भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3% थी, जो 2023-24 में बढ़कर 41.7% हो गई है। भारत का कानूनी और नीतिगत ढांचा सामाजिक परिवर्तन के साथ विकसित हो रहा है। इसमें मातृत्व लाभ अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम, 2013 जैसे कानूनों की अहम भूमिका रही है। रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि मिशन शक्ति, नव्या और वाइज-किरण जैसी सरकारी पहलों ने महिलाओं को कौशल के नए अवसर प्रदान किए हैं।

चांदी 9,500 रुपए तक उछली, सोने के भाव में भी रही जबरदस्त तेजी



नई दिल्ली। सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में इस हफ्ते जबरदस्त उछाल दर्ज हुआ है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर चांदी का घरेलू वायदा भाव शुक्रवार को 1,83,408 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। यह कीमत शुक्रवार 12 दिसंबर को 1,92,851 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई है। इस तरह इस हफ्ते चांदी की कीमत में 9,443 रुपए प्रति किलोग्राम की बंपर तेजी दर्ज हुई है। सोने की कीमतों में इस हफ्ते जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने का घरेलू वायदा भाव शुक्रवार 5 दिसंबर को 1,30,462 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, इस हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार 12 दिसंबर को सोने का भाव 1,33,622 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सोने की कीमतों में 3,160 रुपए प्रति 10 ग्राम का इजाफा हुआ है। सोने की कीमतों इस तेजी की वजह अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती करना है। साथ ही साल 2026 में एक और रेट कट का संकेत है।

कच्चे माल की कीमतें बढ़ने के कारण पतंगों के दाम 40 प्रतिशत तक बढ़े



छत्रपति संभाजीनगर। कच्चे माल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण इस साल पतंगों के दामों में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका असर मकर संक्रांति पर्व से पहले पतंग निर्माताओं पर पड़ा है। एक निर्माता ने बताया कि पिछले साल जहां एक पतंग की न्यूनतम कीमत पांच रुपए थी, वह इस साल बढ़कर सात रुपए हो गई है। छत्रपति संभाजीनगर के बुड़ी लेन इलाके में रहने वाला राजपूत परिवार पिछले 60 वर्ष से अधिक समय से पतंग बनाने के व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। वे महाराष्ट्र और पड़ोसी राज्यों तक पतंगों की आपूर्ति करते हैं। हर साल त्योहारों के सीजन में स्थानीय और बाहर से आने वाले खरीदार बड़ी संख्या में उनकी दुकानों पर पहुंचते हैं। फिलहाल राजपूत परिवार की निर्माण इकाई में पतंग बनाने का काम पूरे जोर-शोर से जारी है। कीमतों में बढ़ोतरी पर बात करते हुए पतंग निर्माता अनिल राजपूत ने कहा कि पिछले साल की तुलना में कच्चे माल की कीमत में काफी इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले साल कागज की रिम 900 रुपए में पड़ती थी, जो इस साल बढ़कर 1,100 रुपए हो गई है। पहले बांस की 1,000 तीलियों का बंडल 1,050 रुपए का था, लेकिन अब इसकी कीमत करीब 2,000 रुपए हो गई है।

शिपरॉकेट का जल्द आएगा आईपीओ, सेबी के पास जमा कराए दस्तावेज



नई दिल्ली। टेमासेक समर्थित ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स मंच शिपरॉकेट ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए बाजार नियामक सेबी के पास अपडेट मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए कुल 2,342 करोड़ रुपए से अधिक जुटाने की योजना बना रही है। शिपरॉकेट का आईपीओ जल्द ही निवेशकों के लिए खुल सकता है। प्रारंभिक दस्तावेजों के मुताबिक, शिपरॉकेट का आईपीओ दो हिस्सों में होगा। इसमें 1,100 करोड़ रुपए तक के शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, जबकि शेष 1,24213 करोड़ रुपए की राशि ओएफएस के जरिए जुटाई जाएगी। ओएफएस के तहत मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी का आंशिक विनिवेश करेंगे, जिससे कंपनी को प्रत्यक्ष पूंजी नहीं मिलेगी, लेकिन शेयरहोल्डर्स को एग्जिट का अवसर मिलेगा। ओएफएस के हिस्से के रूप में कई प्रमुख निवेशक अपनी हिस्सेदारी कम करने जा रहे हैं।

फुटबॉल इतिहास के संभवत: सर्वकालिक सबसे बड़े सितार मेसी से कम नहीं क्रिकेट के महानायक विराट कोहली की फैन फॉलोइंग!

विराट कोहली और मेसी की सालाना कमाई में है जमीन-आसमान का अंतर

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . नई दिल्ली

फुटबॉल इतिहास के संभवतः सर्वकालिक सबसे बड़े सितार ने पहली बार शुक्रवार किसी भारतीय स्टेडियम में प्रवेश किया, तो उन्हें यह एहसास जरूर हो गया होगा यहां उनके और खेल को लेकर कितनी दीवानगी है। एक बार को सकता है कि कोलकाता जैसे शहर विशेष में यह दीवानी एक बार को भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े सुपरस्टारों में से एक विराट कोहली से भी ज्यादा हो। वैसे जहां मेसी अर्जेंटीना में अपने देश के बड़े महानायक हैं, तो कुछ ऐसा ही विराट कोहली के बारे में कहा जा सकता है। मेसी के भारत दौरे में वह विराट कोहली से भी मिलेंगी। और जब विराट का नाम चर्चा में आया, तो फैंस ने इन दोनों को लेकर तुलना भी करनी शुरू कर दी। वैसे एक तरह से यह तुलना दोनों खेलों की वैश्विक स्थिति को देखते हुए बेमानी ही है। पूर्व कप्तान विराट कोहली को बीसीसीआई से ए + ग्रेड के तहत अभी तक हर साल 7-8 करोड़ रुपए मिलते हैं, तो आईपीएल से 17 करोड़। वहीं कोहली के हिस्से में हर साल 90-100 करोड़ रुपए विज्ञापन से आते हैं। वहीं अर्जेंटीनाई दिग्गज को इंटर मिलान क्लब से सालाना करीब 60 मिलियन डॉलर सैलरी मिलती है। यह भारतीय रुपए में करीब 498 करोड़ रुपए बैठती है। वहीं,मेसी विज्ञापन से हर साल 70-75 मिलियन डॉलर यानी करीब 580-620 करोड़ रुपए कमाते हैं। ऐसे में मेसी हर साल करीब 1100-1120 करोड़ रुपए की कमाई करते हैं। और उनके और विराट के बीच सालना कमाई का अंतर करीब 950-970 करोड़ रुपए है।





विराट कोहली की इतनी है नेटवर्थ

वर्तमान क्रिकेट के किंग विराट कोहली भले ही टेस्ट और टी-20 से संन्यास ले चुके है, लेकिन उनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है बल्कि और भी बढ़ी है। हाल ही में वनडे में लगातार दो शतक लगाकर कोहली ने धमाका कर दिया है, जिससे सोशल मीडिया पर उनकी लोकप्रियता आसमान पर है। विराट कोहली क्रिकेट के अलावा भी बहुत पॉपुलर हैं। दुनिया भर में फैंस उन्हें पसंद करते हैं, उनके इंस्टाग्राम पर 274 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जो एक टॉप-टियर खिलाड़ी के तौर पर उनकी मौजूदगी दर्शाता है। विराट कोहली की नेट वर्थ ₹1050 करोड़ (लगभग $127 मिलियन) है। उनकी कमाई के मुख्य सोर्स BCCI कॉन्ट्रैक्ट, IPL और बड़ी कंपनियों के साथ अलग-अलग ब्रांड एंडोर्समेंट भी है। कोहली ने ही ही में अपने स्पोर्ट्स ब्रांड वन8 को एजिलिटास स्पोर्ट्स को बेच दिया है। साथ ही उन्होंने एजिलिटास स्पोर्ट्स में 40 करोड़ रुपए का निवेश भी किया है।

मेसी का एडिडास से ताउम्र का करार

मेसी के साथ प्रसिद्ध खेल उत्पाद कंपनी एडिडास के साथ जीवन पर्यन्त करार है। इसके लिए एक यही कंपनी मेसी को हर साल करीब 20 मिलियन डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में 165 करोड़ रुपए चुकाती है। मेसी की विज्ञापनों से होने वाली सालाना कमाई करीब 50-70 अमेरिकी डॉलर यानी भारतीय रुपयों में 412-575 करोड़ रुपए सालाना है।

ब्रीफ खबरें

राष्ट्रीय निशानेबाजी में रेइजा ढिल्लों को स्कीट में दो स्वर्ण

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक खेल चुकी रेइजा ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं के सीनियर और जूनियर दोनों वर्गों में स्कीट में स्वर्ण पदक जीता। इस निशानेबाज ने महिलाओं के फाइनल में 56 स्कोर करके यशस्वी राठौड़ को हराया, जिसने 55 अंक के साथ रजत पदक जीता। ओलंपियन गनीमत सेखों को कांस्य पदक मिला। इससे पहले क्वालीफिकेशन में यशस्वी ने 118 अंक लेकर शीर्ष स्थान पाया था जबकि गनीमत और रेइजा के 116 अंक थे। शूटआफ में रेइजा दूसरे और गनीमत तीसरे स्थान पर रही।



महिला टीम वर्ग में राजस्थान को स्वर्ण पदक मिला। यशस्वी दर्शना और ओलंपियन माहेश्वरी चौहान ने 343 अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया। मध्यप्रदेश दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर रहा।

ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में हुड्डा, ईशारानी और जॉर्ज



कटक। शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और हमवतन ईशारानी बरुआ शनिवार को यहां ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सेमीफाइनल जीतकर महिला एकल फाइनल में एक दूसरे से भिड़ेंगी, जबकि दूसरे वरीय किरण जॉर्ज पुरुष एकल खिताब के लिए इंडोनेशिया के मोहम्मद यूसुफ के सामने होंगे। अठारह वर्षीय हुड्डा टूर्नामेंट के 2022 चरण और 2023 अबुधाबी मास्टर्स की विजेता रह चुकी हैं। उन्हें पूर्व जूनियर नंबर एक खिलाड़ी तसनीम मीर ने कड़ी चुनौती दी। लेकिन हुड्डा एक घंटे तक चले मुकाबले में 18-21, 21-16, 21-16 से जीत दर्ज करने में कामयाब रहीं। दूसरे सेमीफाइनल में असम की ईशारानी ने शानदार वापसी कर तन्वी हेमंत को हराया।

डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को आठ विकेट से हरा दिया



दुबई। खुजैमा तनवीर के चार विकेट के बाद सैम कुरेन और मैक्स होल्डेन के बीच 77 गेंद में 123 रनों की अटूट साझेदारी से डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को आठ विकेट से हराकर आईएलटी20 के मौजूदा सत्र में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। तनवीर ने 10 रन देकर चार विकेट लिए, जो आईएलटी-20 के इतिहास में यूएई के किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इसके साथ ही इस लीग के पावरप्ले में चार विकेट लेने वाले देश के पहले गेंदबाज भी बन गए। गल्फ जायंट्स की टीम खराब शुरुआत के बावजूद सात विकेट पर 157 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए वाइपर्स ने दूसरे ओवर में क्रिस वुड की गेंद पर फखर का विकेट गंवाया।

टिकट बिक्री पोस्टर में पाक कप्तान की तस्वीर नहीं होने से पीसीबी खफा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री के लिए जारी किए गए प्रचार पोस्टर में अपने कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर न होने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से नाखुश है। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि इस मामले को आईसीसी के समक्ष उठाया गया है क्योंकि प्रचार पोस्टर में केवल पांच कप्तानों की तस्वीर है। इसमें सूर्यकुमार यादव (भारत), एडेन मार्कराम (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया), दासुन शनाका (श्रीलंका) और हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) शामिल है। सूत्र ने कहा, 'कुछ महीने पहले एशिया कप में भी हमें इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा था, उस समय प्रसारकों ने हमारे कप्तान की तस्वीर के बिना ही प्रचार अभियान शुरू कर दिया था।'

भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की श्रृंखला का तीसरा टी-20 मैच आज

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 में शुभमन की बल्लेबाजी पर होंगी सभी नजरें

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . धर्मशाला

भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी जो इस प्रारूप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे है। गिल को श्रृंखला के बाकी बचे तीनों मैचों में एकादश में जगह मिलना लगभग तय है, लेकिन उनके लिए चीजें आसान नहीं है। टी20 विश्व कप अब सिर्फ छह सप्ताह दूर है और यह सलामी बल्लेबाज इन मैचों में अगर लय हासिल करने में विफल रहा तो टीम दूसरी योजना पर काम करने का मन बना सकती है। धर्मशाला में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का पूर्वानुमान है और बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वतमाला की पृष्ठभूमि में खेले जाने वाले मुकाबले से पहले भारतीय ड्रेसिंग रूम के भीतर माहौल गर्म होगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं। एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए।



गंभीर की रणनीतिक चूक की हुई काफी आलोचना

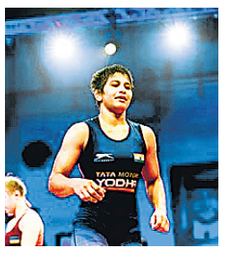
भारतीय कोच गंभीर की पहचान मजबूत फैसले लेने की है, लेकिन दूसरे टी20 में अक्षर पटेल को नंबर तीन बल्लेबाजी के लिए भेजने को एक बड़ी रणनीतिक चूक की तरह देखा जा रहा है। इस फैसले की काफी आलोचना हुई है और उम्मीद है कि तीसरे मैच में इस तरह का प्रयोग देखने को नहीं मिलेगा। सूर्यकुमार के फिर से नंबर तीन पर लौटने की संभावना है, जहां उन्होंने काफी सफलता हासिल की है। इसी तरह बल्लेबाजी क्रम में अत्यधिक फेरबदल के चलते शिवम दुबे को नंबर आठ पर भेजना भी एक कमजोर फैसला रहा। कुलदीप यादव ऐसे गेंदबाज रहे है, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया है। भारतीय टीम प्रबंधन आठवें क्रम तक बल्लेबाजी करने की क्षमता वाला खिलाड़ी चाहता है ऐसे में इस स्पिनर को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है। विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। कप्तान होने के नाते सूर्यकुमार यादव को एक साल से खराब फॉर्म के बावजूद विश्व कप तक कुछ हद तक सुरक्षा मिलने की संभावना है। लेकिन यह छूट गिल को मिलना मुश्किल है क्योंकि वह एशिया कप से पहले तक पारी का आगाज करने के लिए मूल विकल्प नहीं थे।

भारत की बल्लेबाजी रणनीति में है कमी



पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की बल्लेबाजी रणनीति में भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल हो जाता है। उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरुआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि शुभमन गिल के आउट होने के बाद अपनाई गई रणनीति की थी। भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है लेकिन टीम ने उसका इस्तेमाल अच्छे से नहीं किया। उथप्पा का मानना था कि अक्षर की धीमी गति से खेली गई 21 रनों की पारी दबाव कम करने में विफल रही और रणनीति में बदलाव करना पड़ा। इससे लक्ष्य का पीछा करना और धीमा हो गया। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को अपनी भूमिकाओं और पारी को आगे बढ़ाने के तरीके के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए।

अंतिम ने कुश्ती प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल



अहमदाबाद। दो बार की विश्व चैंपियनशिप विजेता अंतिम पंघाल ने यहां शुरू हुई 2025 सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में महिला 55 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। टूर्नामेंट के पहले दिन महिला कुश्ती के सभी 10 भार वर्गों में मुकाबले हुए जहां देश की पहलवानों ने अगले ओलंपिक चक्र की तैयारी शुरू की। पंघाल अब 55 किलोग्राम भार वर्ग में खेल रही है, जबकि पहले वह 53 किलोग्राम में खेलती थीं। उनके अलावा मनीषा और निशा दहिया ने भी अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीते। प्रिया मलिक को 76 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में हरियाणा की ज्योति बेरवाल से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

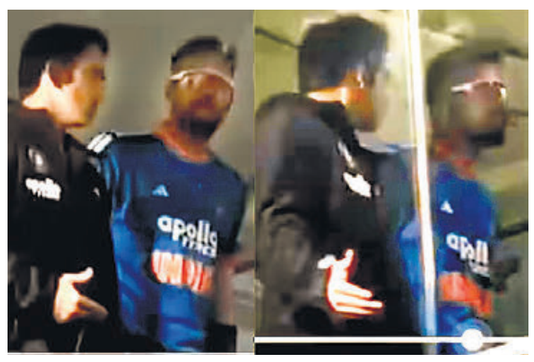
एशिया कप में आज भिड़ेंगे भारत और पाक

दुबई। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को अंडर-19 क्रिकेट एशिया कप में ग्रुप स्टेज का मैच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच जूनियर लेवल पर पिछले तीनों मैच पाकिस्तान ने ही जीते। यहां तक कि एमर्जिंग एशिया कप में अंडर-23 टीमों के बीच पिछला मैच भी पाकिस्तान के नाम ही रहा। टीम इंडिया के पास दुबई में इस रिकॉर्ड को सुधारने का मौका है। टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में भारत का पहला मैच यूएई से था, इसमें 14 साल के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने 14 छक्के लगाकर 171 रन बना दिए थे। दूसरी ओर पाकिस्तान के समीर मिन्हास ने मलेशिया के खिलाफ टीम के पहले मैच में 177 और अहमद हुसैन ने 132 रन बनाए थे। पाकिस्तान ने मलेशिया को हराकर विजयी शुरुआत की। टीम इंडिया ने शुक्रवार को यूएई के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 6 विकेट खोकर 433 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने शतक लगाया। वहीं आरोन जॉर्ज और विहान मल्होत्रा ने 69-69 रन की पारियां खेली।

ड्रेसिंग रूम में 'टकराव'! हार के बाद गंभीर और हार्दिक पांड्या में तीखी नोकझोंक?

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुल्लांपुर में भारत ने दूसरा टी-20 इंटरनेशनल मैच 51 रन से गंवा दिया। टीम इंडिया से तो निराशाजनक प्रदर्शन देखने को मिला ही, साथ ही हेड कोच ने अपने कुछ फैसलों से सभी को हैरान किया, जिसे लेकर खूब सवाल उठे। अक्षर पटेल को तीन नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारना टीम पर भारी पड़ा। इसे लेकर गंभीर की खूब आलोचना हो रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने खलबली मचा दी है। दावा किया जा रहा है कि मैच के बाद दोनों के बीच ड्रेसिंग रूम में तीखी नोंकझोंक हुई। इस हार के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम के अंदर का एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें गंभीर स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के साथ बातचीत करते हुए दिख रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो से यह सपष्ट नहीं हो रहा कि दोनों के बीच किसी टॉपिक पर बहस या असहमति जाहिर हो रही है।



मेसी ने हैदराबाद में बच्चों और सीएम के साथ खेला फुटबॉल

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . हैदराबाद

महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी तीन दिन के गोट इंडिया टूर पर हैं, जिसकी शुरुआत 13 दिसंबर को उनके कोलकाता में पहुंचने के साथ हो गई। मेसी अपने इस टूर में कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुए एक कार्यक्रम के बाद 13 दिसंबर की शाम को हैदराबाद पहुंचे जहां पर उन्होंने राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी और बच्चों के साथ फुटबॉल भी खेली।

कोलकाता में हुई सुबह की घटना के बाद इस कार्यक्रम को लेकर सभी की नजरें टिकी हुई थी, जिसमें भी हजारों की संख्या में फैंस स्टेडियम में पहुंचे हुए थे।



वहीं सीएम रेवंत रेड्डी और मेसी के बीच हुए फुटबॉल मैच का मजा स्टेडियम में मौजूद सभी फैंस ने उठाया। लियोनल मेसी के साथ गोट इंडिया टूर में लुईस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल भी आए हुए हैं। हैदराबाद में मेसी ने एक फ्रेंडली मैच में भी हिस्सा लिया जो बच्चों के बीच खेला गया था।

असम क्रिकेट एसोसिएशन ने ईशान अहमद, अमन त्रिपाठी, अमित सक्सेना और अभिषेक को कर दिया सस्पेंड

भारतीय क्रिकेट पर फिर लगा 'मैच फिक्सिंग' का दाग! मचा हड़कंप

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . मुंबई

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में असम की टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वो अगले राउंड के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई। इसी बीच असम के चार क्रिकेटर्स पर गंभीर आरोप लगे हैं, जिसके बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। ट्रॉफी के मौजूदा सीजन के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने भारतीय घरेलू क्रिकेट में हलचल मचा दी है। असम के चार खिलाड़ियों पर भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप लगे हैं। असम क्रिकेट एसोसिएशन ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए चार खिलाड़ियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित भी कर दिया। निलंबित किए गए खिलाड़ियों में अमित सिन्हा, ईशान अहमद, अमन त्रिपाठी और अभिषेक ठकुरी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों पर आरोप है कि उन्होंने असम टीम के उन खिलाड़ियों को प्रभावित करने और गलत गतिविधियों के लिए उकसाने की कोशिश की थी।



प्रथम दृष्टया मिले संलिप्तता के सबूत!

एसीए के सचिव सनातन दास ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान जारी किया। सनातन ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए गुवाहाटी के क्राइम ब्रांच में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड की एंटी करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट ने भी इस पूरे मामले की प्रारंभिक जांच कर ली है। एसीए के मुताबिक जांच में ऐसे प्रथम दृष्टया सबूत मिले हैं, जो इन चारों खिलाड़ियों की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं और जो सीधे तौर पर खेल की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को खतरे में डालते हैं। वैसे तो आपराधिक मामले धीरे-धीरे चलते हैं लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड काफी ज्यादा सख्त रुख अपनाता है।

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' ने तोड़े बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड, छप्परफाड़ कमाई



धुरंधर के मेकर्स को सिनेमाघरों में फिल्म की परफॉर्मेंस देखकर बेहद खुशी हो रही होगी। महज एक हफ्ते में ही आदित्य धर की निर्देशित इस फिल्म ने 200 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है और अब निर्देशक अपनी पहली फिल्म 'उरी' (244 करोड़ रुपए) के आंकड़े को तोड़ने के करीब पहुंच रहे हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म के बारे में चारों तरफ बातें हो रही हैं। चाहे वो अक्षय खन्ना की एक्टिंग की बात हो या फिर फिल्म की कहानी को बांधे रखने की, 'धुरंधर' ने हर तरह से लोगों का दिल जीता है और वीकेंड पर इसकी कमाई और बढ़ गई है। फिलहाल ये फिल्म किसी के रोक नहीं रुकेगी, जैसा ये परफॉर्म कर रही है। 'धुरंधर' संजय दत्त के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है, पहली फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' (435 करोड़ रुपए) है। यहां तक कि शाहरुख खान के साथ 'रा.वन' (116 करोड़ रुपए) और 'ओम शांति ओम' (78 करोड़ रुपए) में विलन के रोल को भी ध्यान में रखते हुए, अर्जुन रामपाल की भी किसी फिल्म ने आज तक 200 करोड़ रुपए का कलेक्शन नहीं किया है। हालांकि, अक्षय खन्ना के लिए यह ऐसी दूसरी फिल्म है। विक्की कौशल की 'छावा' इसी साल रिलीज हुई थी, जिसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और 600 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की थी। 'धुरंधर' का आठवें दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी रोज की तरह ही दमदार रहा।

आर्मी फैमिली में जन्मीं चित्रांगदा आज भी अपनी पर्सनालिटी से जीत लेती हैं लोगों का दिल

49 की उम्र में भी 'कहर' ढहाया



बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री, मॉडल और प्रोड्यूसर चित्रांगदा सिंह अपनी खूबसूरती और स्टाइल को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। 30 अगस्त 1976 को जोधपुर, राजस्थान में एक आर्मी फैमिली में जन्मीं चित्रांगदा आज भी अपनी पर्सनालिटी से लोगों का दिल जीत लेती हैं। 49 की उम्र में भी उनकी फिटनेस और ग्रेस देखने लायक है। चाहे रेड कार्पेट हो या कोई खास इवेंट, चित्रांगदा का हर लुक लोगों का ध्यान खींच ही लेता है। उनका फैशन सेंस काफी क्लासी और एलिगेंट माना जाता है, जिसे फैंस खूब पसंद करते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके स्टाइल की जमकर तारीफ होती है। चित्रांगदा की त्वचा को देखकर कोई भी व्यक्ति उनकी असली उम्र का पता नहीं लगा सकता है। एक्ट्रेस की त्वचा इतनी सॉफ्ट, ग्लोइंग और स्पॉटलेस है कि महिलाएं उनकी जैसी त्वचा पाने के सपने देखती हैं। चित्रांगदा जब भी टीवी स्क्रीन पर आती हैं, सभी की नजरें उन्हीं पर होती हैं। वहीं, महिलाओं के मन में आता है कि काश हमारी त्वचा भी एक्ट्रेस, जितनी खूबसूरत होती।

गाने 'तुम तो ठहरे परदेसी' से मिली पहचान

चित्रांगदा सिंह को पहचान सिंगर अल्ताफ राजा के गाने तुम तो ठहरे परदेसी से मिली। वह इस म्यूजिक वीडियो में नजर आई थी। उसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में फिल्म सॉरी भाई से कदम रखा था। इसके बाद वह आईसीआईसीआई बैंक, अलुक्कास ज्वेलरी और गार्नियर जैसे बड़े ब्रांड्स का चेहरा बनीं, लेकिन उन्हें असली पहचान 2003 में निर्देशक सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' से मिली। फिल्म में गीता राव के किरदार को चित्रांगदा ने इस कदर जिया कि आलोचकों ने उन्हें स्मिता पाटिल और शबाना आजमी की श्रेणी की अभिनेत्री करार दिया। 2008 में उन्होंने फिल्म 'सॉरी भाई' से वापसी की। इसके बाद वह लगातार बेहतरीन भूमिकाओं और चुनिंदा फिल्मों में दिखती रहीं। 'ये साली जिंदगी' (2011) और 'इंकार' (2013) जैसी फिल्मों ने उनके करियर को नया मुकाम दिया। वहीं, 'देशी बॉयज' और 'आई मी और मैं' जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने ग्लैमरस और रोमांटिक अंदाज से दर्शकों को आकर्षित किया।

मॉडलिंग से हुई करियर की शुरुआत

चित्रांगदा ने दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से होम साइंस में ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी। चित्रांगदा ने अपने करियर में अभिनय करने के साथ-साथ आइटम सॉन्ग के जरिए भी पहचान बनाई। फिल्म जोकर का 'काफी जोशिला गाना' और 'गब्बर इज बैक' का 'आओ राजा' उनके करियर के हिट डांस नंबर साबित हुए। फिल्मों में काम करने के दौरान उनकी मुलाकात मशहूर गोल्फर ज्योति रंधावा से हुई और कुछ समय डेट करने के बाद दोनों ने शादी कर ली। लेकिन यह रिश्ता ज्यादा दिनों तक टिक नहीं सका और 2014 में दोनों का तलाक हो गया। उनके बेटे जोरावर रंधावा की परवरिश की जिम्मेदारी भी उन्होंने संभाली। चित्रांगदा सिंह के पिता आर्मी ऑफिसर थे और भाई दिग्विजय सिंह चहल एक गोल्फर हैं।

'अखंडा-2' और 'धुरंधर' के बीच पीसकर रह गई कपिल की मूवी



धुरंधर की दीवानगी के बीच कपिल शर्मा ने एक दांव बॉक्स ऑफिस पर खेला, जिसमें वह बुरी तरीके से मात खा गए हैं। उन्होंने अपनी सफल फिल्म के सीक्वल को रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' के आने के एक हफ्ते बाद ही सिनेमाघरों में रिलीज किया। एक तरफ धुरंधर और दूसरी तरफ नंदमुरी की फिल्म 'अखंडा-2' के बीच कपिल शर्मा फिल्म फ्राइडे को बुरी तरह से पिस गई है। इस फिल्म को पहले दिन 2 करोड़ की ओपनिंग भी नहीं मिली। फ्राइडे को 'किस-किसको प्यार करूं-2' ने कितने करोड़ का कलेक्शन किया है। कपिल शर्मा के इस फिल्म के सीक्वल लाने के डिसीजन को फैंस पूरी तरह से गलत बता रहे हैं। कपिल जब अपना कॉमेडी शो लेकर आते हैं, तो उसमें भारी भरकम ऑडियंस होती है, लेकिन थिएटर में फिल्म को कितने लोग देखने पहुंचे हैं, इसका अंदाजा आप फिल्म के शुक्रवार को घरेलू बॉक्स ऑफिस पर की गई कमाई से लगा सकते हैं। किस किसको प्यार करूं 2 ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 1.23 करोड़ रुपए तक की कमाई की है।

शेट्टी के 'लाइक' से गोलमाल-5 में करीना–सारा की एंट्री तय?



रोहित शेट्टी की लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइज गोलमाल एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार वजह बना निर्देशक का सोशल मीडिया पर किया गया छोटा-सा कदम, जिसने बड़े स्तर पर अटकलों को जन्म दे दिया। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट जिसमें दावा किया गया था कि करीना कपूर खान और सारा अली खान से गोलमाल- 5 के लिए संपर्क किया, इस पोस्ट पर शेट्टी का साधारण-सा "लाइक" फैंस के लिए संकेत बन गया कि बातचीत वाकई शुरू हो चुकी है। एंटरटेनमेंट हैंडल द्वारा शेयर किए गए इस पोस्ट में बताया गया कि दोनों अभिनेत्रियां शुरुआती दौर की बातचीत में हैं।

यूथ पावर

"उदासीनता सबसे बुरी बीमारी है जो लोगों को प्रभावित कर सकती है।
- डॉ. बी.आर अंबेडकर



हर काम की अपनी एक गरिमा है और हर कार्य को अपनी पूरी क्षमता से करने में ही संतोष प्राप्त होता है।
- लाल बहादुर शास्त्री

भारत से ही छात्राओं के एडमिशन में 60 फीसदी का इजाफा, महिला सेफ्टी के मामले में भी अच्छा देश

हायर एजुकेशन में भारतीयों की पसंद बना आयरलैंड

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . नई दिल्ली

यूरोप में जब भी हायर एजुकेशन के लिए किसी देश को चुनने की बात आती है, तो उसमें ज्यादातर लोगों की पहली पसंद ब्रिटेन होता है। इसके बाद कुछ लोग जर्मनी या फ्रांस का नाम ले लेते हैं। हालांकि, ब्रिटेन के पड़ोस में ही एक देश और है, जो हायर एजुकेशन के लिए काफी बेस्ट है। ये देश धीरे-धीरे भारतीय छात्रों के बीच काफी पॉपुलर भी हो रहा है। यहां हम जिस देश की बात कर रहे हैं, वह आयरलैंड है। इस देश में सात हजार से ज्यादा भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। आयरलैंड में भी ब्रिटेन की तरह ही अंग्रेजी में ही पढ़ाई करवाई जाती है। पिछले साल यहां पर 40 हजार से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ाई करने आए। ये एक बड़ा नंबर रहा। आईडीपी एजुकेशन के मुताबिक, भारत से ही छात्राओं के एडमिशन में 60 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। ये दिखाता है कि आयरलैंड महिला सेफ्टी के मामले में भी एक अच्छा देश है। आयरलैंड का एजुकेशन सिस्टम भी काफी अच्छा है। ऐसे में आइए जानते हैं कि भारतीय छात्र यहां किन 5 वजहों के चलते पढ़ने जा रहे हैं।



टॉप यूनिवर्सिटीज

आयरलैंड में पढ़ने वाला हर 10 में से 1 स्टूडेंट विदेशी है, जो दिखाता है कि यहां के संस्थान हाई-क्वालिटी वाले हैं, तभी उसे स्टूडेंट चुन रहे हैं। ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन, यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन, यूनिवर्सिटी ऑफ गॉलवे, यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क, डबलिन सिटी यूनिवर्सिटी जैसे टॉप संस्थान यहां पढ़ाई के लिए बेस्ट हैं।

इनोवेशन और रिसर्च

आयरलैंड की यूनिवर्सिटी और कॉलेज दुनिया के टॉप 1% रिसर्च संस्थानों में शामिल हैं, जिनका प्रभाव सोशल साइंसेज, नेचुरल साइंसेज और हेल्थकेयर सहित 19 विषयों पर है। ये बैचलर्स और मास्टर्स छात्रों के लिए इनोवेशन और प्रचुर अवसरों से प्रेरित रिसर्च कोर्स प्रदान करता है। आयरलैंड में आप बैचलर्स करना चाहें या मास्टर्स, आपको ढेरों अवसर मिलेंगे। आयरलैंड में 1,000 से ज्यादा मल्टीनेशनल कंपनियां हैं, जिनमें से 10 ग्लोबल टेक कंपनियों में से 9, टॉप 10 वैश्विक दवा कंपनियों में से 8, टॉप 7 डायग्नोस्टिक कंपनियों में से 6, टॉप 10 गेमिंग कंपनियों में से 8 और टॉप 20 मेडिकल डिवाइस कंपनियों में से 15 यहां हैं। इस तरह स्टूडेंट्स के पास जॉब के अच्छे अवसर हैं।

पढ़ाई करना रहेगा काफी सुरक्षित

आयरलैंड में पढ़ाई करना काफी सुरक्षित माना जाता है। ग्लोबल पीस इंडेक्स 2025 में आयरलैंड को दूसरा स्थान मिला था। इसका मतलब है कि ये दुनिया का दूसरा सबसे सुरक्षित देश रहा। यहां पर आपको रात में भी कहीं जाने पर किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होने वाली है। आयरलैंड दुनिया का 15वां सबसे खुशहाल देश भी है। दुनिया के बाकी देशों की तरह आयरलैंड में भी स्टूडेंट्स को पार्ट-टाइम जॉब की इजाजत होती है। पढ़ाई के दौरान स्टूडेंट्स हफ्ते में 20 घंटे काम कर सकते हैं। इसी तरह से जब उनकी छुट्टियां चल रही हो तो वह 40 घंटे तक काम कर सकते हैं।

खत्म हो रहा है यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई!, इनके मर्जर से बनेगा नया सिंगल रेगुलेटर

उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव को मिल गई कैबिनेट की मंजूरी

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . नई दिल्ली

भारत के हायर एजुकेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को मर्ज करके नया सिंगल रेगुलेटर बनाया जाएगा। शुक्रवार को नए सिंगल रेगुलेटर के लिए 'विकसित भारत अधीक्षण बिल' को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। दरअसल, प्रस्तावित कानून, जिसे पहले हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया (एचईसीआई) बिल नाम दिया गया था, अब उसका नाम बदलकर विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण बिल कर दिया गया है। नए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रस्तावित सिंगल हायर एजुकेशन रेगुलेटर, यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन और नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन की जगह लेगा। रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा, 'विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण स्थापित करने वाले बिल को कैबिनेट ने मंजूर कर दिया है।' यूजीसी नॉन-टेक्निकल हायर एजुकेशन की देखरेख करता है, एआईसीटीई टेक्निकल एजुकेशन की देखरेख करता है और एनसीटीई शिक्षकों की शिक्षा के लिए रेगुलेटरी बॉडी है। कमीशन को एक सिंगल हायर एजुकेशन रेगुलेटर के रूप में स्थापित करने का प्रस्ताव है, लेकिन मेडिकल और लॉ कॉलेजों को इसके दायरे में नहीं लाया जाएगा।



पहले से आसान व तेज होंगे काम

इसकी तीन मुख्य भूमिकाएं होंगी, रेगुलेशन, मान्यता और प्रोफेशनल स्टैंडर्ड तय करना। वहीं फंडिंग, जिसे चौथा वर्टिकल माना जाता है, उसे अभी तक रेगुलेटर के तहत लाने का प्रस्ताव नहीं है। फंडिंग की स्वायत्तता प्रशासनिक मंत्रालय के पास रहने का प्रस्ताव है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने कहा कि हायर एजुकेशन के इस नए सिंगल रेगुलेटर से काम पहले से आसान और तेजी से होंगे। सरकारी और प्राइवेट संस्थानों में हायर एजुकेशन की क्वालिटी और सीखने के रिजल्ट पर ज्यादा फोकस होगा। शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, 'इस विभाजन का उद्देश्य हितों के टकराव को रोकना, सूक्ष्म प्रबंधन (माइक्रोमैनेजमेंट) को कम करना और एक अधिक पारदर्शी नियामकीय ढांचा तैयार करना है।'

ब्रीफ खबरें

इंडियन आर्मी में इंटर्नशिप का मौका, 75000 मिलेंगे



जागो इंडिया जागो
एजेंसी . नई दिल्ली

देश की आन बान और शान इंडियन आर्मी के साथ जुड़ना चाहते हैं, तो आपके लिए सुनहरा मौका है। भारतीय सेना हर साल योग्य युवाओं को रक्षा प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अवसर देती है। इसके लिए खासतौर पर इंडियन आर्मी इंटर्नशिप प्रोग्राम चलाया जाता है। इस साल भी इस प्रोग्राम के लिए आवेदन शुरू किए गए हैं। जो उम्मीदवार सेना के लाइव प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहते हैं, वो इसमें अप्लाई कर सकते हैं। आखिरी तारीख 21 दिसंबर 2025 तय की गई है। इस इंटर्नशिप में सलेक्ट हुए कैंडिडेट्स को इंडियन आर्मी के हाई टेक मिशनों में भी शामिल किया जाएगा। साथ में कटिंग एड्ज, सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन, एआई मॉडल्स और मिलिट्री ग्रेड सिक्योर एप्लिकेशन के डेवलपमेंट पर भी काम करने का चांस मिलेगा।

इंटर्नशिप के लिए योग्यता

भारतीय सेना की इस इंटर्नशिप के लिए बी.ई/बीटेक (कंप्यूटर साइंस/डाटा साइंस/आईटी/ईसीई) कोर्स के लास्ट ईयर में पढ़ रहे या डिग्री पूरी कर चुके कैंडिडेट्स अप्लाई कर सकते हैं। एमटेक एआई&एमएल/डाटा साइंस/सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और एआई, एमएल, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और बिग डाटा या इससे संबंधित फील्ड में पीएचडी वाले भी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इस इंटर्नशिप प्रोग्राम की जानकारी इंडियन आर्मी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर दी है। तस्वीर में इंटर्नशिप से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियों के साथ एक क्यूआर कोड दिया गया है। जिसे स्कैन करके उम्मीदवार इस इंटर्नशिप में अप्लाई कर सकते हैं। लास्ट डेट 21 दिसंबर तक रजिस्ट्रेशन प्रोसेस चालू रहेगा।

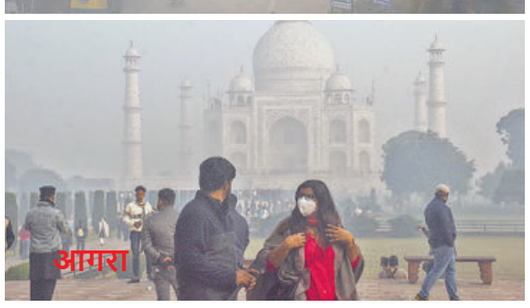
स्टाइपेंड कितना मिलेगा?

आर्मी का यह इंटर्नशिप प्रोग्राम 75 दिन तक चलेगा। जिसके शुरू होने का शेड्यूल भी बताया गया है। 12 जनवरी 2026 से शुरू होकर यह इंटर्नशिप 27 मार्च 2026 तक चलेगी। इस दौरान उम्मीदवारों को 1000 रुपए प्रतिदिन का स्टाइपेंड भी मिलेगा। यानी सभी दिनों को मिलाकर देखा जाए तो 75 दिन का 75000 रुपए स्टाइपेंड मिलेगा। इससे आप सेना के साथ काम भी कर पाएंगे और पैसे भी कमा सकेंगे। यह इंटर्नशिप नई दिल्ली और बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी। जहां सेना के टेक्नोलॉजी डिविजन और डिजिटल प्रोजेक्ट से जुड़े प्रमुख सेंटर मौजूद हैं।

सर्दी के तेवर तीखे: कहीं बारिश और बर्फबारी, कोहरे के चलते नोएडा एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियां भिड़ीं


प्रयागराज


दिल्ली


आगरा


नोएडा

नई दिल्ली। पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी के कारण उत्तर और मध्य भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तर-पूर्वी राज्यों में घना कोहरा देखने को मिल रहा है, जिससे वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में शीतलहर चल रही है। दूसरी तरफ पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में घना कोहरा छाया हुआ है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की बारिश और बर्फबारी से ठंड अचानक बढ़ सकती है। उत्तराखंड में शनिवार को कई इलाकों में पाला गिरा है, जिससे चमोली और पिथौरागढ़ में नदी-नाले और झरने का पानी जम गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले 10 साल के दौरान सबसे ज्यादा सर्दी पड़ रही है। इस बीच उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर कोहरे के चलते कई वाहन आपस में टकरा गए हैं। बताया जा रहा है कि करीब 6 वाहन एक-दूसरे से टकराए हैं, जिसमें कई लोगों के घायल होने की खबर है। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल भिजवाया है। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात शुरू करवाया गया है।

आवाज़ आपकी, पहचान आपकी

जागो इंडिया जागो

पिंकसिटी के पर्याय के रूप प्रदेश की राजधानी जयपुर से नई उमंग, ऊर्जा और उम्मीद के साथ शुरू हुआ यह अखबार आपकी आवाज़ और पहचान बनेगा।

हमसे जुड़ने, समाचारों को भेजने और सूचनाओं को साझा करने के लिए ई-मेल करें -

news@jagoindiajago.news

आपका साथ और विश्वास ही बनेगा हमारी ताकत

SUNDAY पंच



ब्रीफ खबरें

अमेरिका की 'पैक्स सिलिका' पहल में भारत को नहीं किया शामिल



न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को लेकर फिर एक विवादित कदम उठाया है। हाल ही में उन्होंने पैक्स सिलिका नामक एक रणनीतिक पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य सुरक्षित सिलिकॉन सप्लाय चेन को विकसित करना है। इस पहल में जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसमें भारत को जगह नहीं मिली है। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, पैक्स सिलिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा का प्रमुख प्रयास है। इसे आधुनिक एआई को शक्ति प्रदान करने वाली प्रौद्योगिकी प्रणाली को सुरक्षित करने वाले ढांचे के रूप में बताया गया है। एआई वैल्यू चेन, चिप निर्माण, रक्षा-संबंधी तकनीक और विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स के तौर पर पहचान बना चुके देशों को इसमें जगह मिली है। ये पहल एक रणनीतिक योजना है, जिसका लक्ष्य सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार-संचालित सिलिकॉन सप्लाई चेन का निर्माण करना है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस पहल में वे देश हैं, जिनके पास अत्याधुनिक तकनीक मौजूद है। भारत के पास अभी हाई-एंड सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, उन्नत एआई हार्डवेयर या महत्वपूर्ण चिप निर्माण उपकरण फिलहाल नहीं है। इसके अलावा भारत के पास दुर्लभ खनिजों की कमी भी इसकी वजह बताई जाती है।

मुनीर ने बॉर्डर पर सेना की तैयारियों का जायजा लिया



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) असीम मुनीर ने अपनी सेना की तैयारियों का जायजा लिया है। शनिवार को उन्होंने दो शहरों- गुजरांवाला और सियालकोट की छावनी का दौरा किया, जहां उन्होंने सैन्य अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत करते हुए युद्ध की तैयारी देखी। मुनीर ने इस दौरान कहा कि आधुनिक युद्ध के लिए सटीकता और स्थिति की जानकारी जरूरी है। मुनीर का दो प्रमुख छावनियों का यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अफगानिस्तान से पाकिस्तान तकरीबन युद्ध जैसी स्थिति में है। भारत से भी तनाव बना हुआ है। ऐसे में मुनीर के इस दौरे को किसी संभावित लड़ाई की तैयारी की तरह भी देखा जा रहा है।

हिट-एण्ड-रन केस: मिहिर को जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार किया

अदालत ने कहा, लड़कों को सबक की जरूरत

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और ऐसे मामलों में इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। हादसे में एक महिला की मौत हुई थी और आरोपी पर नशे की हालत में कार चलाने व फरार होने के गंभीर आरोप हैं। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंचने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और उसके पिता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। बेंच ने शुक्रवार को कहा, वह शेड में मर्सिडीज खड़ी करता है, बीएमडब्ल्यू निकालता है, उससे टक्कर मारता है और फरार हो जाता है। उसे कुछ समय अंदर रहने दीजिए। इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मिहिर शाह की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने कहा कि हाईकोर्ट ने मामले में प्रमुख गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद जमानत के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी।



आरोपी अत्यधिक नशे में था और हादसे के बाद भी नहीं रोकी कार

मिहिर शाह (24) को पिछले साल नौ जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि उसने मुंबई के वर्ली इलाके में अपनी बीएमडब्ल्यू कार से एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी, जिसमें कावेरी नखवा (45) की मौत हो गई थी और उनके पति प्रदीप नखवा घायल हो गए थे। आरोप है कि हादसे के बाद मिहिर शाह बांद्रा-वर्ली सी लिंक की ओर तेज गति से बढ़ा, जबकि महिला कार के बोनट पर फंसी रही। वह महिला को बाद में डेढ़ किलोमीटर तक अपनी कार से घसीटते हुए ले गया। हादसे के समय कार में मौजूद शाह के चालक राजऋषि को भी उसी दिन गिरफ्तार किया गया था। दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। शाह ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 21 नवंबर के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि आरोपी अत्यधिक नशे में था और स्कूटर से टकराने तथा पीड़िता को घसीटने के बावजूद उसने कार नहीं रोकी।

अनुकंपा नियुक्ति में उच्च पद का अधिकार नहीं: अदालत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मृतक कर्मचारी का आश्रित अनुकंपा के आधार पर नौकरी के लिए हालांकि पात्र है, लेकिन इस आधार पर वह किसी भी पद पर नियुक्ति का हकदार नहीं है। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि ऐसी नियुक्ति, जो असाधारण परिस्थितियों में होती है, का उपयोग केवल इस आधार पर उच्च पद का दावा करके वरिष्ठता में ऊपर चढ़ने के लिए सीढ़ी के रूप में नहीं किया जा सकता है कि वह व्यक्ति ऐसे पद के लिए पात्र है। पीठ ने कहा, "यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि मृतक कर्मचारी का आश्रित, भले ही पात्र हो, अनुकंपा के आधार पर किसी भी पद पर नियुक्ति का हकदार नहीं है। विशुद्ध मानवीय आधार पर की गई ऐसी नियुक्तियों को नियुक्ति के सामान्य नियमों का अपवाद माना जाना चाहिए।" इसने मद्रास उच्च न्यायालय के उन आदेशों को चुनौती देने वाली तमिलनाडु प्रशासन की दो अलग-अलग याचिकाओं पर फैसला सुनाया, जिनमें दो व्यक्तियों को, जो पहले सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत थे, अनुकंपा के आधार पर कनिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नत करने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा कि आवेदक की पात्रता मात्र ही उच्च पद पर नियुक्ति के उसके दावे को साकार करने के लिए पर्याप्त कारण नहीं हो सकती। इसने कहा, 'मृतक कर्मचारी के परिवार के किसी सदस्य को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की पेशकश किए जाने पर उद्देश्य पूर्ण हो जाता है। इसलिए, प्रतिवादियों का यह तर्क कि उन्हें उच्च पद पर नियुक्ति के लिए पुनर्विचार का अधिकार है, मान्य नहीं है। विचाराधीन मामले का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि प्रतिवादी मृतक कर्मचारियों के वारिस हैं, जिन्हें उनके पिताओं की मृत्यु के बाद अनुकंपा के आधार पर नियुक्त किया गया था। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए ने कहा, "उनकी नियुक्ति अपने आप में अनुकंपा नियुक्तियों के वास्तविक उद्देश्य की पूर्ति के लिए पर्याप्त राहत थी। उच्च पद पर नियुक्ति की मांग का दावा केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि समान स्थिति वाले किसी अन्य व्यक्ति को ऐसा लाभ दिया गया था।

बिना हिजाब के भाषण देने पर नोबेल विजेता नरगिस गिरफ्तार



तेहरान। ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को गिरफ्तार कर लिया है। उनके समर्थकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मोहम्मदी के नाम पर बने फाउंडेशन ने कहा कि उन्हें तेहरान से लगभग 680 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित मशहद में हिरासत में लिया गया। यह गिरफ्तारी तब हुई, जब वह एक मानवाधिकार वकील के लिए आयोजित शोक सभा में शामिल हो रही थीं, जिनकी हाल ही में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। कथित तौर पर एक स्थानीय अधिकारी ने गिरफ्तारी की बात स्वीकार की लेकिन 53 वर्षीय मोहम्मदी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। यह साफ नहीं है कि अधिकारी उन्हें तुरंत जेल भेजेंगे या नहीं। हालांकि, मोहम्मदी के समर्थक महीनों से आगाह कर रहे थे कि दिसंबर 2024 में चिकित्सा कारणों से मिली परोल के बाद उन्हें दोबारा जेल भेजे जाने का खतरा है। यह अवधि केवल तीन सप्ताह की थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ा दया गया था।

पाकिस्तान में संस्कृत की वापसी, गीता और महाभारत पढ़ाने की भी अब बनाई योजना

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . इस्लामाबाद

बंटवारे के बाद पहली बार पाकिस्तान के स्कूलों में संस्कृत की वापसी हुई है। लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज ने इस शास्त्रीय भाषा में 4 क्रेडिट का एक कोर्स शुरू किया है। यह पहल 3 महीने की सप्ताहांत कार्यशाला के परिणामस्वरूप शुरू हुई, जिसमें छात्रों और विद्वानों ने काफी रुचि दिखाई थी। इस पाठ्यक्रम के तहत छात्रों को महाभारत टेलीविजन सीरीज के प्रतिष्ठित गीत 'है कथा संग्राम की' का उर्दू संस्करण भी पढ़ाया जा रहा है।

गुरमानी केंद्र के निदेशक डॉ. अली उस्मान कास्मी ने बताया कि पंजाब विश्वविद्यालय पुस्तकालय में पाकिस्तान के सबसे समृद्ध लेकिन सबसे उपेक्षित संस्कृत संग्रहों में से एक मौजूद है। उन्होंने कहा, "संस्कृत ताड़ के पत्तों पर लिखी पांडुलिपियों का एक महत्वपूर्ण संग्रह 1930 के दशक में विद्वान जेसीआर वूलनर द्वारा सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन पाकिस्तानी शिक्षाविदों ने इसका उपयोग नहीं किया। स्थानीय स्तर पर विद्वानों को प्रशिक्षित करने से यह स्थिति बदलेगी। डॉ. कासमी ने कहा, विश्वविद्यालय महाभारत और भगवद गीता पर आगामी पाठ्यक्रमों के साथ विस्तार करने का भी लक्ष्य रखता है।



20 राज्यों ने एच-1बी वीजा शुल्क को लेकर ट्रंप प्रशासन पर दायर किया मुकदमा

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . वाशिंगटन

अमेरिका के 20 राज्यों ने ट्रंप प्रशासन के नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर 1 लाख डॉलर का शुल्क लगाने के फैसले को चुनौती देते हुए मुकदमा दायर किया है। तर्क दिया गया है कि यह नीति गैरकानूनी है और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं के लिए खतरा है। इस मामले की अगुवाई करने वाले कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के पास अतिरिक्त वीजा शुल्क लगाने का अधिकार नहीं था।

यह मुकदमा गृह सुरक्षा विभाग द्वारा लागू की गई एक नीति को



लक्षित करता है, जो एच-1बी वीजा कार्यक्रम के तहत उच्च कुशल विदेशी श्रमिकों को काम पर रखने की कोशिश करने वाले नियोक्ताओं के लिए लागत में भारी वृद्धि करती है, जिसका व्यापक रूप से अस्पतालों, विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्कूलों द्वारा उपयोग किया जाता है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने 19 सितंबर को जारी एक घोषणा के माध्यम से इस बढ़े हुए शुल्क का आदेश दिया था। बोंटा ने कहा कि कैलिफोर्निया जानता है कि जब दुनिया भर से कुशल प्रतिभाएं हमारे कार्यबल में शामिल होती हैं, तो यह हमारे राज्य को आगे बढ़ाती है। राज्यों का तर्क है कि यह नीति प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियम और अमेरिकी संविधान का उल्लंघन करती है। यह आवश्यक नियम बनाने की प्रक्रिया को दरकिनार करती है और संसदीय अधिकार क्षेत्र से बाहर जाती है। नया शुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में कर्मचारियों की कमी बढ़ा देगा।

दक्षिण कोरिया का मामला: न्यायाधीश ने कहा कि अंगदान के लिए किसी को भी मजबूर नहीं किया जा सकता

इलाज के लिए नहीं दिया लिवर, पति ने ली अदालत की शरण

जागो इंडिया जागो
एजेंसी . सियोल

जब हमारे परिवार के किसी सदस्य की जान पर बनती है तो हम उन्हें बचाने की हर कोशिश करते हैं। हालांकि, कुछ लोग ऐसी मुश्किल परिस्थितियों में भी अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। ऐसा ही कुछ दक्षिण कोरिया के एक व्यक्ति के साथ हुआ, जिनकी पत्नी ने उन्हें अपने लिवर का हिस्सा देने से मना कर दिया। इससे नाराज हो कर व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर मुकदमा ठोक दिया। 3 साल पहले इस जोड़े की शादी हुई थी और उनके 2 बच्चे हुए थे। पिछले साल की सर्दियों में व्यक्ति को प्राइमरी बिलियरी सिरोसिस हो गया था, जो लिवर की एक दुर्लभ बीमारी है। डॉक्टर ने परिवार वालों को तुरंत उसका लिवर ट्रांसप्लांट करवाने की सलाह दी थी। इलाज के लिए उसके माता-पिता ने अपना घर बेच दिया, जबकि पत्नी पूरी लगन से देखभाल करती रहीं। डॉक्टर ने व्यक्ति की जांच करवाई, जिससे उम्मीद की एक किरण नजर आई। उसकी पत्नी लिवर ट्रांसप्लांट के लिए सबसे सही पाई गई। खुश हो कर व्यक्ति ने अपनी पत्नी से सर्जरी करवाने के लिए आग्रह किया। पत्नी ने अपने लिवर का हिस्सा देने से इनकार कर दिया।

व्यक्ति की खुशकिस्मती थी कि समय रहते डोनर मिल गया और कुछ ही समय में वह ठीक भी हो गया। इलाज के बाद व्यक्ति ने अपनी पत्नी से बात की। गुस्से में उसने पत्नी से तलाक लेने का किया निर्णय।



पत्नी के इनकार से पहुंची ठेस

पत्नी ने बताया कि उन्हें सुई और नुकीली वस्तुएं से डर लगता है, जिस वजह से वह सर्जरी नहीं करवा सकतीं। इससे व्यक्ति आग-बबूला हो गया और अपनी पत्नी को खरी-खोटी सुनाने लगा। उसने कहा, "मेरी देखभाल करने का क्या फायदा? तुम तो बस मुझे मरते हुए देखना चाहती हो। इससे अच्छा तुम मुझे मार ही क्यों नहीं देती?" व्यक्ति के माता-पिता ने भी पत्नी पर खूब दबाव बनाया था, ताकि वह डोनर बनने के लिए राजी हो जाए।

पत्नी के पक्ष में सुनाया गया फैसला

मुकदमे की सुनवाई के दौरान, अदालत ने पति के बजाय पत्नी के पक्ष में फैसला सुनाया। न्यायाधीश ने कहा कि अंगदान व्यक्तिगत मामला है और किसी को इसके लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, यहां तक कि पति-पत्नी को भी नहीं। फैसले में इस बात पर जोर दिया गया कि व्यक्ति के दबाव और मौखिक दुर्व्यवहार ने उनकी शादी में भरोसे की नींव को कमजोर कर दिया था। इसकी वजह से पत्नी ने सहायता से इनकार किया था।

स्वामी जागो इंडिया जागो ट्रस्ट के लिए मुद्रक व प्रकाशक प्रतीक चौवे द्वारा जागो इंडिया जागो दैनिक हिन्दी अखबार, प्लाट नं. 23 कृष्णा एन्कलेव, पत्रकार कॉलोनी, धौलाई, मानसरोवर, जयपुर - 302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित। **संपादक** : * प्रतीक चौवे । RNI. No. : RJHIN/25/A3518 **फोन नं. :** 9888888130, **ईमेल-** contact@jagoindiajago.news *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।